राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 सीएम विजय ने तमिलनाडु विधानसभा में दिया..

मेसी नंबर-1 एमबाप्पे से मिल रही कड़ी चुनौती... 11

वर्ष : 17 | अंक : 60 | नई दिल्ली, बुधवार, 24 जून, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 27.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,52,595

चांदी 2,65,000

सेंसेक्स 84,556.95

निफ्टी 23,625.85

राजधानी के 2.70 लाख निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य की रक्षा करेगी दिल्ली सरकार

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी के श्रमिकों व उनके परिवारों के स्वास्थ्य को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने राजधानी के पंजीकृत भवन निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए ह्रदिल्ली भवन निर्माण श्रमिक स्वास्थ्य योजनाह्व को स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना से दिल्ली के लगभग 2.70 लाख पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों सहित करीब 10 लाख लोगों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। इस योजना के अंतर्गत श्रमिकों और उनके परिवार का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण तो कराया जाएगा ही, साथ ही कई चिकित्सीय सुविधाएं भी निशुल्क मिलेंगी। उपचार की पूरी प्रक्रिया कैशलेस होगी, जिससे श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेष रूप से गरीब, श्रमिक और वंचित परिवारों के कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। निर्माण श्रमिक राजधानी के विकास की नींव हैं। उनके स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से कैबिनेट ने इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजना को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिकों को अपने कार्य के दौरान पत्थरों को काटने से निकली धूल, रसायनों, अत्यधिक शोर, भारी मशीनों, सामान्य धूल और कठिन श्रम जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसके कारण उन्हें सिलिकोसिस (फेफड़ों की बीमारी), श्वसन संबंधी रोग, त्वचा रोग और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बना रहता है। लंबे समय से इस वर्ग के लिए किसी व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का अभाव था, जिसे ध्यान में रखते हुए यह योजना तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों तथा उनके पात्र परिवारजनों, जिनमें पति या पत्नी, बच्चे और माता-पिता शामिल हैं, को सूचीबद्ध अस्पतालों और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों के माध्यम से निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रत्येक पंजीकृत श्रमिक को सूचीबद्ध अस्पतालों में दो लाख रुपये तक के उपचार की सुविधा मिलेगी, जबकि एक परिवार के लिए यह सीमा 10 लाख रुपये तक होगी। उपचार की पूरी प्रक्रिया कैशलेस होगी, जिससे श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। इस योजना के तहत पंजीकृत श्रमिकों और उनके जीवनसाथियों का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त निःशुल्क ओपीडी एवं आईपीडी सेवाएं, जांच एवं प्रयोगशाला सुविधाएं, आपातकालीन चिकित्सा सहायता, रेफरल सेवाएं तथा निर्माण स्थलों और श्रमिक बहुल क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री के अनुसार योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड तैयार किए जाएंगे और एक आधुनिक लाभार्थी ट्रैकिंग प्रणाली विकसित की जाएगी, जिससे सेवाओं की निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में युवा सिविल सेवक निभाएं अग्रणी भूमिका : पीएम मोदी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2024 बैच के 183 अधिकारी प्रशिक्षुओं से संवाद करते हुए उन्हें विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए राष्ट्र निर्माण में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ योगदान देने का आह्वान किया। सेवा तीर्थ में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि दो वर्षों के फील्ड अनुभव और प्रशासनिक प्रशिक्षण के बाद युवा अधिकारी ऐसे महत्वपूर्ण चरण में पहुंचे हैं, जहां उनके फैसले न केवल उनके करियर बल्कि करोड़ों नागरिकों के भविष्य को भी प्रभावित करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसेवा की वास्तविक परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक परिस्थितियों का सामना करने में है। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से नवाचार, उद्देश्यपूर्ण कार्यशैली और नागरिक-केंद्रित शासन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रशासनिक फाइलों को केवल कागजी प्रक्रिया न समझें, बल्कि यह याद रखें कि हर फाइल के पीछे लाखों लोगों की आकांक्षाएं, समस्याएं और जीवन जुड़े होते हैं। उन्होंने ह्लनागरिक देवो भवह्व का मंत्र देते हुए अधिकारियों से हर निर्णय के केंद्र में नागरिकों को रखने और शासन को संवेदनशील, जवाबदेह तथा समावेशी बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बड़े विकासात्मक लक्ष्यों को विभागीय सीमाओं में रहकर हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है, जिससे स्थाई और प्रभावी परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत 2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में प्रत्येक नीति और प्रशासनिक निर्णय देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में योगदान देने वाला होना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार, ऊर्जा सुरक्षा और युवाओं के लिए रोजगार एवं अवसर सृजन को वर्तमान समय की प्रमुख प्राथमिकताएं बताया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में शासन व्यवस्था प्रक्रिया-आधारित मॉडल से परिणाम-आधारित मॉडल की ओर बढ़ी है। डिजिटल गवर्नेंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और तकनीक की मदद से सेवा वितरण अधिक पारदर्शी और सुगम हुआ है। डेटा आधारित प्रशासन पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आंकड़ों को केवल संख्या के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि उन्हें करोड़ों लोगों के जीवन, चुनौतियों और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब मानना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से नियमित रूप से यह मूल्यांकन करने को कहा कि सरकारी नीतियां जमीनी स्तर पर अपेक्षित परिणाम दे रही हैं या नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को अपने पद या अधिकार से नहीं, बल्कि अपने कार्यों के ठोस और मापनीय परिणामों से संतुष्टि प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का भी उल्लेख किया और बताया कि वर्तमान बैच में 40 प्रतिशत से अधिक अधिकारी महिलाएं हैं। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री (कार्मिक) डॉ. जितेंद्र सिंह, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी.के. मिश्रा, प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास, कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की सचिव रचना शाह, एलबीएसएनएए के निदेशक श्रीराम तरणिकांति सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डोभाल से मिले चीन के विदेश मंत्री ई, द्विपक्षीय संबंधों को दीर्घकालिक बनाने पर जोर

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात के बाद कहा कि चीन और भारत को द्विपक्षीय संबंधों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखने के साथ-साथ वैश्विक परिप्रेक्ष्य से भी सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। दोनों देशों को अपने नेताओं के बीच बनी सहमति को ठोस कदमों के जरिए लागू करना चाहिए, ताकि सहयोग के माध्यम से विकास और पुनरुत्थान को गति दी जा सके और ग्लोबल साउथ के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया तेज हो। चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि यहां हुई बैठक में वांग ई ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों को एक-दूसरे के मूल हितों का सम्मान करना चाहिए और संवेदनशील मुद्दों को उचित तरीके से संभालना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि सीमा मुद्दे को द्विपक्षीय संबंधों की समग्र स्थिति को प्रभावित करने वाली स्थिति में नहीं रखा जाना चाहिए। वांग ई ने कहा कि दोनों देशों को समाज के सभी वर्गों को सही समझ विकसित करने के लिए सक्रिय रूप से मार्गदर्शन करना चाहिए और जनमत तथा सामाजिक आधार को मजबूत करना चाहिए, ताकि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार हो सके। उन्होंने भारत की ब्रिक्स की अध्यक्षता का समर्थन करते हुए कहा कि चीन भारत के साथ मिलकर ब्रिक्स तंत्र के विकास और विस्तार को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

संक्षिप्त खबरें

अडाणी मुंद्रा एयरपोर्ट पर कमर्शियल उड़ान शुरू

मुंद्रा (गुजरात)। अडाणी मुंद्रा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मंगलवार को पहली कमर्शियल फ्लाइट की सफल लैंडिंग के साथ नियमित उड़ान सेवा की शुरूआत हो गई। गोवा से स्टार इंडिया की फ्लाइट के लैंड करने पर वाटर कैनन सलामी के साथ भव्य स्वागत किया गया। अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) के डायरेक्टर जीत अडाणी ने मुंद्रा एयरपोर्ट के नए बने टर्मिनल का उद्घाटन भी किया। एएएचएल के डायरेक्टर जीत अडाणी ने मुंद्रा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानों की शुरूआत होने पर खुशी जताते हुए इसे एक ऐतिहासिक दिन बताया है। उन्होंने कहा कि इस हवाई सेवा की शुरूआत होने से मुंद्रा के लोकल बिजनेस और टूरिज्म दोनों को एक बहुत बड़ा बूस्ट मिलेगा। जीत अडाणी ने बताया कि पहले मुंद्रा तक पहुंचने के लिए लोगों को एक या दो जगह रुककर एक लंबा सफर तय करना पड़ता था, लेकिन अब इस डायरेक्ट फ्लाइट सर्विस की वजह से यात्रियों का वह लंबा समय बहुत कम हो गया। जीत अडाणी ने कहा कि अडाणी मुंद्रा एयरपोर्ट से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू होने के बाद अडाणी मुंद्रा एयरपोर्ट एक पूरी तरह से इंटीग्रेटेड, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स और बिजनेस हब के तौर पर उड़ान भरने को तैयार है। उन्होंने कहा कि टर्मिनल का निर्माण रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। स्टार एयर और उड़ान योजना के सहयोग से नई कनेक्टिविटी की शुरूआत हुई है। इससे मुंद्रा की देश के अन्य हिस्सों से हवाई संपर्क क्षमता बढ़ेगी। साथ ही नए बने अडाणी मुंद्रा एयरपोर्ट पर कमर्शियल फ्लाइट ऑपरेशन आधिकारिक तौर पर शुरू हो गए। इस मौके पर अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के डायरेक्टर जीत अडानी की पत्नी, दिवा जैमिन शाह भी मौजूद थीं। एयरपोर्ट पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस खास मौके को यादगार बना दिया।

ब्रिक्स एनएसए बैठकः ईरानी प्रतिनिधि बोले, संघर्ष के लिए हम नहीं यूएस-इजरायल जिम्मेदार

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों की सुरक्षा एजेंसियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की 16वीं बैठक में ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उप सचिव गदीर नेजामिपूर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधि के लगाए आरोपों को सख्ती से खारिज किया। इतना ही नहीं उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि ईरान के खिलाफ मुहिम में उन्होंने अमेरिका और इजरायल का पूरा साथ दिया। नेजामिपूर ने कहा, ह्लक्षेत्र में हालिया संघर्ष और उसके बाद पैदा हुई परिस्थितियों के लिए अमेरिका और ह्यजायोनिस्ट शासनह्व जिम्मेदार है। उन्होंने आरोप लगाया कि होर्मुज स्ट्रेट में संकट और हमलों की शुरूआत उन्होंने ही की थी। उन्होंने यह भी दावा किया, ह्लइन हमलों का एक हिस्सा यूएई की भूमि पर स्थित ठिकानों से संचालित किया गया, और यूएई ने इन कार्रवाइयों में भाग लेते हुए ईरान के नागरिक ढांचे, स्कूलों और अस्पतालों पर हमलों के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग करने दिया। नेजामिपूर ने कहा, ह्लहम उम्मीद करते हैं कि संयुक्त अरब अमीरात प्रचार और दुस्साहस की बजाय अच्छे पड़ोसी संबंधों के सिद्धांतों का सम्मान करेगा और शांति, स्थिरता तथा क्षेत्रीय सहयोग का मार्ग चुनेगा उन्होंने बैठक में एक पोस्टर भी प्रस्तुत किया, जिसमें मिनाब के उन छात्रों को दशार्या गया था जिनकी मौत हालिया हमलों में हुई बताई गई। उन्होंने कहा कि यह तस्वीर उन बच्चों का प्रतीक है जो उनके अनुसार अमेरिका द्वारा किए गए हमले के पहले दिन मारे गए थे। नई दिल्ली में ब्रिक्स के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) बैठक चल रही है। दो दिन की इस बैठक की अध्यक्षता भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल कर रहे हैं। इस बैठक में समूह के 11 सदस्य देशों के सुरक्षा प्रमुख भागीदारी कर रहे हैं। इन देशों में भारत, ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। इसका मुख्य विषय ह्यदुनिया के सामने मौजूद गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां है।

लखनऊ पहुंचे राजनाथ सिंह ने घटनास्थल का लिया जायजा ट्रामा सेंटर में भर्ती घायलों से भी मिले

प्रात : किरण, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में आग लगने की घटना की जानकारी मिलते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार रात्रि को लखनऊ पहुंचे। चौधरी चरण सिंह अमौसी एयरपोर्ट पर उतरने के बाद रक्षा मंत्री सीधे घटनास्थल पर पहुंचे। रक्षा मंत्री ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और पूछताछ की। इसके बाद वह किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रामा सेंटर पहुंचे। उन्होंने ट्रामा सेंटर में भर्ती घायलों व उनके परिजनों से मिले और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। राजनाथ सिंह ने चिकित्सकों को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनके उपचार में किसी प्रकार की कोई कमी न रहने पाए। राजनाथ सिंह ने कहा कि कोचिंग सेंटर में आग लगने से हुआ हादसा मन को व्यथित करने वाला है। इस कठिन घड़ी में मेरी संवेदनाएँ सभी शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। राजनाथ सिंह के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, पूर्व मंत्री डॉ महेंद्र सिंह समेत कई नेता मौजूद रहे। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने भी ट्रामा सेंटर पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। शर्मा ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को दुर्घटना के कारणों की जांच करने, सुरक्षा मानकों की समीक्षा करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी एवं ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए।श्री शर्मा ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने लखनऊ के पुरनिया, सेक्टर-डी स्थित कोचिंग सेंटर में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना पर गहरा शोक एवं संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस दर्दनाक हादसे में कई लोगों के हताहत होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक, हृदयविदारक और पूरे समाज को झकझोर देने वाला है। इस त्रासदी ने अनेक परिवारों से उनके अपने छीन लिए हैं, जिसकी क्षति की भरपाई कभी नहीं की जा सकती। चौधरी ने शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन घड़ी में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता और पूरा संगठन प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके दुःख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। हमारी प्रार्थनाएं और संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं जो इस असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

यूएस ट्रेड प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर भारत आए

पीयूष गोयल ने कहा- द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर होगी सार्थक चर्चा

नई दिल्ली। यूएस ट्रेड प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के सोमवार भारत आने पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि आपका और अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर एवं प्रतिनिधिमंडल का भारत के वाणिज्य विभाग में स्वागत है। आगामी चर्चा में द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर सार्थक बातचीत होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्व पर अमेरिकी राजदूत गोर की पोस्ट को कोट करते हुए लिखा, ह्लयूएस ट्रेड प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर एवं प्रतिनिधि मंडल का भारत के वाणिज्य विभाग में स्वागत है। भारत-अमेरिका के बीच आगामी चर्चा में द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर सार्थक बातचीत होने की उम्मीद है। वहीं, गोर ने लिखा कि आज नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और यूएस ट्रेड प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के साथ मिलकर अच्छा लगा। अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील को अंतिम रूप देने पर बातचीत जारी है। इससे पहले एक पोस्ट में ग्रीर का भारत में स्वागत करते हुए गोर ने लिखा था कि अपने महत्वाकांक्षी व्यापार एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए आपका यहां स्वागत है। हम एक मजबूत द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे दोनों देशों के लिए नए आर्थिक अवसर खुलेंगे और अमेरिका-भारत आर्थिक साझेदारी और भी मजबूत होगी। इससे पहले सोमवार को गोर ने कहा था कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ग्रीर नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई दौर की बैठकें करेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य अगले महीने लागू होने वाली महत्वपूर्ण टैरिफ समयसीमा से पहले व्यापार समझौते को आगे बढ़ाना है। ग्रीर की पीयूष गोयल के साथ बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के ढांचे को अगले महीने की महत्वपूर्ण टैरिफ समयसीमा से पहले अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं।

बीजिंग के साथ रिश्ते मजबूत करने पर चर्चा

राजदूत दोराईस्वामी ने की आर्मी चीफ जनरल द्विवेदी से मुलाकात

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने मंगलवार को भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की और बदलते क्षेत्रीय एवं वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य पर विचार-विमर्श किया। दोनों ने भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय सहयोग और संवाद के मौजूदा ढांचों को और मजबूत करने के उपायों का भी आकलन किया। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, ह्लचीन गणराज्य में भारत के राजदूत विक्रम के. दोराईस्वामी ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की। चर्चा का केंद्र बदलता हुआ क्षेत्रीय और वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य रहा। सेना ने आगे कहा, ह्लदोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहभागिता की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की और सहयोग तथा संवाद के मौजूदा तंत्रों को और सुदृढ़ करने के उपायों पर विचार किया। वहीं, सोमवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग ई से मुलाकात की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में हालिया घटनाक्रमों की समीक्षा की और संबंधों के क्रमिक सामान्यीकरण की दिशा में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 22 जून 2026 को नई दिल्ली में ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के दौरान चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य एवं विदेश मंत्री वांग ई से मुलाकात की। मंत्रालय ने आगे कहा, ह्लदोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में हालिया प्रगति की समीक्षा की और संबंधों के धीरे-धीरे सामान्य होने की दिशा में हुई प्रगति पर चर्चा की। एनएसए ने रेखांकित किया कि स्थिर और रचनात्मक द्विपक्षीय संबंध दोनों देशों के बीच विश्वास और बेहतर समझ विकसित करने में सहायक होते हैं।ह्व इससे पहले रविवार को राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के श्रद्धालुओं के लिए एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने यात्रा की तैयारियों, परिक्रमा के अनुभव और महत्वपूर्ण यात्रा संबंधी सुझावों की जानकारी दी। राजदूत और भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने माउंट कैलाश की परिक्रमा तथा यात्रा के सभी प्रवेश बिंदुओं का दौरा किया। उन्होंने बताया कि यह स्थान स्थानीय लोगों के लिए भी अत्यंत पवित्र है और इस वर्ष चीनी तथा पारंपरिक तिब्बती कैलेंडर के अनुसार 12 वर्षों में एक बार आने वाले विशेष वर्ष के कारण वहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहने की संभावना है। दोराईस्वामी ने कहा कि दूतावास की टीम ने केवल प्रवेश बिंदुओं का ही नहीं, बल्कि उन होटलों का भी निरीक्षण किया जहां तीर्थयात्री ठहरेंगे। टीम ने रसोईघरों, कमरों और उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने बताया कि चीनी सरकार के सहयोग से तैयारियां यथासंभव पूरी कर ली गई हैं, लेकिन यात्रियों को ऊंचाई वाले क्षेत्र की चुनौतियों के प्रति सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा, यह एक उच्च हिमालई क्षेत्र है।

अलीगंज अग्निकांड पर योगी का ताबड़तोड़ एक्शन चार आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में अलीगंज कोचिंग सेंटर अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक्शन मोड में हैं। अलीगढ़ में कार्यक्रम रद्द कर सीधे लखनऊ पहुंचे मुख्यमंत्री ने पहले घटनास्थल का जायजा लिया, फिर केजीएमयू में घायलों से मिले। इसके बाद उच्च स्तरीय बैठक कर चार आरोपियों की गिरफ्तारी और चार अफसरों को निलंबित करने के निर्देश दिए। हादसे के वक्त मुख्यमंत्री अलीगढ़ में लोगों को संबोधित कर रहे थे। मंच से ही घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने सभी कार्यक्रम रद्द कर लखनऊ रवाना होने की घोषणा की। इससे पहले उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत अफसरों को मौके पर भेजकर राहत-बचाव के निर्देश दिए थे। लखनऊ पहुंचते ही योगी सीधे अलीगंज घटनास्थल पहुंचे और राहत-बचाव कार्य देखा। इसके बाद केजीएमयू ट्रामा सेंटर जाकर घायलों का हाल जाना और डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की मदद का ऐलान किया। मुख्यमंत्री आवास 5 कालीदास मार्ग पर हाई लेवल मीटिंग बुलाई गई। इसमें एसीएस अमृत अभिजात और एडीजी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में दो सदस्यीय एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया गया। एसआईटी को सात दिन में रिपोर्ट देनी है और बड़े अफसरों की जवाबदेही भी तय करनी है। पुलिस ने रामकृष्ण उपाध्याय, वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला, तूशॉक कृष्णा जायसवाल और सुरेश कुमार साहू को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिजली विभाग के एक्सईएन गौरव कुमार, एफएसएसओ कमलेंद्र कुमार सिंह, लविप्र के सहायक अभियंता अनिल कुमार और जेई प्रमोद पांडे को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया। जिस बिल्डिंग में आग लगी, उसका आवंटन 1980 में विजय कुमार को हुआ था। 2013 में यह वीरेंद्र व सुरेंद्र शुक्ला के नाम हुई। 2016 में एलडीए ने अनधिकृत निर्माण पर ध्वस्तीकरण का आदेश दिया, लेकिन 10 मई 2016 के आदेश को 5 जुलाई 2016 को ही निरस्त कर दिया गया। 1992 वर्गफीट की इस बिल्डिंग का नक्शा 2014 में आवासीय उपयोग के लिए पास हुआ था। विशेष जांच दल अब बिल्डिंग के ध्वस्तीकरण आदेश निरस्त होने, फायर एनओसी, एलडीए और बिजली विभाग की भूमिका समेत कई बिंदुओं पर जांच करेगा। माना जा रहा है कि जांच के दायरे में कई बड़े अफसर भी आ सकते हैं। गौरतलब है कि सोमवार को अलीगंज के सेक्टर-डी स्थित कोचिंग सेंटर में आग लगने से 15 लोगों की मौत हुई थी और 9 घायल हुए थे।

संक्षिप्त समाचार

प्लास्टिक की पन्नी में उगा रहे शिमला मिर्च के पौधे

पहाड़पानी (नैनीताल), एजेंसी। ओलावृष्टि और धूप से शिमला मिर्च के पौधों की जड़ें बचाने के लिए धारी क्षेत्र के किसानों ने पहली बार प्लास्टिक की पन्नी का इस्तेमाल शुरू किया है। किसान खेत में बड़े साइज की पन्नी बिछाकर बीच-बीच में पौधों के लिए छेद बनाकर पौधे उगा रहे हैं। दीनी मल्ली के किसान दीपू खोलिया ने बताया कि पन्नी में छेद बनाकर मिर्च के पौधे लगाने के बाद से फसलों की ग्रोथ में काफी वृद्धि हुई है। गांव के शेखर दुम्का ने बताया कि प्लास्टिक में शिमला मिर्च की अच्छी पैदावार हो रही है। उन्होंने कहा कि इससे धूप और ओलावृष्टि के समय भी पौधों को अधिक नुकसान नहीं होता है। फसलें भी जल्दी तैयार हो रही हैं। महतोलियागांव के किसान ललित महतोलिया ने कहा कि प्लास्टिक की पन्नी में शिमला मिर्च के पौधे लगाने के बाद गुड़ाई नहीं करनी पड़ती है। खरपतवार की समस्या भी दूर होती है। राजू बहुगुणा ने कहा कि पहली बार इस तकनीक से किसानों को लाभ हुआ है। सिंचाई के लिए पानी की भी अधिक जरूरत नहीं पड़ रही है।

गंगोत्री हाईवे : बीआरओ की धीमी रफ्तार से बरसात में हो सकती दिक्कत

उत्तरकाशी, एजेंसी। मानसून सीजन को लेकर गंगोत्री हाईवे पर बीआरओ की ओर से तैयारी शुरू ही नहीं की गई। गत वर्ष की आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त मार्गों पर धीमी गति से चल रहा कार्य आगामी मानसून में बड़ी मुसीबत बन सकता है। भटवाड़ी में गंगोत्री हाईवे इसी माह दो बार अवरुद्ध हो चुका है। देहरादून से पहुंचे तीर्थयात्री आशुतोष, अभिनव सिंह व सुभाष रावत ने बताया कि उत्तरकाशी से लेकर हर्षिल के बीच गंगोत्री हाईवे की बदहाल स्थिति बनी हुई है। समय पर मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया गया तो बरसात में दिक्कत हो सकती है। नेताला में वर्षों से भूस्खलन जोन का मरम्मतीकरण नहीं हो पाया है। हल्की बारिश में भी सड़क पर पहाड़ी से मिट्टी गिर रही है जिससे दलदल की स्थिति बनी हुई है। दोपहिया और छोटे चौपहिया वाहन कीचड़ में फंस रहे हैं। भटवाड़ी और चड़ेथी के बीच भी गत वर्ष आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त सड़क की स्थिति भी दयनीय बनी है। वहां पर और लिम्चागाड में क्षतिग्रस्त सड़क पर धीमी गति से हो रहे कार्य बरसात तक पूरे नहीं हो पाएंगे। साथ ही भटवाड़ी में इस माह भी दो बार सड़क पर बोल्डर गिरने से आवाजाही अवरुद्ध हो चुकी है। दूसरी ओर डबरानी और सोनगाड़ में दोबारा सड़क के बहने का खतरा बना हुआ है।

नौगांव-त्यूणी मोटर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जाए

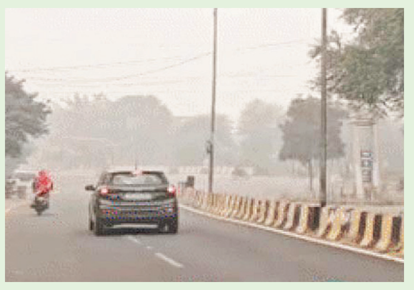

पुरोला, एजेंसी। नौगांव-पुरोला-मोरी-त्यूणी मोटर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने और इसके चौड़ीकरण की मांग तेज हो गई है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि पर्यटन, व्यापार और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण यह मार्ग बढ़ते यातायात के मुकाबले आज भी कई स्थानों पर संकरा है जिससे दुर्घटना और जाम की समस्या बनी रहती है। उन्होंने सरकार से जल्द सड़क विस्तार और राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा देने की मांग की है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि सड़क का निर्माण 70 के दशक में हुआ था जब इसकी चौड़ाई काफी कम थी। बाद में उत्तर प्रदेश शासन के दौरान तत्कालीन पर्वतीय विकास मंत्री बर्फिया लाल जुवांठा के प्रयासों से मार्ग का आंशिक चौड़ीकरण कराया गया लेकिन उसके बाद सड़क का व्यापक विस्तार नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि 1990 के दशक में विकासनगर से नौगांव तक के मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग में शामिल कर मानकों के अनुरूप चौड़ीकरण और डामरीकरण किया गया जबकि नौगांव से पुरोला, मोरी होते हुए त्यूणी तक का मार्ग आज भी कई स्थानों पर अत्यंत संकरा है। बलदेव रावत, राजपाल पंवार, गोविंद पंवार और नवीन गैरोला सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मार्ग देहरादून, पुरोला, मोरी व हिमाचल प्रदेश को जोड़ने के साथ-साथ हरकीदून, केदारकांठा और चांईशील बुग्याल जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचने का मुख्य मार्ग है। पर्यटन सीजन में सड़क पर वाहनों का दबाव कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश से सेब से लदे भारी वाहन भी इसी मार्ग से देश की विभिन्न फल मंडियों तक पहुंचते हैं जिससे सड़क का व्यापारिक महत्व भी काफी बढ़ जाता है।

अर्धकुंभ के 'रंग में भंग' डाल सकते हैं 4 'गजराज गैंग', 30 हाथियों की पहचान, शैतान कमांडरों पर खास नजर

देहरादून, एजेंसी। जंगलों के मदमस्त हाथियों का रास्ता रोकना बिल्ली के गले में घंटी बांधने जैसा है. और यदि ये हाथी झुंड में हों तो यकीन मानिए किसी की भी शामत आ सकती है. बस इसी मुश्किल काम को इस बार जंगलों की खाकी ब्रिगेड करने जा रही है. इन्हें तलाश है ऐसे शैतान कमांडरों की, जिन्हें जंगल से ज्यादा इंसानी आबादी में मौजूद खेती पसंद है. यही नहीं खासतौर उस एक दांत वाले टस्कर हाथी को भी ढूंढा जा रहा है, जो हरिद्वार के लोगों के लिए बिन बुलाया मेहमान बन गया है.

अर्धकुंभ के 'रंग में भंग' डाल सकते हैं जंगली हाथी: हरिद्वार में प्रस्तावित कुंभ मेले की तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं. राज्य सरकार इस आयोजन को भव्य, दिव्य और सुरक्षित बनाने के लिए हर स्तर पर व्यापक तैयारियों में जुटी हुई है. हालांकि इस बार राज्य में अर्धकुंभ प्रस्तावित है, लेकिन व्यवस्थाएं महाकुंभ के स्तर की की जा रही हैं. सरकार को उम्मीद है कि देश-दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचेंगे.

ऐसे में सुरक्षा, यातायात, आवास और अन्य व्यवस्थाओं के साथ-साथ एक ऐसी चुनौती भी सामने है, जो न तो किसी निमंत्रण की मोहताज है और न ही किसी प्रशासनिक आदेश को मानती है. यह चुनौती है जंगलों से निकलकर आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंचने वाले हाथियों के झुंडों की.

वन विभाग के सामने उधम मचाने वाले हाथियों को रोकने की चुनौती: वन विभाग के सामने इस समय सबसे बड़ी चिंता उन गजराज गैंग को लेकर है, जो हरिद्वार डिवीजन और आसपास के क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहते हैं. इन हाथियों के कई समूह ऐसे हैं, जो जंगलों से निकलकर खेतों, गांवों और शहरों की ओर पहुंच जाते हैं. खास बात यह है कि इनमें कुछ हाथी इतने जिद्दी और आदतन हो चुके हैं कि उन्हें इंसानी आबादी और खेती वाले क्षेत्र जंगल से ज्यादा आकर्षित करते हैं.

वन विभाग ने तैयार की है विशेष रणनीति: वन विभाग ने ऐसे हाथियों को लेकर विशेष रणनीति तैयार की है. विभाग का मानना है कि हाथियों के इन समूहों को नियंत्रित करने के लिए उनके नेताओं यानी कमांडर हाथियों पर नजर रखना सबसे जरूरी है. यही वजह है कि इस बार वन विभाग की पूरी खाकी ब्रिगेड इन शैतान कमांडरों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है, ताकि उनकी प्लानिंग को पहले ही विफल किया जा सके.

एक दांत वाला हाथी बना सबसे बड़ी चिंता: हरिद्वार डिवीजन में रहने वाले लोगों के बीच एक हाथी खासा चर्चित है. स्थानीय लोग उसे एक दांत वाला हाथी कहकर पुकारते हैं. वन विभाग के रिकॉर्ड में भी यह हाथी बेहद शैतान माना जाता है. यह हाथी कई बार आबादी वाले क्षेत्रों में देखा गया है और इसकी गतिविधियों ने वन विभाग की चिंता बढ़ाई है.

हाथी चिन्हीकरण और विशेष निगरानी: विभाग ने इस हाथी का चिन्हीकरण कर लिया है और इस पर विशेष निगरानी रखने की योजना बनाई है. अधिकारियों का मानना है कि यह हाथी न केवल अपने व्यवहार के कारण अलग पहचान रखता है, बल्कि कई बार मानव-हाथी संघर्ष की स्थितियां भी पैदा कर चुका है. यही कारण है कि कुंभ मेले से पहले इसे लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है.

30 हाथियों की पहचान, 4 गैंग सबसे ज्यादा संवेदनशील: वन विभाग ने हरिद्वार कुंभ क्षेत्र और उसके आसपास सक्रिय करीब 30 हाथियों को चिन्हित किया है. ये वे हाथी हैं, जो अक्सर जंगलों से बाहर निकलकर आबादी वाले इलाकों में पहुंच जाते हैं. इनमें कई हाथी किसानों की खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाने के लिए भी जाने जाते हैं.

बेहद जिद्दी हैं हाथियों के समूह: अध्ययन के दौरान वन विभाग ने ऐसे चार प्रमुख गजराज गैंग की पहचान की है, जो सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण माने जा रहे हैं. ये हाथी समूह बेहद जिद्दी हैं और कई बार वन विभाग के प्रयासों के बावजूद अपने पारंपरिक मार्ग छोड़कर आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं. अधिकारियों के अनुसार ये हाथी अब शहरों और गांवों के इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि सप्ताह में कई बार जंगल से निकलकर आबादी वाले क्षेत्रों में घूमते हुए देखे जाते हैं. यही वजह है कि कुंभ जैसे विशाल आयोजन के दौरान इनकी गतिविधियां गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है.

राजाजी से हरिद्वार तक फैला है हाथियों का आतंक: हरिद्वार डिवीजन का बड़ा हिस्सा सीधे तौर पर शहर से सटा हुआ है. ऐसे में रिजर्व क्षेत्र में रहने वाले हाथी अक्सर हरिद्वार की ओर आ जाते हैं. समय के साथ मानव आबादी बढ़ने, विकास कार्यों के विस्तार और हाथियों के पारंपरिक कॉरिडोर प्रभावित होने के कारण यह समस्या और गंभीर हुई है.

इस कारण आबादी में आ रहे हाथी: वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि हाथियों के प्राकृतिक मार्गों में लगातार हस्तक्षेप होने के कारण उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में कठिनाई होती है. नतीजतन वे गांवों और कस्बों से होकर गुजरने को मजबूर हो जाते हैं. यही कारण है कि हरिद्वार डिवीजन को मानव-हाथी संघर्ष के लिहाज से राज्य के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में गिना जाता है.

कमांडर हाथियों पर विशेष नजर: वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रत्येक हाथी समूह में कुछ प्रमुख टस्कर हाथी होते हैं, जो पूरे झुंड का नेतृत्व करते हैं. विभाग ने ऐसे 8 टस्कर हाथियों की पहचान की है, जो अपने-अपने समूह के लीडर हैं. वन विभाग का मानना है कि यदि इन टस्कर हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखी जाए, तो पूरे समूह की गतिविधियों का आकलन किया जा सकता है. यही कारण है कि विभाग अब इन हाथियों के व्यवहार और आवाजाही के पैटर्न का अध्ययन कर रहा है. रिकॉर्ड के अनुसार श्यामपुर रेंज और झिलमिल झील के आसपास के क्षेत्र हाथियों की आवाजाही के प्रमुख मार्ग हैं. वन विभाग ने जगजीतपुर और भोगपुर गांव के आसपास के इलाकों को महत्वपूर्ण हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया है, जहां हाथियों की गतिविधियां सबसे ज्यादा दर्ज की जाती हैं.

रेडियो कॉलर से होगी निगरानी: हरिद्वार डिवीजन के डीएफओ स्वप्निल के अनुसार कई हाथियों का चिन्हीकरण किया जा चुका है. अब विशेषज्ञ संस्थाओं की मदद से इन हाथियों के व्यवहार का विस्तृत अध्ययन कराया जाएगा.

हेमकुंड साहिब यात्रा पर निकले बाइक सवार की बस हादसे में मौत, दूसरा घायल, बदरीनाथ हाईवे पर हुआ हादसा

देवप्रयाग, एजेंसी। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शिवमूर्ति के पास बस की चपेट में आने से बाइक सवार तीर्थयात्री की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। देवप्रयाग कोतवाल प्रमोद बहुगुणा ने बताया कि लुधियाना पंजाब से दो बाइक सवार युवक ऋषिकेश की ओर से हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिए जा रहे थे।

शिवमूर्ति के समीप पहुंचने पर ऋषिकेश से बदरीनाथ की ओर जा रही एक बस की चपेट में आने से बाइक का संतुलन बिगड़ गया । जिससे युवक सीधे बस के टायर के नीचे आ गया और उसकी मौत हो गयी। जबकि दूसरा युवक बाइक से छिटककर दूर जा गिरा, जिससे उसकी जान बाल-बाल बच गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। कोतवाल प्रमोद बहुगुणा ने बताया कि मृतक की पहचान बलवीर सिंह 35

वर्ष पुत्र तरलोक सिंह, निवासी सुनेत, लुधियाना के रूप में हुई है। वहीं बाइक से छिटककर घायल हुए दूसरे युवक की पहचान कर्मजीत सिंह 33 वर्ष पुत्र बलवीर सिंह, निवासी भिंड जारखड, लुधियाना के रूप में की गई है। पुलिस ने मृतक और घायल युवक को बेस अस्पताल श्रीनगर भेज दिया है। पुलिस द्वारा बस को अपने कब्जे में ले कर जांच शुरू कर दी है।

उत्तराखंड में स्वास्थ्य विभाग का हाल बेहाल, थराली अस्पताल में पहले दवाइयां जली मिली, अब एक्सपायरी

थराली, एजेंसी। उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं के हाल किसे से छुपे नहीं है. बीते दिनों चमोली जिले के थराली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में बड़ी मात्रा में सरकारी दवाइयां जली हुई मिली. वहीं आज अस्पताल भवन के पास स्थित एक कमरे में बड़ी मात्रा में एक्सपायरी दवाइयों और मास्क मिले है, जिससे मामले और भी गंभीर हो गया है. दरअसल, थराली सीएचसी परिसर में सरकारी दवाइयां जली होने का मामला सामने आने के बाद मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता के निर्देश पर दो सदस्यीय जांच टीम गठित की गई थी. गठित दो सदस्यीय जांच टीम ने सोमवार को अस्पताल पहुंचकर जांच शुरू की. जांच के दौरान अस्पताल भवन के पास स्थित एक कमरे में

बड़ी मात्रा में एक्सपायरी दवाइयों और मास्क मिले.जानकारी के अनुसार, जली हुई सरकारी दवाओं का मामला सामने आने के बाद अखबारों और सोशल मीडिया में इसकी व्यापक चर्चा हुई थी. इसके बाद मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता ने उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग के अधीक्षक भगवती प्रसाद पुरोहित की अध्यक्षता में दो सदस्यीय जांच समिति का गठन किया. समिति के दूसरे सदस्य कर्णप्रयाग चिकित्सालय के चीफ फार्मासिस्ट अनिल मिश्रा के साथ टीम ने सीएचसी थराली पहुंचकर स्टॉक रजिस्टर सहित अन्य अभिलेखों की गहन जांच की व उस स्थान का भी निरीक्षण किया, जहां कथित रूप से सरकारी दवाइयों को जलाया गया था. जांच के दौरान अस्पताल परिसर में बने चिकित्सकों के सरकारी आवास के एक कमरे की खिड़की से बड़ी मात्रा में एक्सपायरी दवाइयों और मास्क का मिले. जांच टीम ने खिड़की से ही उसकी तस्वीरें लीं, लेकिन न तो कमरे का ताला खुलवाया गया और न ही उसे सील किया गया.

इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय स्तर पर कई तरह के सवाल और संदेह खड़े हो रहे हैं. जांच समिति के अध्यक्ष एवं कर्णप्रयाग चिकित्सालय के सीएमएस भगवती प्रसाद पुरोहित ने बताया कि मुख्य चिकित्साधिकारी ने उन्हें एक सप्ताह के भीतर मामले की गंभीरता से जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं.उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर जांच टीम दोबारा सीएचसी थराली पहुंचेगी और सभी तथ्यों को जोड़ते हुए जांच पूरी करेगी. रिपोर्ट सीएमओ चमोली को सौंपी जाएगी, जिसके बाद आगे की कार्रवाई विभागीय स्तर पर की जाएगी.

टिहरी में नौकरी से निकाला तो टावर पर चढ़ा शख्स, पुलिस प्रशासन में हड़कंप

टिहरी, एजेंसी। उत्तराखंड के टिहरी में उस समय हड़कंप मच गया, जब नौकरी से निकाले जाने से आक्रोशित एक शख्स बीएसएनएल के टावर पर चढ़ गया. शख्स के टावर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई. आनन-फानन प्रशासन, पुलिस, फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची. जहां उसे नीचे उतारने का प्रयास किया जा रहा है.

नौकरी जाने से नाराज शख्स टावर पर चढ़ा: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टावर पर चढ़े शख्स का नाम नरोतम प्रसाद गैरोला है. जो नरेंद्रनगर के दोगी पट्टी के भांगला का रहने वाला है. जो अपनी नौकरी समाप्त किए जाने से नाराज बताया जा रहा है. आक्रोश में उसने बीएसएनएल यानी भारत संचार निगम लिमिटेड टावर पर चढ़कर विरोध जताना शुरू कर दिया.

शख्स को नीचे उतारने की कोशिशें जारी: घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस, प्रशासन और अन्य संबंधित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी लगातार शख्स को समझाने-बुझाने का प्रयास कर रहे हैं. सुरक्षा के मद्देनजर टावर के आसपास लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई है. किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं.

कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर नियुक्त बताया जा रहा शख्स: बताया जा रहा है कि शख्स को कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर रजिस्ट्रार ऑफिस में नियुक्त किया गया था. जिसकी सेवाएं समाप्त कर दी गई. जिसके बाद वो आक्रोश में आकर टावर पर चढ़ गया. जिससे पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गए. उसे टावर से नीचे उतारने की बरसक प्रयास किए जा रहे हैं. फिलहाल, वो अपनी मांग पर अड़ा हुआ है.

शख्स को नीचे उतारने के लिए मान मनौव्वल जारी: वहीं, खबर लिखे जाने तक शख्स टावर पर मौजूद था और प्रशासन उसे सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास में जुटा हुआ था. अधिकारियों का कहना है कि बातचीत के माध्यम से मामले का समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है. प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है.

जानकीचट्टी में अव्यवस्था से स्थानीय लोग परेशान

बड़कोट, एजेंसी। यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी में यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर स्थानीय लोगों और व्यवसायियों ने सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि बस पार्किंग और आसपास के क्षेत्रों में घोड़े-खच्चरों, डंडी-कंडी मजदूरों और उनके संचालकों का अनियंत्रित जमावड़ा श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्किंग क्षेत्र में घोड़े-खच्चर

संचालक और डंडी-कंडी मजदूर यात्रियों को सेवाओं के लिए आकर्षित करने की होड़ में लगातार आवाजाही और आवाज लगाते रहते हैं। इससे कई बार भीड़ और अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन जाती है। भाजपा नेता एवं होटल व्यवसायी संदीप राणा ने जिला पंचायत की ओर से संचालित कुली एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यात्रा पड़ाव पर बढ़ती अव्यवस्थाएं यमुनोत्री धाम की छवि को प्रभावित कर रही है। राणा ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुनोत्री धाम पहुंचते हैं। ऐसे में यात्रा पड़ावों पर अनुशासन, भीड़ प्रबंधन और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने पार्किंग क्षेत्र, घोड़ा-खच्चर संचालन और डंडी-कंडी सेवाओं के लिए सख्त व्यवस्था लागू करने की मांग की। वहीं, कुली एजेंसी से जुड़े शरत सिंह चौहान ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इस वर्ष व्यवस्थाएं पिछले वर्षों की तुलना में अधिक बेहतर हैं।

उत्तराखंड की खो-खो प्रतिभाओं में अपार संभावनाएं : संदीप

कालाढूंगी, एजेंसी। उत्तराखंड में खो-खो की अपार प्रतिभाएं मौजूद हैं, जिन्हें सही प्रशिक्षण और उचित अवसर मिलें तो वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर सकती हैं। यह बात राष्ट्रीय खो-खो कोच संदीप सिंह ने कालाढूंगी में आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर के दौरान बातचीत में कही। शिविर में खिलाड़ियों को खेल की बारीकियों का प्रशिक्षण दे रहे संदीप सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में खो-खो के प्रति विशेष लगाव और उत्साह देखने को मिला है। यदि उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं तो वे राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने में पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खिलाड़ियों को पहले की तुलना में अधिक सुविधाएं मिल रही हैं, जिसके चलते प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए, ताकि गांवों की प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। राष्ट्रीय कोच ने कहा कि आधुनिक दौर में खो-खो में फिटनेस प्रशिक्षण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। नियमित फिटनेस का अभ्यास खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से मजबूत और खेल के प्रति सक्रिय बनाए रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि खेल में आधुनिक तकनीक का समावेश होने से खिलाड़ियों की प्रतिभा और अधिक निखर सकती है।

आखिरकार जागा सिस्टम : परशुराम चौक पर पैदल यात्रियों के लिए खोला कट

रुद्रपुर, एजेंसी। नैनीताल हाईवे पर परशुराम चौक पर बंद हुआ कट अब पैदल यात्रियों के लिए खोल दिया गया है। अमर उजाला की अलर्ट करती खबरों व महिला की मौत के बाद मेयर विकास शर्मा ने लोनिवि, व्यापार मंडल व ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने फुट ओवरब्रिज का निर्माण होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में पैदल यात्रियों के लिए कट खोलने और जेब्रा क्रॉसिंग बनाने को कहा। इस दौरान उनकी मौजूदगी में कट खोला गया। नैनीताल हाईवे पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए परशुराम चौक का कट बंद किया गया था।

कट बंद होने के बाद राहगीरों को हाईवे पार करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लोग जान जोखिम में डालकर तेज रफ्तार वाहनों के बीच सड़क पार करने को मजबूर थे। बीते दिनों इसी स्थान के पास सड़क पार कर रही एक महिला की जेसीबी की चपेट में आने से

दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना के बाद लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई थी। हादसे से पहले और बाद अमर उजाला ने सिस्टम को जगाने का प्रयास किया। मामले का संज्ञान लेते हुए मेयर विकास शर्मा ने सोमवार को मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। कहा कि परशुराम चौक पर दोनों ओर जेब्रा क्रॉसिंग बनाई जाएगी और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराया जाएगा। कट को यू-शेप में तैयार किया गया है ताकि इससे बाइक या अन्य वाहन नहीं निकल सकें और इसका उपयोग केवल पैदल आने-जाने वाले लोग ही कर सकें। इस दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल, देवभूमि व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष गुरमीत सिंह, ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष मुकेश वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
नई दिल्ली, बुधवार, 24 जून, 2026

राम मंदिर से चढ़ावे की चोरी में बड़े चेहरों को बचाने के लिए चंपत राय पर नहीं हो रही कार्रवाई?- केजरीवाल

- पूरे राम मंदिर का प्रबंधन संभाल रहे चंपत राय पर ही सबसे ज्यादा आरोप लग रहे, फिर भी उन्हें क्यों नहीं हटाया गया?- केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रभु श्रीराम के मंदिर से करोड़ों रुपए का चढ़ावा चोरी होने के बाद भी अभी तक ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी चंपत राय के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठाया है। मंगलवार को उन्होंने कहा कि राम मंदिर से करोड़ों रुपए का चढ़ावा चोरी हो गया। राम भक्तों में बहुत गुस्सा है और मन में कई सवाल हैं। मैं सरकार से पहला सवाल पूछ रहा हू कि पूरे राम मंदिर का कंट्रोल चंपत राय के हाथ में है। सबसे ज्यादा आरोप चंपत राय पर ही लग रहे हैं। उन्हें अब तक हटाया क्यों नहीं गया? क्या इस बात का डर है कि अगर चंपत राय ने मुंह खोला, तो कई बड़े चेहरे बेनकाब हो जाएंगे? मंगलवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि राम मंदिर में अरबों रुपए के चढ़ावे की चोरी हो गई है। बताया जा रहा है कि लगभग 200 करोड़ रुपए का तो कैश ही चोरी हो गया है। श्रद्धालु मंदिर जाते हैं और भगवान के सामने पैसे व हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। बताया जा रहा है कि लगभग 200 करोड़ रुपए का कैश और कई सारे हीरे-जवाहरात के बक्से चोरी हो गए हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जैसे-जैसे यह बात फैलती जा रही है, हर राम भक्त और हर सनातनी बहुत ज्यादा दुखी है। मैंने बहुत लोगों से बात की। लोगों के मन में बहुत सारे प्रश्न हैं कि आखिर यह क्या हो गया? मोटे तौर पर पांच प्रश्न निकलकर आ रहे हैं। आज मैं पहला प्रश्न जनता के सामने रख रहा हूं और अगले दो-तीन दिन में बाकी प्रश्न भी सबके सामने रखूंगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस मंदिर को एक ट्रस्ट चलाता है, जिसे प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा बनाया गया था। इस ट्रस्ट में चंपत राय जनरल सेक्रेटरी हैं और वही सर्वेसर्वा हैं। पूरा मैनेजमेंट उन्हीं के हाथ में है और वही मंदिर चलाते हैं। सबसे ज्यादा आरोप उन्हीं के ऊपर लग रहे हैं। आखिर चंपत राय कौन हैं, कहां से आए हैं, वे न कोई संत हैं और न ही कोई महात्मा। बड़े-बड़े नाम लिए जा रहे हैं कि वे किसके आदमी हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि इतनी बड़ी चोरी की घटना होने के बावजूद अभी तक मंदिर का प्रबंधन उन्हीं के हाथ में है और उन्हें पद से हटाया नहीं गया है। मंदिर अभी भी वही चला रहे हैं। क्या उन्हें सारे सबूत खत्म करने और गवाहों को पलटने के लिए समय दिया जा रहा है? आखिर उन्हें कौन बचा रहा है, जनता यह सवाल जानना चाहती है।

प्रधानमंत्री मोदी के हर गरीब को पक्का घर के विजन को दिल्ली में मिल रही नई गति: रेखा गुप्ता

- दिल्ली के झुग्गीवासियों के लिए ऐतिहासिक फैसला, 1 जनवरी 2025 तक बसे सभी पात्र परिवारों को मिलेगा पुनर्वास का लाभ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के लाखों झुग्गीवासियों के लिए एक ऐतिहासिक और बहुप्रतीक्षित निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) की 36वीं बोर्ड बैठक में झुग्गी पुनर्वास को लेकर बड़ा फैसला लिया गया। बैठक में तय किया गया कि दिल्ली में 1 जनवरी 2025 तक स्थापित सभी पात्र झुग्गी बस्तियों के निवासियों को पुनर्वास का लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री का कहना है कि इस ऐतिहासिक निर्णय से राजधानी की जेजे बस्तियों में रहने वाले लगभग 4 से 5 लाख परिवारों यानी करीब 20 लाख लोगों के लिए पक्के और सम्मानजनक आवास का मार्ग प्रशस्त होगा। दिल्ली सचिवालय में मंगलवार को आयोजित इस बैठक में दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद, मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। यह महत्वपूर्ण निर्णय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में हाल में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक और दिल्ली स्लम एवं जेजे क्लस्टर पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति 2026 के तहत लिए गए फैसलों के अनुरूप है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देशभर में गरीबों को सम्मानजनक जीवन, बेहतर आवास और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। दिल्ली में भी उनकी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना तथा हर गरीब को पक्का घर के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सरकार झुग्गीवासियों के पुनर्वास के लिए तेजी से काम कर रही है। यह निर्णय केवल मकान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि लाखों परिवारों को सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक जीवन और पक्का आवास उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लंबे समय से पुरानी पात्रता तिथि के कारण बड़ी संख्या में परिवार पुनर्वास के लाभ से वंचित रह जाते थे।

संक्षिप्त खबरें

शादी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शादी का झांसा देकर महिलाओं से ठगी करने वाले साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में आइवरी कोस्ट के एक नागरिक और नागालैंड की एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 36 वर्षीय कोउआडियो विक्टर एनडीए को पकड़ा है, जो मूल रूप से आइवरी कोस्ट का निवासी है। वहीं, उसके साथ नागालैंड की 30 वर्षीय अनेई कोन्याक महिला को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि दोनों मिलकर ठगी के पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से फर्जी लेनदेन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे चार डेबिट कार्ड, एक लैपटॉप, पांच मोबाइल फोन और एक पासपोर्ट बरामद किया गया है। जांच में पता चला है कि दोनों एक साइबर ठगी गिरोह से जुड़े हैं, जो मैट्रिमोनियल वेबसाइटों और विवाह संबंधी प्लेटफॉर्म के माध्यम से महिलाओं को निशाना बनाता था। आरोपी महिलाओं को शादी का झांसा देकर उनसे पैसे ऐंठते थे।

लाइफलाइन बन चुके 44 फ्लाईओवरों की होगी संरचनात्मक जांच

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की लाइफलाइन बन चुके 15 वर्ष से अधिक पुराने फ्लाईओवरों की संरचनात्मक सुरक्षा जांच (स्ट्रक्चरल ऑडिट) होगी। शाहदरा, राव तुला राम, मयूर विहार, कालकाजी समेत 44 फ्लाईओवरों को इस दायरे में रखा गया है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसके लिए 11 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। जल्द इस काम के लिए सलाहकार की नियुक्ति की जाएगी, जो चरणबद्ध तरीके से जांच को अंजाम देगा। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाईओवरों पर लंबे समय तक भारी यातायात का दबाव रहता है। इसके ढांचे पर बारिश, धूप समेत हर मौसम का प्रभाव पड़ता है। कई अन्य कारणों से संरचना कमजोर हो सकती है। ऐसे में ढांचागत कमी की वजह से कोई हादसा न हो, उसके लिए जांच कराई जा रही है। सलाहकार इन फ्लाईओवरों के विस्तृत स्थलीय सर्वेक्षण के साथ भू-तकनीकी जांच करेगा। इसके अलावा फ्लाईओवर की नींव, पिलर, जॉइंट, बीम और स्लैब में दरारें, जंग और संरचनात्मक कमजोरियां देखी जाएंगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर तय किया जाएगा कि कौन सा फ्लाईओवर सुरक्षित है, किसे तत्काल मरम्मत चाहिए और किसे पुनर्निर्माण की जरूरत है। सलाहकार को प्रत्येक फ्लाईओवर के संबंध में सुधारात्मक कार्य की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी देनी होगी। इससे न केवल जनता की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि भविष्य में बड़े हादसों को भी टाला जा सकेगा।

कार तस्करी मामले में फंसे वकील को राहत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक वकील को बड़ी राहत देते हुए उनकी बेची गई कार के कथित रूप से शराब तस्करी में इस्तेमाल के मामले में किसी भी प्रकार की जबरन कार्रवाई पर रोक लगा दी है। याचिकाकर्ता शंकर कुमार झा ने न्यायालय को बताया कि उन्होंने वर्ष 2023 में एक पुरानी कार बिक्री मंच के माध्यम से अपनी कार एक डीलर को बेच दी थी। हालांकि, वाहन का पंजीकरण खरीदार के नाम स्थानांतरित नहीं किया गया। बार-बार आग्रह करने के बावजूद प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। हाल ही में पुलिस की ओर से उन्हें एक नोटिस मिला, जिसमें कार का उपयोग शराब तस्करी से जुड़े अपराध में होने की जानकारी दी गई। इसके बाद झा ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजधानी को जलभराव मुक्त बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किए जा रहे हैं-सत्या शर्मा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने मानसून से पूर्व दिल्ली में चल रहे डी-सिल्टिंग एवं जल निकासी सुधार कार्यों की समीक्षा करते हुए माननीया मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विभिन्न एजेंसियों द्वारा युद्धस्तर पर कार्य किए जा रहे हैं, जिससे राजधानी को जलभराव मुक्त बनाने की दिशा में ठोस प्रगति हो रही है। सत्या शर्मा ने कहा कि दिल्ली नगर निगम भी पूरी गंभीरता के साथ नालों की डी-सिल्टिंग, सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के कार्यों को निरंतर गति दे रहा है। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी प्रमुख एवं छोटे नालों की नियमित निगरानी के साथ समयबद्ध सफाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से कार्य किया जा रहा है, ताकि किसी भी स्तर पर बाधा उत्पन्न न हो और कार्य समय पर पूर्ण हो सके। स्थायी समिति अध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में अब तक 3.4 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक सिल्ट नालों से निकाली जा चुकी है, जो इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि बेहतर मानसून प्रबंधन और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक व्यापक पहल है। उन्होंने यह भी बताया कि 311 ऐप के माध्यम से नागरिकों को भी इस अभियान से जोड़ा गया है, जिससे लोग नालों की सफाई से संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकते हैं और उन पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों में वृद्धि हुई है। सत्या शर्मा ने कहा कि निगम का उद्देश्य दिल्ली को स्वच्छ, सुरक्षित और जलभराव मुक्त बनाना है। इसके लिए सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मानसून से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार, निगम और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों से इस वर्ष मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकेगा और दिल्लीवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने की स्टॉप डायरिया अभियान 2026 की औपचारिक शुरूआत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने आज दिल्ली सचिवालय में स्टॉप डायरिया अभियान 2026 की औपचारिक शुरूआत की। इस अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग बच्चों और उनके अभिभावकों को ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां भी निःशुल्क वितरित कर रहा है। स्टॉप डायरिया अभियान 2026 का उद्देश्य बच्चों को डायरिया से होने वाली रोकी जा सकने वाली बीमारियों और मौतों से बचाने के लिए लोगों को जागरूक करना है। यह अभियान 31 जुलाई तक राजधानी भर में चलेगा। इस अभियान के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने सरदार वल्लभभाई पटेल (एसवीबीपी) अस्पताल में नवनिर्मित मॉडल इंटीग्रेटेड न्यूट्रिशन सेंटर का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। गर्भकालीन मधुमेह (जीडीएम) और गर्भावस्था एवं प्रसवोत्तर सेप्सिस के प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) जारी कीं तथा क्लिनिकल एल्गोरिद्म का विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और उनके अभिभावकों को ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां भी वितरित कीं तथा डायरिया के समय पर उपचार और बाल मृत्यु दर की रोकथाम के महत्व पर बल दिया। इस मौके पर निदेशक, परिवार कल्याण, डॉ. एजी राधिका, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस), स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं चिकित्सक भी उपस्थित रहे। मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि मैं आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, स्वास्थ्यकर्मियों और सामुदायिक स्वयंसेवकों से अपील करता हूं कि वे डायरिया की रोकथाम एवं उपचार संबंधी जानकारी प्रत्येक परिवार तक पहुंचाएं। यह अभियान 31 जुलाई तक चलेगा और इसके अंतर्गत जन-जागरूकता, क्षमता निर्माण, घर-घर संपर्क तथा स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि प्रत्येक बच्चा ऐसी बीमारियों से सुरक्षित रह सके। डॉ. पंकज कुमार सिंह ने सरदार वल्लभभाई पटेल (एसवीबीपी) अस्पताल में स्थापित मॉडल इंटीग्रेटेड न्यूट्रिशन सेंटर का भी वर्चुअल उद्घाटन करते हुए कहा कि यह केंद्र दिल्ली में पोषण सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। यह केंद्र बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा पोषण संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे परिवारों को समग्र स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। इसमें एलोपैथी, आयुष, होम्योपैथी, यूनानी एवं योग जैसी विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों को एकीकृत किया गया है।

डीएसईयू में स्नातक प्रवेश पंजीकरण का दूसरा चरण 25 जून से

नई दिल्ली। दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी (डीएसईयू) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में बची हुई रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया अब 25 जून से शुरू होगी। पहले यह पोर्टल 22 जून 2026 को खुलने वाला था, लेकिन अप्रत्याशित कारणों से इसकी तिथि आगे बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी महत्वपूर्ण सूचना में कहा गया है कि नए अभ्यर्थियों के लिए पंजीकरण पोर्टल अब 25 जून 2026 से खोला जाएगा। इस चरण में वे छात्र आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने पहले पंजीकरण नहीं कराया था और रिक्त सीटों पर प्रवेश लेना चाहते हैं। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे प्रवेश संबंधी सभी नवीनतम सूचनाओं के लिए नियमित रूप से आधिकारिक वेबसाइट और प्रवेश पोर्टल पर नजर बनाए रखें। शेष सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि यह व्यवस्था केवल रिक्त सीटों के लिए नए पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों के लिए लागू होगी।

अग्निकांड पीड़ितों की सहायता के लिए भाजपा हर संभव कदम उठाएगी: हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली गेट वार्ड स्थित बाल्मीकि बस्ती में कल देर रात शॉर्ट सर्किट से लगी आग से कई परिवारों के घर और दुकानों को भारी नुकसान पहुंचा। इस दुखद घटना के बाद मंगलवार को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, क्षेत्रीय सांसद प्रवीन खंडेलवाल, चांदनी चौक जिलाध्यक्ष अरविंद गर्ग एवं दिल्ली भाजपा कार्यालय सह प्रमुख अमित गुप्ता के साथ मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों एवं दुकानदारों से मुलाकात कर राहत कार्यों में सहयोग किया। इस मौके पर हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग में 15 परिवारों के आशियाने उजड़ गए। परिवारों ने अपना घर और सामान खोया है, उनके दुख में भाजपा उनके साथ खड़ी है। आग ने कई परिवारों के घर एवं दुकान को प्रभावित किया है, लेकिन संकट की इस घड़ी में भाजपा कार्यकर्ता और सरकार पीड़ितों की हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय कार्यकर्ताओं द्वारा प्रभावित परिवारों के लिए रहने की व्यवस्था, राशन, कपड़े एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। आगे भी पीड़ित परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हर संभव सहायता जारी रहेगी। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि क्षेत्रीय विधायक आले मोहम्मद कल रात हुई आग की घटना से प्रभावित हिन्दू परिवारों एवं लगभग 15 दुकानदारों से मिलने अथवा सहायता के लिए आज दोपहर तक भी नहीं पहुंचे।

सुंदरपुरा स्टेशन होगा निर्माण, खाटूश्याम जी जाने वाले दर्शनार्थियों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बीकानेर से जयपुर निरीक्षण के दौरान सीकर स्टेशन पर सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व सांसद सीकर के साथ चर्चा में खाटूश्याम जी के दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए सुंदरपुरा स्टेशन के निर्माण कार्य की स्वीकृति के बारे मे जानकारी प्रदान की। इसके पश्चात केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सुमेधानंद सरस्वती ट्रेन से स्टेशन के निर्माण के स्थान तक गए और वहीं पर केंद्रीय रेल मंत्री ने सुंदरपुरा स्टेशन के मानचित्र को दिखाकर विस्तृत चर्चा की और आश्वस्त किया कि यह कार्य आगामी कुछ महीनों में प्रारंभ हो जाएगा। इस स्टेशन के निर्माण से खाटूश्याम जी आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी और उनका आवागमन सुगम और आसान हो जाएगा। यह जानकारी उत्तर रेलवे ने दी।

एमसीडी की केशवपुरम जोन में अवैध डेयरी गतिविधियों के खिलाफ कारवाई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के केशवपुरम जोन के पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने अवैध डेयरी गतिविधियों एवं अनधिकृत पशुपालन पर रोक लगाने के उद्देश्य से शालीमार बाग के निकट हैदरपुर नहर क्षेत्र तथा शकूरपुर के-ब्लॉक के समीप एनएसपी क्षेत्र में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। प्रवर्तन अभियान के दौरान एक अवैध डेयरी संचालन का पता चला तथा एक व्यक्ति को अनधिकृत रूप से पशुपालन गतिविधियों में संलिप्त पाया गया। यह अभियान केशवपुरम एवं रोहिणी जोन के पशु चिकित्सा सेवा विभागों ने संयुक्त रूप से संचालित किया। कार्रवाई के तहत अवैध डेयरी गतिविधियों में प्रयुक्त दो मोटर साइकिलों एवं कई दूध के ड्रमों को जब्त किया गया। इसके अलावा कुल 11 पशुओं को कब्जे में लिया गया, जिनमें छह बछड़े एवं पांच गोवंश शामिल हैं।

दिल्ली के तकिया काले खान के पास भीषण आग से 30 झुग्गियां जलकर खाक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, 23 जून (वेब वार्ता)। दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के पीछे तकिया काले खान इलाके की वाल्मीकि बस्ती में बनी झुग्गियों में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 30 झुग्गियां जलकर खाक हो गईं। साथ ही बड़ी मात्रा में प्लाईवुड, लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री भी नष्ट हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आग की तीव्रता के बावजूद आपातकालीन सेवाओं और पुलिसकर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार रात करीब 11:32 बजे तकिया काले खां इलाके में आग लगने की पीसीआर कॉल मिली। स्थानीय पुलिस टीमें स्थिति का आकलन करने और बचाव एवं निकासी अभियान शुरू करने के लिए मौके पर पहुंचीं। भीषण आग ने वहां संग्रहीत पुराने फर्नीचर, लकड़ी, प्लाईवुड और अन्य अत्यधिक दहनशील सामग्रियों के एक बड़े भंडार को अपनी चपेट में ले लिया था। आग की लपटें तेजी से फैल गईं, जिससे आसपास की झोपड़ियों और घनी आबादी में रहने वाले निवासियों के लिए गंभीर खतरा पैदा हुआ। पुलिसकर्मियों ने तुरंत निकासी अभियान चलाया और स्थानीय निवासियों को तेजी से फैल रही आग से उत्पन्न खतरे के बारे में सचेत किया। अधिकारियों ने कहा कि कुछ निवासियों के प्रतिरोध के बावजूद, जो अपने घरों और सामान को पीछे छोड़ने के लिए अनिच्छुक थे, पुलिस ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के अपने प्रयास जारी रखे। त्वरित हस्तक्षेप के माध्यम से, पुलिस टीमों ने पूरे संवेदनशील क्षेत्र को सफलतापूर्वक खाली करा लिया और कई परिवारों के सदस्यों सहित 12 लोगों को सुरक्षित बचा लिया। इसके साथ ही, घटना की जानकारी अग्निशमन विभाग, बीएसईएस और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) को दी गई, जिन्होंने तेजी से मामले की गंभीरता को समझा और साइट पर आपातकालीन संसाधन तैनात किए। अधिकारियों ने कहा कि आग से निपटने के लिए कुल 20 दमकल गाड़ियों को काम पर लगाया गया था, जबकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए एहतियात के तौर पर नौ कैट्स एम्बुलेंस को मौके पर मौजूद रहीं। अतिरिक्त रिजर्व पुलिस कर्मी भी घटनास्थल पर पहुंचे और निकासी प्रयासों, भीड़ नियंत्रण उपायों और फायर टेंडर, एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों के लिए स्पष्ट पहुंच मार्ग बनाए रखने में सहायता की।

राशिद हत्या मामला : दिल्ली पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी हारून गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नयी दिल्ली। नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली पुलिस ने राशिद हत्याकांड में एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए मंगलवार को खजूरी इलाके में सिग्नेचर ब्रिज के पास हुई मुठभेड़ के बाद मामले के मुख्य आरोपी हारून को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के मुताबिक, जिले की स्पेशल स्टाफ टीम को इलाके में हारून की मौजूदगी के बारे में जानकारी मिली थी, जिसके बाद उसे पकड़ने के लिए एक खास अभियान चलाया गया। जब पुलिस टीम ने उसे रोकने की कोशिश की, तो हारून ने भागने की कोशिश की और पुलिस अधिकारियों पर गोली चला दी। सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने पुलिस पार्टी पर कई राउंड गोलियां चलाईं, जिसके जवाब में टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी के दौरान हारून के पैर में गोली लगी और बाद में पुलिस ने उसे काबू कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे इलाज के लिए जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया। उसके पास से एक हथियार भी बरामद किया गया है, हालांकि पुलिस ने अभी तक हथियार और ऑपरेशन के दौरान बरामद अन्य चीजों के बारे में विस्तृत जानकारी जारी नहीं की है। हारून काफी समय से फरार चल रहा था और राशिद के सनसनीखेज हत्याकांड में वांछित था। उसकी गिरफ्तारी को नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। जांचकताओं का मानना है कि आरोपी से पूछताछ करने पर हत्या से जुड़ी और जानकारी मिल सकती है और अपराध में शामिल अन्य लोगों की पहचान हो सकती है। आगे की जांच जारी है।

अमित शाह ने नेफेड के ई-ऑक्शन पोर्टल का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NAFEX) के ई-ऑक्शन पोर्टल NAFEX.in का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर, सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी और NAFEX के अध्यक्ष श्री जेठाभाई अहीर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि NAFEX ने आज चार प्रमुख पहलों की शुरूआत की है, जिसमें NAFEX.in, दृष्टि, ईआरपी और NAFEX कल्याण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि NAFEX.in सहित अन्य पहलें काफी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वर्ष 2014 में NAFEX बंद होने की कगार पर था, लेकिन आज इन प्रयासों के कारण NAFEX 30,000 करोड़ रुपये के टर्नओवर और 500 करोड़ रुपये के मुनाफे के साथ देश के 74 लाख से अधिक किसानों की सेवा कर रहा है। श्री शाह ने कहा कि जब NAFED गहरे आर्थिक संकट में था, तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसे पूरी पारदर्शिता के साथ चलाने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने आर्थिक सहायता प्रदान कर NAFED को एक बार फिर मजबूती से खड़ा कर दिया है। अमित शाह ने कहा कि आज NAFED उत्पादन और खरीद दोनों में काफी बढ़ोत्तरी कर चुका है।

प्रभु श्रीराम की अयोध्या के बाद अब महाकाल के उज्जैन को लूट रहे ईडी पार्टी के लोग - सौरभ भारद्वाज

●मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और उनके परिवार के लोग उज्जैन के आसपास बड़े पैमाने पर जमीनें खरीद रहे- सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी मामले के बीच अब उज्जैन में जमीन घोटाला का मामला सामने आने पर आम आदमी पार्टी ने ईडी पार्टी को आड़े हाथ लिया है।

आप दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या के बाद अब ईडी पार्टी के लोग महाकाल के उज्जैन को लूट रहे है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनके परिवार के लोग उज्जैन के आसपास बड़े पैमाने पर जमीनें खरीद रहे हैं।

सरकारी फैसलों की अंदरूनी जानकारी उनके पास पहले से मौजूद थी, अब यह परिवार हजारों करोड़ रुपए कमाएगा। मंगलवार को एक्स पर 5 आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि प्रभु श्री राम की अयोध्या को लूटने के बाद अब महाकाल के उज्जैन को लूटा जा रहा है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनके परिवार के लोग उज्जैन के आसपास बड़े पैमाने पर जमीनें खरीद रहे हैं।

जाहिर है कि सरकारी फैसलों से इन जमीनों को होने वाले फायदे की अंदरूनी जानकारी उनके पास पहले से मौजूद थी।

इस तरह यह परिवार हजारों करोड़ रुपए कमाएगा।

फिर इस पैसे को रियल एस्टेट के कारोबार से हुई कमाई बताकर जायज ठहरा दिया जाएगा। भाजपा के लिए तो शर्म शब्द भी बहुत छोटा है।

आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रभारी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि मोदी जी भी एक से बढ़कर एक नेता चुनते हैं।

जमीन घोटालों से लेकर राममंदिर में चढ़ावे की डकैती तक में एक्सपर्ट हैं।

अब अपने रिश्तेदारों के लिए जमीन घोटाला करवा रहे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री जी तो मोदी जी की ही चॉइस थे ना, तो इनसे इस्तीफा कौन लेगा भला ?

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली भाजपा की नई टीम में दिखेगा बदलाव

नई दिल्ली। दिल्ली में 27 वर्ष बाद सत्ता में वापसी के बाद भारतीय जनता पार्टी अब अपने संगठनात्मक ढांचे में भी व्यापक बदलाव की तैयारी में जुटी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार दिल्ली प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी में लगभग 25 से 30 फीसदी नए चेहरों को अवसर दिया जा सकता है। नई टीम में युवाओं, महिलाओं और अनुभवी कार्यकर्ताओं के संतुलित समावेश पर विशेष जोर रहने की संभावना है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस बार प्रदेश संगठन की नई टीम में सांसदों की तुलना में विधायकों को अधिक प्रतिनिधित्व मिल सकता है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू किए जाने के बाद महिला कार्यकर्ताओं को भी संगठन में प्रमुख जिम्मेदारियां देने की योजना पर विचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि प्रदेश कार्यकारिणी में युवा चेहरों को शामिल करने के साथ-साथ अनुभवी नेताओं को भी उचित स्थान दिया जाएगा, जिससे संगठन में अनुभव और ऊर्जा का संतुलन बना रहे। पार्टी नेतृत्व युवा कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने के पक्ष में है, लेकिन संगठनात्मक अनुभव को भी महत्व दिया जाएगा।

जंतर-मंतर पर डटे सीजेपी समर्थक, बैरिकेडिंग को लेकर पुलिस से विवाद

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का प्रदर्शन जंतर मंतर पर मंगलवार को चौथे दिन भी जारी है। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इस दौरान सीजेपी ने आरोप लगाया कि सोमवार रात प्रदर्शन स्थल पर बैरिकेडिंग की गई। प्रदर्शन स्थल को छोटा करने और उसे दो हिस्सों में बांटने की कोशिश की गई प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी और गाने गाकर पुलिस की बैरीकेडिंग का विरोध जताया। वहीं पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को किसान संगठन अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के विरोध में प्रदर्शन करने वाले हैं। किसी भी प्रदर्शन से पहले सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए जाते हैं। एसएससी-यूपीएससी अभ्यर्थियों से मांगा समर्थन सीजेपी ने एसएससी और यूपीएससी अभ्यर्थियों से आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने बताया कि छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए अधिक लोगों का साथ जरूरी है। उन्होंने कहा की बड़ी संख्या में अभ्यर्थी आएं और अपनी बात सीजेपी के मंच पर रखें। उनके अनुसार, जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे, प्रदर्शनकारी जंतर मंतर से नहीं हटेंगे।

केशव पुरम जोन में अवैध डेयरी गतिविधियों के खिलाफ एमसीडी ने की कड़ी कारवाई

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के केशव पुरम जोन के पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा अवैध डेयरी गतिविधियों एवं अनधिकृत पशुपालन पर रोक लगाने के उद्देश्य से मंगलवार को शालीमार बाग के निकट हैदरपुर नहर क्षेत्र तथा शकूरपुर के-ब्लॉक के समीप एनएसपी क्षेत्र में एक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई नगर निगम के नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने तथा जनस्वास्थ्य एवं स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के लिए एमसीडी के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। एमसीडी को प्रवर्तन अभियान के दौरान एक अवैध डेयरी संचालन का पता चला तथा एक व्यक्ति को अनधिकृत रूप से पशुपालन गतिविधियों में संलिप्त पाया गया। यह अभियान केशव पुरम जोन एवं रोहिणी जोन के पशु चिकित्सा सेवा विभागों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया, जो शहर की सीमा के भीतर संचालित अवैध डेयरी प्रतिष्ठानों के विरुद्ध समन्वित प्रवर्तन कार्रवाई का उदाहरण है।

शादी का झांसा देकर ठगी करता था विदेशी नागरिक, गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने मेट्रिमोनियल साइट के जरिए महिलाओं को शादी करने का झांसा देकर ठगी करने वाले विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही आरोपी के साथ सहमति संबंध में रहने वाली महिला को भी पकड़ा है। गिरफ्तार विदेशी नागरिक की पहचान आइवरी कोस्ट निवासी कोउआडियो विक्टर और महिला की पहचान नागालैंड निवासी अनेई कोन्याक के रूप में हुई है। आरोपियों के कब्जे से डेबिट कार्ड, लैपटॉप समेत पांच मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

नवजीवन विहार के जीरो वेस्ट मॉडल से प्रभावित हुए उपराज्यपाल

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार टी. एस. संधू ने मंगलवार को नवजीवन विहार का दौरा कर वहां संचालित जीरो वेस्ट कॉलोनी मॉडल की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा इस मॉडल को दिल्ली की सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियों में से एक बताया। दौरे के दौरान उपराज्यपाल ने कॉलोनी के रिड्यूस-रियूज-रिसायकल केंद्र, विकेन्द्रीकृत एरोबिक कम्पोस्टिंग इकाइयों, स्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण की व्यवस्था और स्थानीय स्तर पर स्थापित वर्षा जल संचयन प्रणाली का विस्तृत निरीक्षण किया। सरदार टी. एस. संधू ने कहा कि यह सामुदायिक सहभागिता पर आधारित पहल इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी किस प्रकार स्वच्छ, हरित और टिकाऊ शहरी वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने इस मॉडल को बड़े स्तर पर लागू करने की आवश्यकता पर बल देते हुए नगर निगम को अन्य आवासीय कल्याण संघों को इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उपराज्यपाल ने विशेष रूप से कम संसाधनों वाली कॉलोनियों में विकेन्द्रीकृत जीरो वेस्ट और कम्पोस्टिंग परियोजनाओं को लागू करने के लिए वित्तीय संसाधनों की संभावनाएं तलाशने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में एरोबिक और रिड्यूस-रियूज-रिसायकल केंद्र जैसी आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए सामाजिक दायित्व निधि का व्यवस्थित उपयोग किया जाना चाहिए।

दिल्ली में 1 जुलाई से सड़क कटाई पर रोक, बिना अनुमति नहीं होंगे निर्माण कार्य

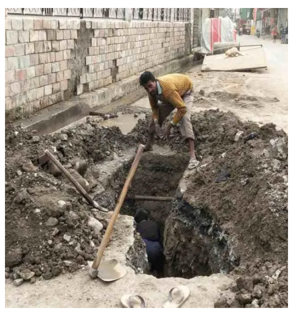

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने मानसून के दौरान जनसुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से 1 जुलाई से 30 सितंबर तक सड़क कटाई के कार्यों पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। इस अवधि के दौरान बिना पूर्व अनुमति के किसी भी प्रकार की सड़क कटाई की अनुमति नहीं दी जाएगी। नगर पालिका परिषद की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि वर्षा ऋतु के दौरान जलभराव, सड़कों को होने वाले नुकसान, यातायात बाधित होने तथा स्थानीय निवासियों और यात्रियों को होने वाली असुविधा से बचने के लिए यह निर्णय लिया गया है। परिषद ने स्पष्ट किया है कि अत्यावश्यक सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं अथवा आपातकालीन परिस्थितियों में ही सड़क कटाई कार्यों को अनुमति दी जाएगी। ऐसे मामलों में भी परिषद अध्यक्ष की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य होगी। बयान के अनुसार, जिन सड़क कटाई कार्यों की अनुमति पहले ही दी जा चुकी है, लेकिन जिनका कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ है, उन्हें भी प्रतिबंध अवधि के दौरान स्थगित रखा जाएगा। ऐसे कार्य केवल विशेष परिस्थितियों में अध्यक्ष की अनुमति मिलने के बाद ही शुरू किए जा सकेंगे। नगर पालिका परिषद ने सभी संबंधित विभागों, उपयोगिता एजेंसियों, ठेकेदारों और कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्देश दिया है कि मानसून शुरू होने से पहले सभी चल रहे सड़क कटाई कार्यों को शीघ्र पूरा कर सड़कों की समुचित मरम्मत और बहाली सुनिश्चित की जाए, ताकि पैदल यात्रियों और वाहन चालकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। परिषद ने कहा कि मानसून के दौरान जनता की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारी वर्षा के समय यातायात को सुचारु बनाए रखने और व्यवधान को न्यूनतम करने के लिए सड़क कटाई गतिविधियों पर रोक तथा समय पर सड़कों की मरम्मत और पुनर्स्थापन अत्यंत आवश्यक है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता समेत अन्य नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और अन्य भाजपा नेताओं ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान नेताओं ने पौधारोपण भी किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं हम सभी के प्रेरणास्रोत श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर आज दिल्ली गेट स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। भारत की अखंडता के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट निष्ठा और समर्पण का अमर प्रतीक है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा के साथ पार्क में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में साथी कार्यकताओं की उपस्थिति रही। राष्ट्र की सेवा और समर्पण के अमर प्रतीक श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कोटि-कोटि नमन। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा, आज, इस बहुत ही महत्वपूर्ण मौके पर हम भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने के लिए इकट्ठा हुए हैं। चाहे हम सरकार में काम कर रहे हों या संगठन में, भाजपा के सभी कार्यकर्ता और नेता आज जिस विचारधारा, नीतियों और विजन के साथ सेवा करते हैं, उसकी नींव उन्होंने ही रखी थी। हर्ष मल्होत्रा ने कहा, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष थे। उन्होंने भारत को एकजुट रखने के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाया, तो उस बलिदान का सही अर्थ सार्थक हुआ। इसके परिणामस्वरूप, जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया और अब भारत का संविधान सीधे जम्मू-कश्मीर पर लागू होता है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, आज श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस है। इसी दिन बिना परमिट के कश्मीर में घुसते समय वे घायल हो गए थे, जिसके कारण उनकी मौत हो गई थी।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम, धूल भरी आंधी के बाद झमाझम बारिश से मिली राहत

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को मौसम ने अचानक करवट ली। दोपहर बाद चली तेज धूल भरी आंधी के बाद राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में झमाझम बारिश शुरू हो गई, जिससे भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिली। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिल्ली में तेज आंधी, बिजली गिरने और वर्षा को लेकर लाल चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, अगले कुछ घंटों के दौरान राजधानी के अधिकांश हिस्सों में 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ वर्षा होने और कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी आने की संभावना है। मंगलवार दोपहर अचानक मौसम बदलने के साथ दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद समेत कई क्षेत्रों में तेज हवाएं चलने लगीं। तेज हवाओं के कारण सड़कों पर धूल का घना गुबार छा गया, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। आंधी के कारण खुले स्थानों पर रखे सामान उड़ने लगे। कई दुकानदारों को जल्दबाजी में अपना सामान समेटना पड़ा, जबकि राहगीर धूल से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागते दिखाई दिए। कुछ क्षेत्रों में दुकानों को अस्थायी रूप से बंद भी करना पड़ा। धूल का गुबार छंटने के बाद राजधानी के विभिन्न इलाकों में बारिश शुरू हो गई। ठंडी फुहारों ने मौसम को खुशनुमा बना दिया। बारिश के बाद लोग घरों से बाहर निकल आए और बच्चों तथा युवाओं को सड़कों पर बारिश का आनंद लेते देखा गया। कई लोग इस बदलते मौसम के दृश्य अपने दूरभाष में कैद करते भी नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 39 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है तथा हल्की से मध्यम वर्षा अगले कुछ घंटों तक जारी रहने की संभावना है।

वीवो धनशोधन मामले में बड़ा फैसला, दो चीनी नागरिकों के विदेश जाने पर रोक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने वीवो मोबाइल से जुड़े लगभग 20000 करोड़ रुपये के चर्चित धनशोधन मामले में बड़ा आदेश देते हुए दो चीनी नागरिकों के चीन जाने पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायालय ने कहा कि आरोपितों के देश छोड़ने की स्थिति में उनके वापस लौटने की कोई निश्चितता नहीं है, क्योंकि भारत और चीन के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है। न्यायमूर्ति तेजस करिया ने प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर सुनवाई करते हुए निचली अदालत के 17 जून के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें आरोपितों को विदेश यात्रा की अनुमति प्रदान की गई थी। मामले की अगली सुनवाई 2 जुलाई को निर्धारित की गई है। मामले के आरोपितों में गुआंगवेन कुआंग उर्फ एंड्रयू और वेइगांग वांग शामिल हैं। गुआंगवेन कुआंग को अक्तूबर में गिरफ्तार किया गया था, जबकि उसे नवंबर में जमानत मिली थी। दोनों आरोपितों के विरुद्ध धनशोधन निवारण अधिनियम के अंतर्गत आरोपपत्र दायर किया जा चुका है। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि आरोपित चीन के नागरिक हैं और उनके विरुद्ध भारतीय दंड संहिता तथा धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत गंभीर आरोप लंबित हैं। ऐसे में उनके विदेश जाने से न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने यह भी उल्लेख किया कि 8 जून को निचली अदालत ने गुआंगवेन कुआंग की विदेश यात्रा संबंधी याचिका खारिज कर दी थी, लेकिन परिस्थितियों में कोई विशेष परिवर्तन न होने के बावजूद बाद में उसे अनुमति दे दी गई। इस आधार पर प्रवर्तन निदेशालय की आपत्ति प्रथमदृष्टया उचित प्रतीत होती है। प्रवर्तन निदेशालय ने न्यायालय को बताया कि जांच के दौरान यह सामने आया है कि वीवो मोबाइल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा उससे संबद्ध विभिन्न वितरक कंपनियों ने कथित रूप से अपराध से अर्जित धन का उपयोग किया। एजेंसी का आरोप है कि गुआंगवेन कुआंग ने वास्तविक स्वामित्व छिपाने, कंपनियां स्थापित करने तथा कथित अवैध धन के हस्तांतरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत अभियोजन शिकायत दायर की थी।

मैट्रिमोनियल साइट से साइबर ठगी: शादी का झांसा देकर महिलाओं को बनाता था शिकार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने मैट्रिमोनियल साइट के जरिए महिलाओं से दोस्ती कर शादी करने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के साथ सहमति संबंध में रहने वाली एक महिला को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार विदेशी नागरिक की पहचान आइवरी कोस्ट निवासी कोउआडियो विक्टर और महिला की पहचान नागालैंड निवासी अनेई कोन्याक के रूप में हुई है। इनके कब्जे से पुलिस ने चार डेबिट कार्ड, एक लैपटॉप और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल निरीक्षक कमलेश कुमार के नेतृत्व में साइबर धोखाधड़ी में शामिल अपराधियों पर निगरानी रख रही थी। इसको लेकर पुलिस लगातार इलाके में सत्यापन कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को पता चला कि हस्तसाल विहार में कुछ विदेशी नागरिक रहते हैं, जो साइबर धोखाधड़ी में शामिल हैं। साथ ही पता चला कि वह धोखाधड़ी से हासिल की गई रकम को एटीएम से निकालने के लिए म्यूल बैंक खाते का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने एक सूचना पर होली चौक के पास हस्तसाल विहार के एक घर में छापा मारा। जहां से पुलिस ने आइवरी कोस्ट के एक नागरिक 36 साल के कोउआडियो विक्टर को पकड़ा, जो वीजा अवधि खत्म होने के बाद यहां अवैध रूप से रह रहा था। वह नागालैंड की रहने वाली एक महिला अनेई कोन्याक के साथ सहमति संबंध में रह रहा था।

आईपी यूनिवर्सिटी के एमए इकोनॉमिक्स प्रोग्राम की ऑफलाइन काउंसलिंग 30 जून को

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी के एमए (इकोनॉमिक्स) प्रोग्राम में दाखिले के लिए पहली ऑफलाइन काउंसलिंग 30 जून को द्वारका कैंपस में आयोजित की जाएगी। उसी दिन आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के उपरांत मेरिट के आधार पर सीटों का भी आवंटन कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने कहा है कि इस प्रोग्राम के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा के सभी सफल उम्मीदवार इस काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। काउंसलिंग के दिन यूनिवर्सिटी कुलसचिव के नाम से निर्गत 96 हजार रुपये का बैंक ड्राफ्ट, चार पासपोर्ट आकार के फोटो, सीईटी का एडमिट कार्ड और रैंक कार्ड, ऑनलाइन भरा हुआ फार्म, जन्म तिथि का प्रमाण पत्र, इत्यादि साथ लाना हैं। 162 कोड वाले इस प्रोग्राम कीकाउंसलिंग के बाद आवंटित सीट 7 जुलाई तक निरस्त किए जा सकते हैं। यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी कैंपस(60 सीट) यूनिवर्सिटी से संबद्ध इंस्टिट्यूट विप्स (20 सीट) में उपलब्ध है। इस काउंसलिंग में भाग लेने के इच्छुक सभी आवेदक इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://www.ipu. Ôc.in AüSX http://www.ipu.admissions.nic.in देख सकते हैं।

संजय दत्त समर्थित व्हिस्की ब्रांड पर अदालत की रोक

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अभिनेता संजय दत्त समर्थित कंपनी कार्टेल ब्रोज को अपनी व्हिस्की के लिए गॉडफादर नाम और उससे मिलते-जुलते किसी भी चिह्न के उपयोग से फिलहाल रोक दिया है। न्यायालय ने यह अंतरिम आदेश देवांस मॉडर्न ब्रुअरीज की याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला ने देवांस मॉडर्न ब्रुअरीज की अंतरिम निषेधाज्ञा याचिका स्वीकार करते हुए कार्टेल ब्रोज, उसके निदेशकों, साझेदारों तथा कंपनी की ओर से कार्य करने वाले सभी व्यक्तियों को मुकदमे के निस्तारण तक गॉडफादर अथवा उससे मिलते-जुलते किसी भी नाम, लेबल, पैकेजिंग, कार्टन अथवा व्यापारिक पहचान का उपयोग करने से रोक दिया। न्यायालय ने कंपनी को यह भी निर्देश दिया कि गॉडफादर नाम से संबंधित सभी प्रचार सामग्री, विज्ञापन, प्रसारण, सूचीकरण और अन्य सामग्री को तत्काल सभी आनलाइन तथा आफलाइन माध्यमों से हटाया जाए। सुनवाई के दौरान देवांस मॉडर्न ब्रुअरीज ने न्यायालय को बताया कि वह वर्ष 1984 से गॉडफादर नाम का उपयोग कर रही है। कंपनी के पास बीयर के साथ-साथ व्हिस्की और रम के लिए भी इस नाम का पंजीकरण है। कंपनी का दावा है कि चार दशकों से अधिक समय में इस नाम ने व्यापक पहचान और प्रतिष्ठा अर्जित की है तथा उपभोक्ता इसे सीधे उसके उत्पादों से जोड़ते हैं। याचिका में कहा गया कि गॉडफादर एक विशिष्ट व्यापारिक चिह्न है, जिसे विधिक संरक्षण प्राप्त है।

पूर्व प्रधानमंत्री के पुत्र की कंपनी में 7.68 करोड़ की साइबर ठगी, 4.28 करोड़ रुपये की राशि सुरक्षित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के पुत्र और उद्योगपति नरेश गुजराल की कंपनी से 7.68 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले में दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में पंजाब से एक आरोपित को गिरफ्तार किया है, जबकि ठगी की 4.28 करोड़ रुपये की राशि सुरक्षित कर ली गई है। विशेष शाखा की सूचना प्रौद्योगिकी एवं वित्तीय सेवाएं इकाई ने पंजाब निवासी नवनीत नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित ने कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था, जिसका उपयोग ठगी की रकम के लेनदेन के लिए किया गया। सूचना प्रौद्योगिकी एवं वित्तीय सेवाएं इकाई के पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार ने बताया कि नवनीत को रविवार को पंजाब से गिरफ्तार किया गया। वह एक निजी कंपनी में कार्यरत था। जांच में सामने आया है कि साइबर अपराधियों ने ठगी की रकम को छिपाने के लिए कई स्तरों वाला वित्तीय जाल तैयार किया था। पुलिस जांच के अनुसार, ठगी की पूरी राशि सबसे पहले महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के चार बैंक खातों में भेजी गई। इसके बाद कुछ ही मिनटों के भीतर इस धनराशि को दूसरे स्तर के 40 से अधिक खातों में स्थानांतरित कर दिया गया। गिरफ्तार आरोपित नवनीत दूसरे स्तर का खाताधारक है, जिसके खाते में 5 लाख रुपये भेजे गए थे। पुलिस अब पूरे धन हस्तांतरण तंत्र की जांच कर रही है। अन्य खाताधारकों और मुख्य आरोपितों की तलाश में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में लगातार छापेमारी की जा रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि साइबर अपराधियों ने नरेश गुजराल की कंपनी के वित्त विभाग के एक कर्मचारी को विषाणुयुक्त संचिका भेजकर उसका दूरभाष यंत्र हैक कर लिया था। इसके बाद ठगों ने कर्मचारी के दूरभाष में सुरक्षित नरेश गुजराल के वास्तविक संपर्क क्रमांक को बदलकर अपना क्रमांक दर्ज कर दिया और संदेश प्रेषण मंच पर नरेश गुजराल का चित्र भी लगा दिया।

24 घंटे में दिव्यांग महिला समेत 5 लापता लोगों को परिवार से मिलाया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी निरोधक इकाई ने एक सराहनीय अभियान के तहत दिल्ली और हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों से चार किशोरों और एक दिव्यांग महिला को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों से मिला दिया। इस अभियान की विशेष बात यह रही कि मानसिक रूप से अस्वस्थ एक महिला और सात वर्षीय एक बच्चे को मात्र 24 घंटे के भीतर खोज निकाला गया। अपराध शाखा के विशेष आयुक्त एचजीएस धालीवाल के अनुसार सहायक पुलिस आयुक्त सुरेश कुमार के नेतृत्व में निरीक्षक मुकेश कुमार और मनोज दहिया की टीम ने आधुनिक निगरानी तकनीक तथा मुखबिर तंत्र से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यह सफलता हासिल की। पहले मामले में हजरत निजामुद्दीन क्षेत्र के रहने वाले दस वर्ष और छह वर्ष आयु के दो सगे भाई 10 जून को घर के बाहर खेलते समय रास्ता भटक गए और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंच गए। स्टेशन पर अकेले घूमते पाए जाने पर पुलिस ने दोनों बच्चों को सुरक्षा में लेकर पहाड़गंज स्थित बाल गृह में रखा था। अपराध शाखा की टीम ने जांच के बाद दोनों बच्चों को वहां से बरामद कर कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उनके परिवार को सौंप दिया। दूसरे मामले में स्वरूप नगर क्षेत्र की मानसिक रूप से अस्वस्थ एक महिला 11 जून को अपनी बहन के घर जाने के लिए निकली थी, लेकिन रास्ता भटक गई। सहायक उपनिरीक्षक अजय कुमार झा ने तकनीकी निगरानी की सहायता से महिला की स्थिति का पता लगाया। महिला पुलिसकर्मियों की टीम महिला के भाई को साथ लेकर मंदिर मार्ग बस अड्डे पहुंची और महज 24 घंटे के भीतर महिला को सकुशल बरामद कर लिया। सत्यापन के बाद महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। तीसरे मामले में 15 वर्षीय एक किशोर को हरियाणा के सोनीपत से बरामद किया गया। 13 जून को लापता हुआ यह किशोर आगे पढ़ाई करना चाहता था, लेकिन आर्थिक कारणों से परिवार उसकी पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ था। इसी कारण वह घर छोड़कर सोनीपत चला गया था। बवाना थाना क्षेत्र की टीम ने उसे खोज निकाला, उसकी काउंसलिंग की और सुरक्षित रूप से परिवार को सौंप दिया।

संक्षिप्त खबरें

एनसीआर अकादमी 6 विकेट से जीती

गुरुग्राम। द शिक्षियन स्कूल के क्रिकेट मैदान पर मंगलवार को एनसीआर क्रिकेट अकादमी और क्राफ्ट क्रिकेट अकादमी के बीच 40 ओवर का मैच खेला गया। इसमें एनसीआर अकादमी ने क्राफ्ट अकादमी की टीम को 6 विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर क्राफ्ट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी क्राफ्ट अकादमी की शुरुआत बेहद खराब रही। अथर्व यादव ने 44 रन और शौर्य दीपक ने 40 रनों की जुझारू पारी खेली। अंत में मयंक ने मात्र 16 गेंदों में 36 रनों की तेज पारी खेलकर टीम को 225 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। एनसीआर अकादमी की ओर से शौर्य भारद्वाज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। इसके अलावा ललित ने 2 और रेयान ने 2 विकेट लिए। 226 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एनसीआर अकादमी के बल्लेबाजों ने मैदान पर आते ही आक्रामक रुख अपनाया। कप्तान आर्यन दहिया ने 45 रन, दक्ष राज अग्रवाल ने 41 रनों का योगदान दिया। आर्यन यादव ने नाबाद 59 रनों की आतिशी पारी खेली। शौर्य भारद्वाज ने भी बल्लेबाजी में अपना जोहर दिखाते हुए नाबाद 31 रन बनाए। क्राफ्ट अकादमी की ओर से रेयान ने 2 विकेट, वहीं अभिनव और मंयक को एक-एक सफलताएं मिली।

कार्यशाला में बच्चे सीख रहे अभिनय

फरीदाबाद। फोर्थ वॉल प्रोडक्शंस द्वारा अवसर फाउंडेशन के सहयोग से 20 दिवसीय रंगमंचीय कार्यशाला नवरंग का आयोजित की गई। इसमें विविध क्षमताओं वाले बच्चे अभिनय के माध्यम से खुशियों से रुबरू हो रहे हैं। इस कार्यशाला में भाग ले रहे करीब 10 बच्चे रंगमंच की बारीकियां सीखते हुए नाटक खुशी कहां रहती है की भी तैयारी कर रहे हैं। यह कार्यशाला बच्चों के लिए केवल अभिनय सीखने का माध्यम नहीं है बल्कि आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति, टीमवर्क और भावनात्मक विकास की एक रचनात्मक यात्रा भी है। खेल, संगीत, कहानी, अभिनय और शारीरिक अभिव्यक्ति के माध्यम से बच्चे अपनी क्षमता से आगे बढ़ कर स्वयं को खुलकर व्यक्त करना सीख रहे हैं। कार्यशाला के निर्देशक डॉ. अंकुश शर्मा ने बताया कि रंगमंच बच्चों के व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। अवसर फाउंडेशन की संस्थापक सोनिया मिढ्ढा ने कहा कि सभी बच्चे अपनी क्षमता, कल्पना और अभिव्यक्ति में अलग जरूर हैं लेकिन सबकी अपनी विशेषता है। इस कार्यशाला के माध्यम से बच्चों में सकारात्मक बदलाव देखे जा रहे हैं और वह खुश हैं।

रावल क्रिकेट अकादमी 5 विकेट से जीती

फरीदाबाद। नंगला स्थित रावल इंटरनेशनल स्कूल के मैदान पर खेले गए मुकाबले में मेजबान रावल क्रिकेट अकादमी ने वाईबी स्पोटर्स के खिलाफ पांच रन से जीत दर्ज की। कर्तव्य भारद्वाज को शानदार गेंदबाजी करने पर मैन ऑफ द मैच दिया गया। रावल क्रिकेट अकादमी की टीम बल्लेबाजी करते हुए 39 ओवर में 260 रन पर आल आउट हो गई। अर्जुन ने 62, गविष्ट ने 38 और रुद्र शर्मा ने 37 रन बनाए। वाईबी स्पोटर्स की ओर से कनिष्क भाटिया ने तीन और आयुष सिवाच ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए वाईबी स्पोटर्स की टीम 36 ओवर में 255 रन पर आल आउट हो गई। अंकित कुमार ने 69 और हितेश शर्मा ने 35 रन बनाए। रावल क्रिकेट अकादमी की ओर से कर्तव्य भारद्वाज ने पांच और वंश कुमार ने तीन विकेट लिए।

पलवल चीनी मिल में डीसी ने किया औचक निरीक्षण, कई कर्मचारी मिले अनुपस्थित

प्रात : किरण संवाददाता

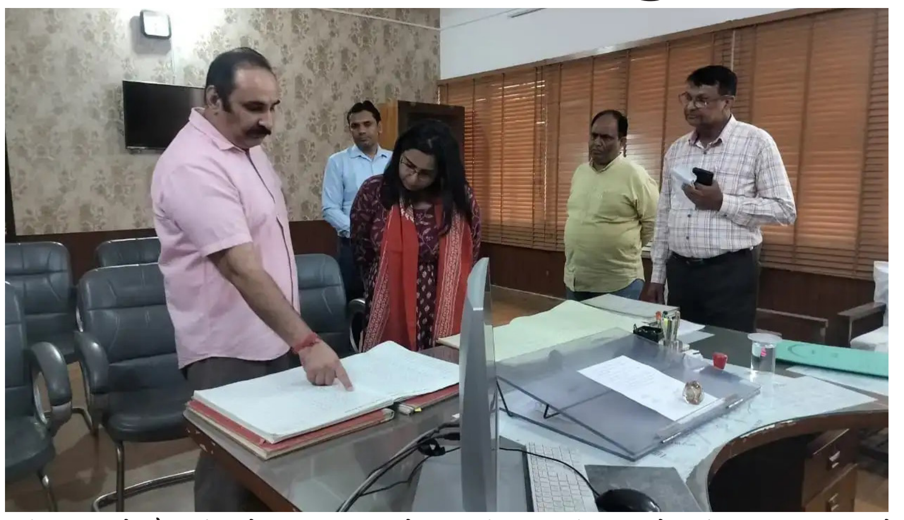

पलवल । उपायुक्त डॉ. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने मंगलवार सुबह पलवल चीनी मिल का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्यप्रणाली तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सबसे पहले चीनी मिल के हाजिरी रजिस्टरों की जांच की। जांच के दौरान पाया गया कि कई स्थानों पर उपस्थिति और अवकाश संबंधी प्रविष्टियां सही ढंग से दर्ज नहीं की गई थीं। कुछ कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित मिले, जबकि कुछ के अवकाश दर्ज थे। उपायुक्त ने संबंधित कर्मचारियों के अवकाश अभिलेख भी तलब किए और पूरी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डॉ. छिल्लर ने प्रबंध निदेशक द्विजा को निर्देश दिए कि एक जून से अब तक अनुपस्थित रहे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का विस्तृत ब्यौरा तैयार कर उन्हें उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि बिना पूर्व अनुमति या उचित कारण के अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए तथा लंबे समय से गैरहाजिर कर्मियों के खिलाफ आरोप पत्र जारी कर विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न शाखाओं और कक्षों का भी दौरा किया तथा अधिकारियों और कर्मचारियों से उनके कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने लंबित कार्यों की समीक्षा करते हुए समयबद्ध ढंग से कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की। कुछ कैमरे बंद पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए उन्हें तुरंत चालू कराने के निर्देश दिए।

गुरुग्राम: विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में बीएलओ नहीं पहुंचने पर सूचना दें मतदाता

-एसआईआर-2026 के तहत घर-घर पहुंचकर गणना प्रपत्र भरवा रहे हैं बूथ लेवल अधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर)-2026 के तहत जिले में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाने का कार्य किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सही रूप से दर्ज हो सके। यह बात मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त उत्तम सिंह ने कही। उपायुक्त ने बताया कि यदि किसी मतदाता के घर अभी तक संबंधित बीएलओ गणना प्रपत्र लेकर नहीं पहुंचे हैं तो ऐसे मतदाता निर्वाचन आयोग के टोल फ्री नंबर 1950 पर अथवा पटौदी विधानसभा क्षेत्र के लिए 0124-6934034, बादशाहपुर के लिए 0124-2570029 तथा 0124-4268806, गुरुग्राम विधानसभा क्षेत्र के लिए 8700751185 तथा सोहना विधानसभा क्षेत्र के लिए 9466142565 हेल्पलाइन नंबर पर इसकी सूचना दे सकते हैं। प्राप्त शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित बीएलओ को मौके पर भेजा जाएगा तथा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र मतदाता इस प्रक्रिया से वंचित न रहे।

गुम हुए मोबाइल मिले तो मालिकों के चेहरे खिल उठे

फरीदाबाद। जिला पुलिस की साइबर सेल ने तकनीक के जरिए पिछले एक माह के दौरान गुम हुए 103 मोबाइल फोन तलाश कर उनके मालिकों को वापस सौंप दिए। मंगलवार को सेक्टर-30 स्थित पुलिस लाइन स्थित कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डीसीपी क्राइम राजेश कुमार मोहन ने फोन मालिकों को बुलाकर उनके मोबाइल उन्हें सौंप दिए। मोबाइल मिलते ही उनके चेहरे खिल उठे। साइबर सेल ने यह कार्रवाई सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर की थी। तकनीकी विश्लेषण, डिजिटल ट्रैकिंग और विभिन्न नेटवर्क स्रोतों की मदद से मोबाइल फोन की लोकेशन का पता लगाया गया और उन्हें बरामद कर वास्तविक मालिकों तक पहुंचाया गया। स्थानीय पुलिस इससे पहले भी बड़ी संख्या में गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर लोगों को लौटा चुकी है। इस अवसर पर डीसीपी क्राइम राजेश कुमार मोहन ने लोगों से मुखातिब होते हुए कहा कि मौजूदा दौर में मोबाइल फोन केवल बातचीत का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति की डिजिटल पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। मोबाइल में बैंकिंग संबंधी जानकारी, निजी फोटो-वीडियो, सोशल मीडिया अकाउंट, दस्तावेज और अन्य संवेदनशील डाटा मौजूद रहता है।

यूजी दाखिले की तारीख चौथी बार बढ़ी, अब 30 जून तक कर सकेंगे आवेदन

-देरी से खिसकेगा कॉलेजों का शैक्षणिक सत्र, जुलाई की जगह अगस्त में शुरू हो सकती हैं कक्षाएं

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से छात्रों को कॉलेज में आवेदन करने के लिए एक और मौका दिया गया है। दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को विभाग ने एक बार फिर बढ़ाकर 30 जून कर दिया है। इससे पहले अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित की गई थी। यह चौथी बार है जब आवेदन की तिथि में विस्तार किया गया है। 30 जून तक आवेदन प्रक्रिया जारी रहने के कारण जुलाई माह में दाखिला प्रक्रिया पूरी करना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। इस की वजह से स्नातक (यूजी) कक्षाओं की शुरूआत जुलाई के बजाय अगस्त होने की संभावना है। पहले जहां एक जुलाई से कॉलेजों में कक्षाएं शुरू हो जाती थीं, वहीं इस बार दाखिला प्रक्रिया में देरी के कारण शैक्षणिक सत्र एक माह आगे खिसक गया है। विभाग के शेड्यूल के अनुसार पहली प्रोविजनल मेरिट सूची 9 जुलाई को जारी की जाएगी। इसके बाद चयनित छात्रों को 11 से 15 जुलाई तक निर्धारित प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। समय सीमा में जमा की जाने वाले छात्र ही अपनी सीट सुनिश्चित कर सकेंगे। शुल्क जमा करने के बाद विद्यार्थियों को महाविद्यालय में आवश्यक दस्तावेजों को जमा कराना होगी। पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद रिक्त सीटों के आधार पर दूसरी प्रोविजनल मेरिट सूची 16 जुलाई को जारी की जाएगी, जबकि दूसरी फाइनल मेरिट सूची 17 जुलाई को प्रकाशित होगी। दूसरी मेरिट सूची में चयनित विद्यार्थियों को 18 से 22 जुलाई तक फीस जमा कराने का अवसर मिलेगा। इसके बाद भी सीटें खाली रहने पर 23 जुलाई से ओपन काउंसलिंग शुरू होगी। इसके लिए 24 जुलाई से प्रवेश पोर्टल दोबारा खोला जाएगा। विद्यार्थी 25 से 31 जुलाई तक 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ आवेदन कर सकेंगे।

नशे के लिए प्रतिबंधित खेती की जांच के आदेश

पलवाल। जिले में नशे के खिलाफ अभियान तेज करते हुए प्रतिबंधित फसलों की जांच और उन्हें नष्ट करने के आदेश दिए गए। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के नशा हॉट स्पॉट की रिपोर्ट तलब की गई। मंगलवार को एनसीओआरडी बैठक में जिला उपायुक्त ने विभागों की जवाबदेही तय करते हुए यह सख्त निर्देश जारी किए गए। प्रतिबंधित खेती की रिपोर्ट मांगी लघु सचिवालय में आयोजित जिला स्तरीय नेशनल नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन कमेटी (एनसीओआरडी) की बैठक में नशे की जड़ों पर प्रहार करने की रणनीति पर चर्चा हुई। उपायुक्त डॉ. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने कृषि विभाग को प्रतिबंधित फसलों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिन क्षेत्रों में ऐसी फसलें उगाई जा रही हैं, उनकी पहचान कर तत्काल कार्रवाई करने और फसल नष्ट करने को कहा गया। अधिकारियों को स्पष्ट किया गया कि इस मामले में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। प्रशासनिक स्तर पर नियमित निगरानी रखकर रिपोर्टिंग व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया गया, ताकि अवैध गतिविधियों पर समय रहते अंकुश लगाया जा सके बैठक में नशे के प्रसार वाले क्षेत्रों की पहचान को प्राथमिकता दी गई। पंचायत विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों तथा शहरी निकाय विभाग को शहरों में नशे के हॉट स्पॉट की जानकारी जुटाने के निर्देश दिए गए। इन स्थानों की सूची तैयार कर वहां विशेष निगरानी और जागरूकता गतिविधियां चलाने की योजना बनाई जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य नशे के नेटवर्क और उससे जुड़े ठिकानों तक पहुंच बनाना है। अधिकारियों को क्षेत्रवार आंकड़े जुटाने और समयबद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि नशे की समस्या वाले क्षेत्रों में विभागीय समन्वय के साथ लगातार कार्रवाई जारी रखी जाएगी। बैठक में पिछली एनसीओआरडी बैठक के निर्देशों की समीक्षा भी की गई। अनुपालना नहीं मिलने पर जिला समाज कल्याण अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। विभागीय इन्वेस्टिगेटर ने आगामी 15 दिनों के भीतर कम से कम चार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का भरोसा दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि आदेशों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। विभिन्न विभागों को नियमित अभियान चलाकर युवाओं तक पहुंच बनाने और नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देने की जिम्मेदारी सौंपी गई। युवाओं को नशे से बचाने के लिए शिक्षा और खेल विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गईं। जिला खेल अधिकारी को खिलाड़ियों के लिए प्रतिबंधित दवाओं की सूची उपलब्ध कराने और खेल परिसरों के आसपास निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। वहीं स्कूलों, कॉलेजों और तकनीकी शिक्षण संस्थानों में नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाने को कहा गया।

गुरुग्राम: ट्रेन के आगे कूदा व्यक्ति छह टुकड़ों में कटा, पहचान में जुटी पुलिस

-गुरुग्राम से गढ़ी-हरसरू रेलवे स्टेशन के बीच की है घटना

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम और गढ़ी हरसरू रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे किलोमीटर नंबर-33/22-24 डाउन लाइन पर एक व्यक्ति ने सैनिक एक्सप्रेस ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना 100 किमी प्रति घंटा से अधिक गति से चल रही ट्रेन नंबर 19701 के सामने हुई। लोको पायलट ने स्टेशन अधीक्षक को मेमो भेजकर हादसे की सूचना दी। सूचना मिलने पर जीआरपी थाने से एएसआई नरेशन कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मृतक का चेहरा पूरी तरह कुचला हुआ है। दाहिना हाथ कोहनी से और दोनों टांगें घुटनों से कटी हुई मिलीं। हाथ-पैर के टुकड़े धड़ से करीब 100 मीटर दूर पड़े थे। पूरे शरीर पर गंभीर चोटों और घसीटे जाने के निशान हैं। मृतक की उम्र लगभग 35-40 वर्ष बताई जा रही है। उसने पॉजिटिव लिखा काली टी-शर्ट और काली कैपरी पहन रखी है। जीआरपी की ओर से आसपास के लोगों को शव दिखाया गया, लेकिन अभी पहचान नहीं हो पाई है। शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस 72 घंटे तक शिनाख्त का प्रयास करेगी, इसके बाद पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार की कार्रवाई की जाएगी।

बारिश से पहले जलनिकासी की तैयारियों का निरीक्षण

नूंह। बारिश के मौसम से पहले जलभराव रोकने की तैयारियों की समीक्षा के लिए अतिरिक्त उपायुक्त ज्योति ने शहर के कई संवेदनशील स्थानों का दौरा किया। उन्होंने नालों और जलनिकासी व्यवस्थाओं की स्थिति पर अधिकारियों से जानकारी ली तथा सफाई कार्य तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रमुख चौराहों से अतिक्रमण हटाने और पार्किंग व्यवस्था सुधारने के प्रयासों की भी समीक्षा की। एमएसएसएस-2, अडबर चौक, एमडीए कार्यालय क्षेत्र और बड़कली चौक पर जलनिकासी व्यवस्था की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया गया। कई स्थानों पर नालों में पॉलिथीन और कचरा मिलने पर जनस्वास्थ्य विभाग को तत्काल सफाई अभियान तेज करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि बारिश शुरू होने से पहले सभी प्रमुख नालों की सफाई सुनिश्चित की जाए। बड़कली चौक पर यातायात दबाव कम करने के लिए ऑटो, टैक्सी और अन्य वाहनों हेतु तीन अलग-अलग पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। प्रशासन ने तय स्थानों के अलावा सड़क किनारे वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

स्मार्ट सिटी के प्राथमिक विद्यालयों में बढ़ेगी हरियाली, होगी सफाई

फरीदाबाद। स्मार्ट सिटी के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में अब सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने और हरियाली बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों के वातावरण को स्वच्छ और बेहतर बनाने के लिए पहली बार विशेष बजट जारी किया गया है। इसके तहत जिले के प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय को आठ हजार रुपये की राशि दी जाएगी। इस बजट का इस्तेमाल स्कूल परिसर की सफाई, पेड़-पौधे लगाने और उनके रखरखाव पर किया जा सकेगा। शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य स्कूलों में बच्चों और अध्यापकों के लिए बेहतर एवं स्वास्थ्यवर्धक वातावरण तैयार करना है। स्कूल परिसर में साफ-सफाई रहने और अधिक पेड़-पौधे होने से वातावरण शुद्ध होगा। इससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और उन्हें पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल मिलेगा। बता दें कि जिले में 250 से अधिक प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं। सरकारी स्कूलों में सफाई व्यवस्था को लेकर कई बार सवाल उठते रहे हैं। वहीं, कई स्कूलों में पेड़-पौधे तो लगे हुए हैं, लेकिन उचित देखभाल के अभाव में उनका विकास नहीं हो पा रहा है। अब विशेष बजट मिलने से स्कूलों में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पौधों की नियमित देखरेख भी की जा सकेगी। पौधों की देखभाल पर भी खर्च होगी राशि स्कूलों को मिलने वाली राशि केवल नए पौधे लगाने तक सीमित नहीं होगी। इससे पुराने पौधों की देखभाल, पानी की व्यवस्था और परिसर को साफ रखने जैसी गतिविधियां भी की जा सकेंगी। इससे स्कूलों में हरियाली लंबे समय तक बनी रहेगी और विद्यार्थियों को प्रकृति के करीब आने का अवसर मिलेगा। शिक्षा विभाग का मानना है कि स्वच्छ और हरा-भरा स्कूल परिसर बच्चों की सीखने की क्षमता पर भी अच्छा प्रभाव डालता है। इसके साथ ही विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। एसएमसी की निगरानी में होगा काम जिले के सभी सरकारी स्कूलों में स्कूल मैनेजमेंट कमेटी (एसएमसी) गठित की गई हैं। स्कूलों में सफाई और हरियाली से जुड़े सभी कार्य एसएमसी की निगरानी में कराए जाएंगे।

ग्रीष्म अवकाश के बाद सरकारी स्कूलों के बच्चों की ऑनलाइन हाजिरी लगेगी

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। ग्रीष्म अवकाश समाप्त होने के बाद जिले के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। अब स्कूलों में बच्चों की हाजिरी ऑनलाइन माध्यम से लगाई जाएगी। इसके लिए अध्यापक हरियाणा निपुण पोर्टल का इस्तेमाल करेंगे। इस नई व्यवस्था लागू होने से विद्यार्थियों की वास्तविक उपस्थिति सुनिश्चित हो सकेगी और स्कूल से गैरहाजिर रहने वाले बच्चों पर अध्यापकों के साथ-साथ अभिभावकों की भी निगरानी रहेगी। शिक्षा निदेशालय की ओर से सभी सरकारी स्कूलों को ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत प्रतिदिन कक्षा में अध्यापक विद्यार्थियों के नाम बोलकर उपस्थिति दर्ज करेंगे। जो विद्यार्थी कक्षा में मौजूद होंगे, उनके नाम के आगे उपस्थित दर्ज किया जाएगा, जबकि स्कूल नहीं आने वाले विद्यार्थियों को अनुपस्थित दशार्या जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया निपुण हरियाणा पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज होगी। इससे विद्यार्थियों की उपस्थिति में पारदर्शिता भी आएगी। नई व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि यदि कोई विद्यार्थी बिना सूचना के स्कूल से अनुपस्थित रहता है तो इसकी जानकारी तुरंत उसके अभिभावकों तक पहुंच जाएगी। पोर्टल के माध्यम से अभिभावकों के मोबाइल नंबर पर एसएमएस भेजा जाएगा। इससे अभिभावक भी अपने बच्चों की स्कूल उपस्थिति पर नजर रख सकेंगे। बता दें कि कई बार विद्यार्थी बिना बताए स्कूल से छुट्टी कर लेते हैं, जिसकी जानकारी अभिभावकों को देर से मिलती है। ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली से ऐसी स्थिति में तुरंत जानकारी मिल सकेगी। इससे बच्चों के स्कूल बंक करने की प्रवृत्ति पर रोक लगने की उम्मीद है। ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था का लाभ अभिभावक-अध्यापक बैठक (पीटीएम) में भी मिलेगा। बैठक के दौरान अध्यापक विद्यार्थियों की उपस्थिति का पूरा रिकॉर्ड अभिभावकों के सामने रख सकेंगे। इससे बच्चे की नियमितता को लेकर पारदर्शिता बनी रहेगी। अक्सर पीटीएम के दौरान विद्यार्थियों की कम उपस्थिति को लेकर अभिभावकों और अध्यापकों के बीच चर्चा या बहस की स्थिति बन जाती है। कई बार अभिभावक बच्चों की अनुपस्थिति को लेकर अनभिज्ञ रहते हैं। अब ऑनलाइन रिकॉर्ड उपलब्ध होने से ऐसी समस्याएं कम होंगी और विद्यार्थी की उपस्थिति को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने रहेगी। प्रदेश सरकार की ओर से सरकारी स्कूलों के अध्यापकों को पहले ही टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं। इन्हीं टैबलेट में निपुण हरियाणा पोर्टल खोलकर

उत्तर रेलवे

इ-निविदा (इ-प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

सं. 128-W/280/इ-निविदा सूचना/31/2026-27/W-3 — दिनांक: 23.06.2026

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	Sr.ADEN/DLI के अंतर्गत SSE/W/DLI के अधिकार क्षेत्र में दिल्ली स्टेशन पर सर्विस बिल्डिंग और स्टेशन बिल्डिंग की मरम्मत के लिए PE 30/6/2027 तक का वार्षिक जोन कार्य।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	रु. 1,24,93,811.54/- (रुपये एक करोड चौबीस लाख तिरानवे हजार आठ सौ ग्यारह और चौवन पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	रु. 2,49,900.00/- (रुपये दो लाख उनचास हजार नौ सौ मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	रु. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	22.07.2026 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।

• ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। 2156/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल इंजीनियर-ट्रैक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं:

कार्य का नाम	रेलवे विनिर्देश IS/RDSO-GE/0001:2023 (फरवरी 2023) तथा उसके नवीनतम संशोधन स्लिप के अनुरूप 46,451 घन मीटर (Cum) 65 मिमी गेज मशीन से क्रश किए गए कठोर पत्थर बैलेस्ट की आपूर्ति, स्टैकिंग, लोडिंग एवं अनलोडिंग का कार्य। बैलेस्ट की आपूर्ति रामकुमारपुरा खनन क्षेत्र, ग्राम रामकुमारपुरा, तहसील खेतड़ी, जिला झुंझुनू, राजस्थान अथवा खानक खनन क्षेत्र (HSIIDC के नियंत्रणाधीन), तहसील तोशाम, जिला भिवानी, हरियाणा से की जानी है तथा इसे DEN/Track/DLI के अधिकार क्षेत्र में स्थित तुगलकाबाद (TKD) बैलेस्ट डिपो के उप-डिपो संख्या-2 में स्टैक किया जाना है। (निविदा आमंत्रण सूचना-04-26-27-डब्ल्यू-सी)		
अनुमानित लागत	₹12,30,19,664.80	धरोहर राशि	₹24,60,400/-
ई-निविदा भरने का दिनांक और समय एवं ई-निविदा खुलने का दिनांक और समय	ई-निविदा भरने का समय शुरू दिनांक 02.07.2026 को 15:00 बजे से निविदा खुलने का समय एवं ई-निदि खुलने की दिनांक 16.07.2026 को 15:00 बजे तक।		
निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.ireps.in पर उपलब्ध है।		

पत्र सं.: 128-डब्ल्यू/वं.मं.अधि./सं./निविदा आमंत्रण सूचना-04-26-27-डब्ल्यूसी दिनांक: 22.06.2026 2146/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

इ-निविदा (इ-प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे दिल्ली मंडल में इ निविदा आमंत्रण।

कार्य का नाम	ADEN / NDLS के अंतर्गत SSE/W/ANVT सेक्शन में सर्विस बिल्डिंग, ANVT स्टेशन बिल्डिंग और अन्य संरचनाओं की मरम्मत के लिए P.E. 30.06.2027 तक का वार्षिक जोन कार्य।		
कार्य की अनुमानित लागत	₹1,24,99,094.79/- (रुपये एक करोड़ चौबीस लाख निन्यानवे हजार चौरानवे और उन्यासी पैसे मात्र)		
बयाना राशि	₹2,50,000.00/- (रूपये दो लाख पचास हजार मात्र)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	₹ 0.00/-
निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	22.07.2026 को 15:00 तक		
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध		

•ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। •सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। •मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। •निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं: 128-W/280/ इ-निविदा सूचना/29/2026-27/W-3 दिनांक: 22.06.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2158/2026

बहू ने सास को बंधक बनाकर पीटा

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। थाना मुजेसर क्षेत्र स्थित संजय कॉलोनी में एक 66 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने अपनी बहू पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि उनकी बहू ने पहले घर में लगे सीसीटीवी कैमरों और इंटरनेट कनेक्शन के तार काट दिए और फिर उसे कमरे में बंद कर मारपीट की। मंगलवार को मुजेसर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता राजवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह उम्रदराज हैं और रीढ़ की हड्डी की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, जिसके कारण उन्हें चलने-फिरने में काफी दिक्कत होती है। उनकी देखभाल उनकी छोटी बेटी स्वाति करती है, जो अक्सर उनके साथ रहती है। महिला के अनुसार, उनके बेटे नरेंद्र की वर्ष 2012 में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मामले को लेकर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा है। 13 मई को उनकी बहू अंजू ठाकुर घर में आकर रहने लगी और तब से लगातार विवाद की स्थिति बनी हुई थी। महिला को इस दौरान कई चोटें भी लग गईं, जिनको बीके अस्पताल में प्राथमिक इलाज दिया गया। पीड़िता का आरोप है कि सुबह जब वह अपनी बेटी के घर से वापस लौटी, तो घर में लगे सीसीटीवी कैमरों के तार कटे हुए मिले। इसके बाद जैसे ही वह अपने कमरे में पहुंची, उनकी बहू ने कमरे का दरवाजा बंद कर दिया और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। महिला का आरोप है कि उन्हें बाल पकडकर खींचा गया तथा लात-घूंसो से पीटा गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी ने उन्हें और उनके परिवार के अन्य सदस्यों को झूठे मामलों में फंसाने तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद महिला ने अपनी बेटी को पूरी जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मेडिकल जांच में महिला के शरीर के कई हिस्सों में दर्द और चोट की शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस टीम ने मौके का निरीक्षण भी किया, जहां सीसीटीवी के कटे हुए

महिला किसानों को प्राकृतिक खेती और मृदा संरक्षण का प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। स्मार्ट सिटी के प्राथमिक विद्यालयों में बढ़ेगी हरियाली, होगी सफाई। खेत बचाओ अभियान के तहत गांव चिरसी में मंगलवार को महिला कृषक संगोष्ठी और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महिला किसानों को प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई। विभिन्न गांवों से पहुंचीं महिलाओं ने कृषि विशेषज्ञों के साथ संवाद कर खेती से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग योजना ब्यूरो, क्षेत्रीय केंद्र दिल्ली ने कृषि विज्ञान केंद्र भोपानी के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आईसीएआर जेंडर स्ट्रेटजी एवं नीति की नोडल अधिकारी डॉ. जया एन. सूर्या रहीं। आयोजन का उद्देश्य कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से महिला किसानों को सशक्त बनाना और उन्हें आधुनिक व टिकाऊ खेती की जानकारी देना था कृषि विज्ञान केंद्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. वर्षा रानी ने महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य और कृषि आधारित उद्यमिता के बारे में जानकारी दी। वहीं डॉ. सुनील कुमार ने मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. एन. मारिया जोसेफ ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर जानकारी साझा की। कार्यक्रम में नवनीत ने पोषण सुरक्षा से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन दिया। गांव चिरसी, कबूलपुर पट्टी और मंझावली से बड़ी संख्या में महिला किसानों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने खेती, मृदा स्वास्थ्य और पोषण सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से सवाल पूछे और समाधान प्राप्त किए। महिलाओं ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को गांव स्तर पर नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता भी जताई।

उधर कृषि विज्ञान केंद्र फरीदाबाद ने गांव देहा में भी खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को जागरूक किया। केंद्र के वरिष्ठ समन्वयक डॉ. अशोक कुमार देशवाल ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और संतुलित उर्वरक उपयोग के महत्व की जानकारी दी।

सम्पादकीय

जबर्दस्त का ठेंगा, जबर मारे रोबन न दे

राजेंद्र शर्मा

भारतीय शासन का खासतौर पर पड़ोसी देशों के प्रति, जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है, जो व्यवहार है उसे देखते हुए, खुद भारत का भी अंदरूनी मामलों की दलील देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं बनता है। इसके अलावा, इससे कैसे इंकार किया जा सकता है कि मानवता ने अब तक जो सार्वभौम मानव अधिकार स्वीकार किए हैं, जिसका एक रूप संयुक्त राष्ट्र संघ की मानवाधिकार घोषणाएं हैं और जो सर्वस्वीकृत मानव मूल्य हैं। सच्चाई और पानी की खासियत एक जैसी मानी गयी है। उन्हें दबाने की जितनी कोशिश की जाती है, वे उतने ही वेग से निकल कर सामने आते हैं। कुछ ऐसा ही किस्सा मोदीशाही के भारत में अल्पसंख्यकों और खासतौर पर मुसलमानों के खिलाफ बढ़ते भेदभाव, अन्याय और अत्याचारों का और इनमें शासन की बढ़ती हिस्सेदारी का है। और यह सिलसिला अगर डबल इंजन सरकारों के रूप में, कानून-व्यवस्था पर मोदीशाही के प्रत्यक्ष नियंत्रण का दायरा लगातार बढ़ने के साथ, मस्जिदों-मजारों पर हमलों तक नहीं पहुंच रहा होता, तो ही आश्चर्य की बात होती। और अब जबकि यह सिलसिला तेजी पकड़ रहा है, इस सच्चाई को दबाने की सारी कोशिशों के बावजूद, न सिर्फ इस अन्याय का सच सामने आ रहा है बल्कि प्रसंगवश यह सच भी सामने आ रहा है कि मोदीशाही से मुखधारा की राजनीति में, जिसमें सत्तापक्ष ही नहीं विपक्ष भी शामिल है, अल्पसंख्यकों और विशेष रूप से मुसलमानों की चिंताओं के लिए, कितनी कम जगह बची है। वैसे तो ताजा संदर्भ बंगाल की फतेह से बढ़े हुए जोश के साथ, मुस्लिम मिरर की रिपोर्ट के अनुसार छः भाजपा-शासित राज्यों में पिछले करीब डेढ़ महीने में 23 से ज्यादा मस्जिदों, मदरसों, ईदगाहों तथा दरगाहों के ध्वस्त किए जाने का है। फिर भी इस क्रम में प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव क्षेत्र, वाराणसी की गंज शहीदां मस्जिद के प्रकरण ने, अपने प्रकट अन्याय के लिए खासतौर पर देश में ही नहीं, देश के बाहर भी लोगों का ध्यान खींचा है। स्थानीय लोगों की मान्यता के अनुसार, इस मस्जिद के एक हजार वर्ष पुरानी होने को बहुत गंभीरता से नहीं भी लिया जाए तब भी, मस्जिद की इंतजामिया कमेटी के इसके दावों को अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि 1883-84 के बंदोबस्ती नक्शों में और उससे पहले के राजस्व रिकार्डों में, इस जगह पर मस्जिद की मौजूदगी दर्ज है। संक्षेप में यह कि जिस काशी रेलवे स्टेशन के निकट स्थित होने के आधार पर, स्टेशन के पुनर्विकास तथा विस्तार के लिए, इस मस्जिद की जमीन की जरूरत का दावा किया जा रहा है और मस्जिद को रेलवे की जमीन पर काबिज बताया जा रहा है, मस्जिद उससे पुरानी ही ठहरेगी। इसके बावजूद, जैसा कि अब भाजपा-शासित राज्यों में नियम ही हो गया है, इस मामले में रेलवे अधिकारियों द्वारा 17 जून को नोटिस चस्पां कर, 20 जून तक यानी तीन दिन में मस्जिद को हटाने का आदेश दे दिया। दिलचस्प है कि रेल प्रशासन के उसी नोटिस में यह दलील दी गयी है कि इस संबंध में मस्जिद इंतजामिया कमेटी का दावा स्थानीय सिविल अदालत में, अगस्त 2024 में खारिज कर दिया गया था। दो साल पहले के फैसले को रेलवे प्रशासन तीन दिन के नोटिस पर लागू कराने के लिए उतावला था! इससे पहले, वाराणसी में ही इसी रेलवे स्टेशन के परिसर में स्थित, अजगैब शहीद मस्जिद को भारी पुलिस बल तैनात कर, 2 जून की रात को बुलडोजरों से ध्वस्त कर दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार यह मस्जिद भी दो सौ साल पुरानी थी, जिसकी काफी धार्मिक मान्यता थी। याद रहे कि योगी राज में उत्तर प्रदेश, मस्जिदों तथा अन्य मुस्लिम धार्मिक स्थलों पर बुलडोजर चलवाने के मामले में भाजपा-शासित राज्यों में भी सबसे आगे रहा है। इन 45 दिनों में ही उत्तर प्रदेश में अकेले संभल में एक मस्जिद, एक ईदगाह तथा एक दरगाह को और इटावा में एक मजार, सैयद शाहबाबा दरगाह को ध्वस्त किया जा चुका था। इस पृष्ठभूमि में गंज शहीदां मस्जिद के ढहाए जाने के नोटिस पर व्यापक और तीखी प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक था। यहां तक कि यह खबर पाकिस्तान तक पहुंची और स्वाभाविक रूप से पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसे भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के साथ ज्यादती का उदाहरण बनाते हुए, एक सार्वजनिक बयान जारी कर दिया।

बंगाल बन सकता है पूर्व का ग्रोथ केंद्र

डॉ. अश्विनी महाजन

सरकार बदलने के बाद आज परिस्थिति बदली है और आशा की जा सकती है कि भाजपा की स्थायी सरकार बनने के बाद निवेशक पश्चिम बंगाल की तरफ आकर्षित होंगे। 1991 के बाद अनुकूल वातावरण के कारण अन्य राज्यों को विदेशी और घरेलू निवेश प्राप्त हुआ हाल ही के चुनाव में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल पार्टी को हराकर भारतीय जनता पार्टी ने दो तिहाई से ज्यादा जनमत प्राप्त कर सरकार का गठन किया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही पश्चिम बंगाल ही नहीं पूरे देश में यह आशा बलवती हुई है कि पश्चिम बंगाल पुनः अपने ऐतिहासिक गौरव को प्राप्त कर विकास के मार्ग पर अग्रसर होगा। वर्ष 2024-25 में चालू कीमतों पर पश्चिम बंगाल की प्रति व्यक्ति आय 1.63 लाख रुपए थी, जबकि प्रति व्यक्ति आय का राष्ट्रीय औसत 2.05 लाख रुपए था। इस प्रकार, वर्ष 2024-25 में पश्चिम बंगाल की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत का लगभग 79.5 प्रतिशत रही, और राष्ट्रीय स्तर पर सालाना प्रतिव्यक्ति आय और पश्चिम बंगाल में प्रतिव्यक्ति आय में 42000 रुपए का अंतर रहा। लेकिन पश्चिम बंगाल की स्थिति हमेशा से ऐसी नहीं रही है। वर्ष 1960-61 में पश्चिम बंगाल की प्रतिव्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत का 127.5 प्रतिशत थी। 1970-71 में भी वो राष्ट्रीय औसत से 18 प्रतिशत अधिक थी। लेकिन 1980-81 तक आते-आते उसकी प्रतिव्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत का 97 प्रतिशत और 2010-11 तक मात्र 84 से 86 प्रतिशत रह गई थी, और यह प्रवृत्ति अभी तक जारी है। 1970 के दशक में जहां भारत की जीडीपी 3.0 से 3.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ रही थी, पश्चिम बंगाल की जीडीपी वृद्धि दर सिर्फ 1.5 से 2.0 प्रतिशत ही थी। 1980 के दशक में हालांकि पश्चिम बंगाल में जीडीपी ग्रोथ 5.5 प्रतिशत तक पहुंच गई, लेकिन औद्योगिक विकास की गति अत्यंत धीमी रही। 1990 के दशक में पश्चिम बंगाल की वृद्धि दर राष्ट्रीय संवृद्धि दर से अधिक थी। 2000 से लेकर 2011 के बीच हालांकि औद्योगिक उठाव तो नहीं आया, लेकिन सेवा क्षेत्र के विस्तार के कारण पश्चिम बंगाल ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया। 2011 और 2025 के बीच भी पश्चिम बंगाल की ग्रोथ राष्ट्रीय औसत से कम थी, और यह 6.5 से 7.0 प्रतिशत रही। चूंकि पश्चिम बंगाल देश के अन्य हिस्सों से कम गति से विकास कर रहा था, देश की कुल जीडीपी में इसका हिस्सा 1960 में 10.5 प्रतिशत से घटता हुआ वर्ष 2024-25 में मात्र 5.6 प्रतिशत रह गया। इसका कारण यह है कि पश्चिम बंगाल में सेवा क्षेत्र, कंस्ट्रक्शन, व्यापार, ट्रांसपोर्ट और सरकारी खर्च की बदौलत जीडीपी में वृद्धि तो हुई लेकिन गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और कई नए औद्योगिक प्रदेशों की तुलना में पश्चिम बंगाल का औद्योगिक विकास अत्यंत धीमा रहा। गौरतलब है कि 1970 और 1990 के बीच में पश्चिम बंगाल को सबसे ज्यादा नुकसान औद्योगिक गिरावट के कारण हुआ, जिसके चलते पश्चिम बंगाल का हिस्सा भारत की जीडीपी में नीचे गिर गया। उसके उपरांत पश्चिम बंगाल में जीडीपी ग्रोथ पहले से बेहतर होने के बावजूद, पश्चिम बंगाल का हिस्सा राष्ट्रीय जीडीपी में कम बना रहा। प्रश्न यह है कि क्या पश्चिम बंगाल पुनः अपना वह गौरव प्राप्त कर पाएगा? क्या एक समय का औद्योगिक राज्य, जहां अन्यान्य कारणों से उद्योग विमुख हो गए, पुनः उद्योगों की स्थापना कर पाएगा? क्या पश्चिम बंगाल की प्रतिव्यक्ति आय जो आज राष्ट्रीय औसत का मात्र 79.5 प्रतिशत ही है, पुनः राष्ट्रीय औसत के बराबर या उससे ज्यादा हो पाएगी? ये सभी यक्ष प्रश्न देश के सामने हैं और भाजपा की नवगठित सरकार के सामने यह चुनौती भी प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रश्न यह है कि एक राज्य जो पूर्व में आर्थिक विकास की दृष्टि से भारत के अग्रणी राज्यों में से एक था, जहां प्रतिव्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से 27 प्रतिशत से भी ज्यादा बेहतर थी, उसे वापस पटरी पर कैसे लाया जाए। सबसे पहले पश्चिम बंगाल की आर्थिक बदहाली के कारणों की जांच करनी होगी और उनके समाधान का खाका तैयार करना होगा। यह भी स्पष्ट है कि जब आर्थिक गिरावट आती है तो न तो एक कारण होता है और न ही एक समाधान। सर्वप्रथम हम देखते हैं कि पश्चिम बंगाल की आर्थिक बदहाली का कारण वहां औद्योगिक क्षेत्र के विकास में व्यवधान रहा। औद्योगिक विकास हेतु सर्वप्रथम इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण जरूरी होता है।

अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर मंडराता इजरायली खतरा!

यह किसी भी पैमाने पर एक उल्लेखनीय कूटनीतिक उपलब्धि थी। वाशिंगटन और तेहरान के बीच एक नाजुक कूटनीतिक सफलता सीधे लेबनान में इजरायल की सैन्य आक्रामकता से टकरा गई है, और उस शांति समझौते पर गहरी छाया डाल दी है जो एक पीढ़ी में मध्य-पूर्व का सबसे निर्णायक कूटनीतिक मील का पत्थर बन सकता था। आधुनिक मध्य-पूर्व की कूटनीति के दायरे में शांति हमेशा सबसे नश्वर वस्तु रही है। यह कड़वा सच एक बार फिर पूरी तीव्रता के साथ सामने आया जब शुक्रवार, 19 जून 2026 को अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड के शांत पर्वतीय रिसॉर्ट बुर्गनस्टॉक में निर्धारित कार्यान्वयन वार्ता शुरू होने से पहले ही बिखर गई। समझौते की संरचना- यह समझने के लिए कि दुनिया एक ऐतिहासिक सफलता के कितने करीब थी, यह जानना आवश्यक है कि अमेरिका-ईरान समझौता वास्तव में क्या हासिल करना चाहता था। इस समझौते पर हस्ताक्षर ईरान में युद्ध समाप्त करने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम सहित व्यापक मुद्दों पर साठ दिवसीय वार्ता शुरू करने के लिए था। साथ ही, यह समझौता लेबनान में लड़ाई को भी रोकने का इरादा रखता था।

असद मिर्जा

(लेखक)

अमेरिका-ईरान समझौता वास्तव में क्या हासिल करना चाहता था। इस समझौते पर हस्ताक्षर ईरान में युद्ध समाप्त करने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम सहित व्यापक मुद्दों पर साठ दिवसीय वार्ता शुरू करने के लिए था। साथ ही, यह समझौता लेबनान में लड़ाई को भी रोकने का इरादा रखता था। यह किसी भी पैमाने पर एक उल्लेखनीय कूटनीतिक उपलब्धि थी। वाशिंगटन और तेहरान के बीच एक नाजुक कूटनीतिक सफलता सीधे लेबनान में इजरायल की सैन्य आक्रामकता से टकरा गई है, और उस शांति समझौते पर गहरी छाया डाल दी है जो एक पीढ़ी में मध्य-पूर्व का सबसे निर्णायक कूटनीतिक मील का पत्थर बन सकता था। आधुनिक मध्य-पूर्व की कूटनीति के दायरे में शांति हमेशा सबसे नश्वर वस्तु रही है। यह कड़वा सच एक बार फिर पूरी तीव्रता के साथ सामने आया जब शुक्रवार, 19 जून 2026 को अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड के शांत पर्वतीय रिसॉर्ट बुर्गनस्टॉक में निर्धारित कार्यान्वयन वार्ता शुरू होने से पहले ही बिखर गई। समझौते की संरचना- यह समझने के लिए कि दुनिया एक ऐतिहासिक सफलता के कितने करीब थी, यह जानना आवश्यक है कि अमेरिका-ईरान समझौता वास्तव में क्या हासिल करना चाहता था। इस समझौते पर हस्ताक्षर ईरान में युद्ध समाप्त करने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम सहित व्यापक मुद्दों पर साठ दिवसीय वार्ता शुरू करने के लिए था। साथ ही, यह समझौता लेबनान में लड़ाई को भी रोकने का इरादा रखता था। यह किसी भी पैमाने पर एक उल्लेखनीय कूटनीतिक उपलब्धि थी। इजरायल का पत्ता- इस नाजुक कूटनीतिक क्षण में इजरायल न हस्ताक्षरकर्ता के रूप में, न मध्यस्थ के रूप में, बल्कि एक सक्रिय विध्वंसक के रूप में मैदान में उतरा। इजरायली सेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर रात भर हमले किए और लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार कम से कम अठारह लोग मारे गए, जबकि पूरे क्षेत्र में शत्रुता रोकने के लिए बनाया गया अमेरिका-ईरान ढांचा अभी लागू था। इजरायली राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इटामार बेन ग्विर ने घोषणा की कि ह्यपूरा लेबनान जलकर राख हो जाना चाहिए। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सीधे जवाब देते हुए इजरायल पर ह्यस्थायी युद्धह्न चाहने का आरोप लगाया और बेन ग्विर के बयानों को किसी आम दीवाने की बड़बड़ाहट नहीं बल्कि एक बैठे हुए राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री की सार्वजनिक पोस्ट बताया, और कहा कि ईरान इजरायली हमलों की निंदा करता है तथा अमेरिका को उनके परिणामों के लिए सीधे जिम्मेदार ठहराता है। लेबनान पर दरार- लेबनान को लेकर विवाद पूरे कूटनीतिक ढांचे के नीचे बहने वाली वह दरार रही है जिसने अंततः सब कुछ हिला दिया। हालांकि पाकिस्तान, जिसने युद्धविराम में मध्यस्थता की, ने स्पष्ट रूप से कहा कि लेबनान युद्धविराम में शामिल है, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका इस बात से सहमत नहीं है कि इजरायल उस देश पर हमले बंद कर देगा। इस बुनियादी अस्पष्टता ने– कि लेबनान समझौते की परिधि के भीतर है या बाहर– इजरायल को वह ऑपरेटिंग स्पेस दिया कि वह अपना अभियान तब भी जारी रखे जब वाशिंगटन और तेहरान के बीच समझौते की स्याही मुश्किल से सूखी थी। वाशिंगटन दो पाटों के बीच- इस प्रकरण को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनाने वाली बात यह है कि अक्टूबर 7 के बाद के युग में शायद पहली बार, वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने इजरायली कार्रवाइयों की सार्वजनिक और कड़ी आलोचना उन शब्दों में की जो एक साल पहले अकल्पनीय होती। वेंस ने ईरान समझौते पर इजरायल के फ्रीकआउट की निंदा की। व्हाइट हाउस, जिसने ईरान समझौते में जबरदस्त राजनीतिक पूंजी लगाई है, इस बात से स्पष्ट रूप से निराश है कि उसका सबसे करीबी क्षेत्रीय सहयोगी सक्रिय रूप से उस कूटनीतिक ढांचे को कमजोर कर रहा है जो वाशिंगटन ने बनाया था। ट्रंप-नेतन्याहू संबंध का लेन-देन वाला स्वरूप, जिसे लंबे समय से एक अटूट गठबंधन के रूप में प्रस्तुत किया गया था, अपनी हकीकत दिखा रहा है।फिर भी, प्रशासन की अपनी स्थिति में एक संरचनात्मक विरोधाभास है। लेबनान को युद्धविराम के ढांचे के भीतर स्पष्ट रूप से शामिल करने से इनकार करके, वाशिंगटन ने इजरायल को वह कानूनी अस्पष्टता प्रदान की जिसकी उसे हमले जारी रखने के लिए जरूरत थी। उस अस्पष्टता का परिणाम अब एक स्थगित शांति प्रक्रिया और दक्षिणी लेबनान में हिंसा के नए दौर के रूप में सामने है, जहां इजरायली हवाई हमलों और तोपखाने से मृतकों की संख्या शुक्रवार तक 47 हो गई है, जबकि लड़ाकू विमानों और तोपखाने ने नबातिया शहर और आसपास के कस्बों को निशाना बनाया है । आगे की राह- लेबनान का सवाल महज मानवीय चिंता का विषय नहीं है। यह किसी भी टिकाऊ अमेरिका-ईरान शांति के केंद्र में बैठा है। हिजबुल्लाह ईरान का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय प्रतिनिधि है, और तेहरान की यह क्षमता कि वह दावा कर सके कि शांति समझौते में लेबनान में इजरायली अभियानों का अंत भी शामिल है, किसी भी ऐसे समझौते की राजनीतिक वैधता के लिए केंद्रीय महत्व रखती है जिसे ईरानी नेतृत्व अपने घरेलू दर्शकों को बेच सके। नेतन्याहू ने कसम खाई है कि आईडीएफ लेबनान के बफर जोन में ह्यजब तक आवश्यक होह्न रहेगी, एक ऐसी स्थिति जो सीधे उस बात का खंडन करती है जो ईरान समझता है कि समझौते की आवश्यकता है। वाशिंगटन और तेहरान के बीच द्विपक्षीय समझौता तब नहीं टिक सकता जब वह जमीन पर क्षेत्रीय अभिनेताओं को नियंत्रित करने में विफल रहे। लेबनान में एक विस्तृत, एकतरफा अभियान चलाने का चुनाव करके, इजरायल ने सफलतापूर्वक शांति प्रक्रिया को पंगु बना दिया है। जब तक संयुक्त राज्य अमेरिका इजरायली अभियानों को रोकने के लिए निर्णायक दबाव नहीं बना सकता, इस्लामाबाद में हासिल की गई ऐतिहासिक सफलता तेजी से विघटित हो जाएगी, और क्षेत्रीय संघर्ष के और भी अधिक अस्थिर चरण का रास्ता खुल जाएगा। हालांकि ये वाताएं एक बार फिर शुरू हो गई हैं,

16 एफडीसी दवाओं पर लगा प्रतिबंध

जब कोई व्यक्ति चिकित्सक के पास जाता है, तो उसे उम्मीद होती है कि जो दवा उसे दी जा रही है वह सुरक्षित, प्रभावी और वैज्ञानिक परीक्षणों से प्रमाणित होगी। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने हाल ही में 16 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि इन दवाओं के उपयोग का कोई स्पष्ट चिकित्सकीय औचित्य नहीं पाया गया है और इनसे मिलने वाले संभावित लाभों की तुलना में इनके जोखिम अधिक हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि यह कदम जनस्वास्थ्य की सुरक्षा, दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने तथा नागरिकों को केवल वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित दवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह निर्णय केवल कुछ दवाओं पर प्रतिबंध लगाने भर का मामला नहीं है, बल्कि यह देश की दवा नीति, चिकित्सा व्यवस्था और मरीजों की सुरक्षा से जुड़ा एक व्यापक कदम है। फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन या एफडीसी ऐसी दवाएं होती हैं जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय तत्वों को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर तैयार किया जाता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

लेखक

भारत में दवाओं का उपयोग केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह करोड़ों लोगों के जीवन और स्वास्थ्य से सीधे जुड़ा हुआ विषय है। जब कोई व्यक्ति चिकित्सक के पास जाता है, तो उसे उम्मीद होती है कि जो दवा उसे दी जा रही है वह सुरक्षित, प्रभावी और वैज्ञानिक परीक्षणों से प्रमाणित होगी। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने हाल ही में 16 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि इन दवाओं के उपयोग का कोई स्पष्ट चिकित्सकीय औचित्य नहीं पाया गया है और इनसे मिलने वाले संभावित लाभों की तुलना में इनके जोखिम अधिक हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि यह कदम जनस्वास्थ्य की सुरक्षा, दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने तथा नागरिकों को केवल वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित दवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह निर्णय केवल कुछ दवाओं पर प्रतिबंध लगाने भर का मामला नहीं है, बल्कि यह देश की दवा नीति, चिकित्सा व्यवस्था और मरीजों की सुरक्षा से जुड़ा एक व्यापक कदम है। फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन या एफडीसी ऐसी दवाएं होती हैं जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय तत्वों को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर तैयार किया जाता है। उदाहरण के लिए दर्द निवारक और बुखार कम करने वाली दवा का संयोजन। एंटीबायोटिक और एंटी-एलर्जिक दवा का संयोजन और मधुमेह नियंत्रण की दो दवाओं का मिश्रण। एफडीसी का मूल उद्देश्य मरीजों को सुविधा प्रदान करना है ताकि उन्हें अलग-अलग गोलियां लेने के बजाय एक ही दवा में आवश्यक उपचार मिल सके। यदि वैज्ञानिक आधार पर तैयार किए जाएं तो एफडीसी के कई लाभ हो सकते हैं। मरीजों के लिए दवा लेना आसान हो जाता है। उपचार का पालन (कंप्लायंस) बेहतर होता है। दवा लेने में भूल की संभावना कम होती है। कुछ रोगों में उपचार अधिक प्रभावी हो सकता है। उदाहरण के लिए तपेदिक (टीबी), एचआईवी और कुछ हृदय रोगों में एफडीसी दवाओं का सफल उपयोग किया जाता है। समस्या तब पैदा होती है जब दो या अधिक दवाओं को बिना पर्याप्त वैज्ञानिक अध्ययन के एक साथ मिला दिया जाता है। ऐसी स्थिति में दवा का प्रभाव अनिश्चित हो सकता है। दुष्प्रभाव बढ़ सकते हैं। रोगी को अनावश्यक दवाएं मिल सकती हैं। यकृत, गुर्दे या अन्य अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। एंटीबायोटिक प्रतिरोध जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, विशेषज्ञ समितियों द्वारा विस्तृत समीक्षा के बाद पाया गया कि इन 16 एफडीसी दवाओं का कोई पर्याप्त चिकित्सकीय औचित्य उपलब्ध नहीं है। विशेषज्ञों ने चिंताएं व्यक्त की है कि कई संयोजन ऐसे पाए गए जिनसे मरीज को मिलने वाला लाभ सीमित था, जबकि दुष्प्रभावों की संभावना अधिक थी। कुछ दवाओं के संयोजन के समर्थन में पर्याप्त क्लिनिकल ट्रायल उपलब्ध नहीं थे। मरीज को ऐसी दवा दी जा रही थी जिसकी उसे वास्तविक आवश्यकता नहीं थी। विशेष रूप से एंटीबायोटिक संयोजनों के मामले में दुरुपयोग से एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) का खतरा बढ़ सकता है। सरकार ने यह कार्रवाई औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 26ए के तहत की है। यह धारा केंद्र सरकार को अधिकार देती है कि यदि किसी दवा का उपयोग मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण पाया जाता है या उसके उपयोग का कोई पर्याप्त चिकित्सकीय औचित्य नहीं होता, तो उसके निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। यह प्रावधान भारत में दवा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कानूनी उपकरण माना जाता है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जिन संयोजनों पर रोक लगाई गई है उनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं, एसिटाइल सैलिसिलिक एसिड के साथ एथोहेप्टाजीन- विशेषज्ञों के अनुसार इस संयोजन की उपयोगिता स्पष्ट रूप से स्थापित नहीं हो सकी। डायसाइक्लोमाइन, पैरासिटामोल और क्लिडिनियम ब्रोमाइड- यह संयोजन पेट संबंधी समस्याओं और दर्द के उपचार में उपयोग किया जाता था, लेकिन इसके वैज्ञानिक औचित्य पर प्रश्न उठाए गए। पैरासिटामोल और क्लिडिनियम ब्रोमाइड- इस संयोजन को भी विशेषज्ञ समिति ने असंगत माना। डायसाइक्लोमाइन, क्लोरडायजेपॉक्साइड और अन्य तत्वों का मिश्रण- इस प्रकार के संयोजनों में कई दवाओं को एक साथ मिलाया गया था, जिससे अनावश्यक दुष्प्रभावों का खतरा बढ़ता था। ग्लिक्लाजाइड और क्रोमियम पिकोलिनेट- मधुमेह उपचार में प्रयुक्त इस संयोजन के पर्याप्त लाभ सिद्ध नहीं हो सके। पैरासिटामोल और लिग्नोकेन- विशेषज्ञों ने माना कि इस संयोजन की चिकित्सकीय आवश्यकता स्पष्ट नहीं है। इसके अतिरिक्त कई एंटीबायोटिक संयोजनों पर भी रोक लगाई गई है। आज पूरी दुनिया एंटीबायोटिक प्रतिरोध की गंभीर समस्या से जूझ रही है। जब बैक्टीरिया किसी एंटीबायोटिक दवा के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लेते हैं, तो वह दवा प्रभावी नहीं रह जाती है। इसके परिणामस्वरूप संक्रमण का इलाज कठिन हो जाता है। अस्पताल में भर्ती होने की अवधि बढ़ जाती है। मृत्यु दर बढ़ सकती है। उपचार महंगा हो जाता है। भारत दुनिया में एंटीबायोटिक के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। विशेषज्ञ लंबे समय से चेतावनी देते रहे हैं कि अनावश्यक एंटीबायोटिक संयोजन भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकते हैं।

शिक्षा पर जागरुक हुआ समाज

21 जून को नीट का पेपर दोबारा हो गया और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी इस बात का श्रेय ले सकती है कि इस बार पेपर लीक नहीं हुए। मोदी सरकार यह दावा कर सकती है कि धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लिए बिना उसने फिर से पेपर करवाए और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा जैसा अहम मुद्दा बनाते हुए वायुसेना को प्रश्नपत्र पहुंचाने के काम में लगाया गया। शायद ही दुनिया के किसी और देश ने ऐसा दृश्य देखा हो, जो भारत में देखा गया कि वायुसेना के जहाजों में परीक्षा प्रश्नपत्र आए और पुलिस वाले कड़ी सुरक्षा में उन्हें केंद्रों तक ले गए। इसे जो लोग मोदी सरकार के प्रशासन की सख्ती और कड़े फैसले लेने की क्षमता समझ रहे हैं, वे एक बार यह भी सोचें कि पेपर लीक करवाने वाला माफिया कितना ताकतवर है, जिससे निपटने के लिए वायुसेना को मैदान में उतारना पड़ा। इस बात पर भी विचार कर लेना चाहिए कि आखिर ऐसे आपराधिक तत्वों की ताकत किस तरह इतनी बढ़ गई। क्या सरकार और तमाम जांच एजेंसियों का इतना भी इकबाल बाकी नहीं रहा है कि वे सड़क मार्ग से प्रश्नपत्र ले जा सकें या फिर अब यह पेपर लीक माफिया को चुनौती है कि हिम्मत है तो हवा में पेपर चुरा कर दिखाओ। खैर नीट का पेपर दोबारा हो गया और इसमें जो बच्चे बैठ पाए अब उनका भविष्य क्या होगा, यह परिणाम आने पर पता चलेगा। लेकिन 3 मई को परीक्षा में जितने बच्चे बैठे थे, उनमें से कई बच्चे इस बार परीक्षा नहीं दे पाए। रविवार को कई ऐसी तस्वीरें और वीडियो सामने आए, जहां जरा सी देर होने पर बच्चों को परीक्षा केंद्र के भीतर नहीं जाने दिया गया। कर्नाटक में कुछ छात्राएं रोती और मिन्नतें करती दिखीं कि उन्हें परीक्षा केंद्र के भीतर जाने दिया जाए, क्योंकि वे खराब यातायात व्यवस्था के कारण उन्हें देर हो गई। तो वहीं मध्यप्रदेश से एक हृदयविदारक दृश्य सामने आया, जिसमें अपनी बेटी को परीक्षा केंद्र के भीतर न जाते देख एक पिता इतना विचलित हो गए कि उन्होंने अपना सिर ही लोहे के गेट पर मार दिया और फिर तड़पते हुए सड़क पर गिर गए। एक तरफ अपने पिता की ऐसी हालत और दूसरी तरफ परीक्षा न दे पाने की तकलीफ में वो बच्ची इस तरह रोई कि किसी का भी दिल पिघल जाए। लेकिन शायद भाजपा सरकार में, नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, धर्मेन्द्र प्रधान और राजनाथ सिंह के पास संवेदनशील हृदय है ही नहीं। वर्ना बच्चों की तकलीफ देखकर सांत्वना के दो बोल तो ये लोग कह ही सकते थे। लेकिन भाजपा को राजनैतिक लाभ की भाषा ही समझ आती है। इसलिए जब प्रधानमंत्री मोदी रविवार दोपहर कोलकाता से लौटकर दिल्ली पहुंचे और फिर एयरपोर्ट पर पौन घंटे रुके रहे ताकि नीट के परीक्षार्थी अपने केंद्रों तक पहुंच जाएं और यातायात प्रभावित न हो, तो इस खबर को भाजपा प्रचार तंत्र ने खूब प्रसारित करवाया। इसका मकसद यही दिखाना था कि मोदीजी को बच्चों की कितनी फिक्र है। लेकिन इस तंत्र ने कभी यह सवाल नहीं किया कि इतनी ही फिक्र थी तो बार-बार पेपर लीक की घटनाएं क्यों हुईं। मध्यप्रदेश में जो बच्चे परीक्षा नहीं दे पाए, उस पर भाजपा मौन है, लेकिन कर्नाटक में कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि उसने यातायात व्यवस्था दुरुस्त नहीं करवाई। आरोप-प्रत्यारोप की ये खोखली राजनीति देश के भविष्य के साथ कितना गंभीर खिलवाड़ कर चुकी है, ये भाजपा तो नहीं समझेगी, लेकिन लोगों को समझना होगा। जिन बच्चों को देरी की वजह से नीट देने से वंचित रह जाना पड़ा, उनके पास अगले साल फिर इसे देने का मौका होगा या उनके पास अन्य विकल्प भी मौजूद हैं, जिसमें वे भविष्य संवार सकते हैं। लेकिन जिन बच्चों ने दोबारा परीक्षा देने के तनाव से या पेपर लीक होने के अवसाद में अपनी जान दे दी, उनके साथ इंसाफ किस तरह होगा, यह एक बड़ा सवाल है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक कम से कम 19 बच्चे अपनी जान ले चुके हैं और यह संख्या यहीं रुक जाए ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। बच्चों को लेकर यह डर इसलिए बन रहा है, क्योंकि शनिवार तक 17 बच्चों की आत्महत्या की खबर थी, लेकिन रविवार को इसमें दो का इजाफा हो गया। हमारी शिक्षा व्यवस्था ही इतनी त्रुटिपूर्ण और संवेदनहीन हैं कि बच्चों में प्राथमिक शिक्षा के स्तर से ही कुंठा भरनी शुरू हो जाती है। हर महीने लिए जाने वाले क्लास टेस्ट से लेकर छमाही और वार्षिक इम्तिहानों तक बच्चों पर दबाव बनाया जाता है कि अच्छे अंक लाना और प्रथम आना ही कामयाबी का एकमात्र रास्ता है, उसके अलावा जीवन में कुछ और बचा ही नहीं है। इस भावना के साथ पढ़ाई करने वाले बच्चों का मन हताशा की तरफ बढ़ने लगता है और यही हताशा बोर्ड परीक्षाओं या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने पर जीवन खत्म करने के विकल्प की तरफ धकेल देती है। आजादी के इतने सालों में शिक्षा व्यवस्था को लेकर कई किस्म के प्रयोग हुए, कई पद्धतियां अपनाई गईं, लेकिन राजनेताओं ने शिक्षा और परीक्षा की खामियों पर कभी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा करना जरूरी नहीं समझा।

संक्षिप्त खबरें

भेलूपुर में मां-बेटी के साथ मारपीट

वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के शुकुलपुरा इलाके में पारिवारिक विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि एक ही परिवार के पांच लोगों ने मां और बेटी के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पिता, भाई, भाभी, चाचा और चाची के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शुकुलपुरा निवासी अन्नू ने भेलूपुर थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि पहले उनके परिवार के लोगों ने उनकी मां के साथ मारपीट की। जब उन्होंने बीच-बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपी उनके साथ भी अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए मारपीट करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि घटना के दौरान उन्हें और उनकी मां को धमकियां भी दी गईं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद पीड़िता थाने पहुंची और पूरे घटनाक्रम की लिखित शिकायत पुलिस को दी। भेलूपुर थाना प्रभारी दुर्गा सिंह ने बताया कि अन्नू की तहरीर के आधार पर उनके पिता, भाई, भाभी, चाचा और चाची के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। दोनों पक्षों से पूछताछ के साथ ही उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अमावता-सिकरोड़ी मार्ग पर बाइक और मोपेड की भिड़ंत

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत अमावता-सिकरोड़ी मार्ग पर सरदार के टयूबवेल के पास मंगलवार देर शाम बाइक और मोपेड की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अजीतमल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बाबरपुर की ओर से बाइक पर सवार दो युवक आजाद नगर गढ़ा से भंडारे का निमंत्रण खाकर वापस लौट रहे थे। वहीं अमावता से मोपेड पर सवार दो लोग आजाद नगर गढ़ा में आयोजित भागवत कथा के निमंत्रण में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान सरदार के टयूबवेल के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में घायल सभी लोग ग्राम पंचायत अमावता के निवासी बताए गए हैं। घायलों में आकाश बाथम (20) पुत्र गोविंद बाथम, रवि उर्फ पूती सेंगर (36) पुत्र सुरेंद्र सेंगर, अंकित दुबे (22) पुत्र राम प्रकाश दुबे तथा दीपक बाथम (28) पुत्र राम प्रकाश बाथम शामिल हैं। परिजनों के अनुसार, उपचार के बाद सभी घायल घर लौट आए हैं। आकाश बाथम और पूती सेंगर का सीटी स्कैन कराया गया, जिसमें कोई गंभीर समस्या नहीं मिली। दोनों के सिर में टांके आए हैं। वहीं अंकित दुबे के दाहिने हाथ में टांके लगे हैं और कलाई में चोट आई है। दीपक बाथम के दाहिने पैर की पिंडली में चोट बताई गई है। कोतवाली प्रभारी रमेश सिंह ने बताया कि सभी घायलों को सीएचसी अजीतमल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका उपचार किया गया।

बिना मानचित्र स्वीकृति के संचालित पिनाकी रिजॉर्ट सील

वाराणसी। शिवपुर क्षेत्र में बिना मानचित्र स्वीकृति के संचालित किए जा रहे पिनाकी रिजॉर्ट/लॉन पर विकास प्राधिकरण ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। प्रवर्तन टीम ने परिसर को सील करने के बाद पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया। वीडीए उपाध्यक्ष के निर्देश पर अवैध निर्माणों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। जांच में पाया गया कि आवेदक अमरावती पांडेय और जनार्दन पांडेय व अन्य की ओर से आराजी संख्या 8, शिवपुर क्षेत्र में लगभग 6000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना स्वीकृत मानचित्र के लॉन एवं भवन का निर्माण कराया गया था। विकास प्राधिकरण की ओर से संबंधित स्वामी को पूर्व में नोटिस जारी कर अपना पक्ष प्रस्तुत करने और निर्धारित समय में आपत्तियों का निस्तारण कराने का अवसर दिया गया था। इसके बावजूद परिसर का संचालन जारी रखा गया तथा आवश्यक वैधानिक अनुमतियां प्राप्त नहीं की गईं। इसके बाद उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए परिसर को सील कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बिना स्वीकृत मानचित्र के व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने से अनियमित निर्माण, पार्किंग अव्यवस्था, यातायात दबाव और ध्वनि प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

हरदोई: आयुष चिकित्सकों की अनुपस्थिति पर सख्त हुए डीएम, 18 अधिकारियों से मांगा स्पष्टीकरण

प्रात: किरण संवाददाता

हरदोई। जनपद में आयुष सेवाओं को अधिक प्रभावी और जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से सोमवार को स्वामी विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला आयुष समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुष विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी आयुष चिकित्सालयों में चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही आयुष औषधियों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने, चिकित्सालयों में स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद, होम्योपैथी तथा यूनानी चिकित्सा पद्धतियों के प्रचार-प्रसार, जन-जागरूकता कार्यक्रमों और औषधीय पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आमजन को आयुष चिकित्सा पद्धतियों के लाभों से अवगत कराने के लिए नियमित स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। बैठक में चिकित्सकों की अनुपस्थिति का मामला भी प्रमुखता से उठा। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए दो यूनानी चिकित्सा अधिकारियों तथा 16 आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि संबंधित अधिकारियों का उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया तो उनका वेतन रोका जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप आयुष विभाग की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में परियोजना निदेशक अशोक कुमार मौर्य, जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी आशा रावत, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी सहित समिति के अन्य सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रकृति का परिवार हैं जीव जंतु और पेड़, पौधे : मांगेराम राम चौहान

प्रात: किरण संवाददाता

मुरादाबाद। पेड़, पौधे, पक्षी, कीट, जंतु और मनुष्य—सभी एक-दूसरे से गहरे संबंधों में बंधे हुए हैं। यह केवल भावुकता नहीं, बल्कि विज्ञान और दर्शन दोनों का सिद्धांत है। जब हम इस सत्य को समझ लेते हैं, तो प्रकृति के प्रति हमारा व्यवहार पूरी तरह बदल जाता है।पारिस्थितिकी विज्ञान हमें बताता है कि पृथ्वी पर जीवन एक जाल की तरह फैला हुआ है। हर जीव इस जाल का अनिवार्य हिस्सा है। एक छोटा सा कीट फूलों का परागण करता है, जिससे फल और बीज बनते हैं। पक्षी उन बीजों को दूर-दूर तक ले जाते हैं। शेर जंगल में हिरणों की संख्या नियंत्रित रखता है, जिससे वनस्पति का संतुलन बना रहता है। सूक्ष्म जीव मिट्टी को उपजाऊ बनाते हैं। यदि इस श्रृंखला में कहीं एक कड़ी टूट जाए, तो पूरा परिवार प्रभावित होता है। भारतीय दर्शन में इस सत्य को ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल कहा गया है—सम्पूर्ण पृथ्वी एक परिवार है। उपनिषद् और जैन-बौद्ध परंपरा में अहिंसा का सिद्धांत इसी भावना से जन्मा है। महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर और विनोबा भावे ने बार-बार कहा कि प्रकृति हमारी माता है और हम उसके बच्चे। आदिवासी समुदाय आज भी पेड़ को भाई, नदी को माता और पशु-पक्षियों को परिवार का अंग मानकर जीते हैं। वे जंगल से लेते हैं तो उतना ही लौटाते भी हैं।आधुनिक युग में हम इस परिवार को भूल गए हैं। हम पेड़ों को सिर्फ लकड़ी, जानवरों को सिर्फ मांस और नदियों को सिर्फ पानी समझने लगे हैं।परिणामस्वरूप वन कट रहे हैं, प्रजातियाँ विलुप्त हो रही हैं, जलवायु परिवर्तन बढ़ रहा है और प्रदूषण ने जीवन को दूषित कर दिया है। जब हम किसी जंगल को साफ करते हैं, तो हम अपने ही परिवार के कई सदस्यों को मार रहे होते हैं। जब सभी जीव परिवार हैं—इस भावना को अपनाने का अर्थ है करुणा और जिम्मेदारी। पशु-पक्षियों के प्रति दया, वन संरक्षण, जैविक खेती, पानी का संरक्षण और प्लास्टिक मुक्ति जैसे कार्य इसी परिवार-भाव से संभव हैं। यह परिवार-दृष्टि केवल संरक्षण तक सीमित नहीं है। यह हमारे स्वास्थ्य, मानसिक शांति और आर्थिक स्थिरता से भी जुड़ी है। जंगल स्वस्थ रहेंगे तो हमारी हवा और पानी स्वच्छ रहेगा। जैव विविधता बनी रहेगी तो कृषि और औषधि दोनों सुरक्षित रहेंगी।अंत में, हमें याद रखना चाहिए कि हम इस पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान सदस्य हैं, इसलिए हमारा कर्तव्य सबसे बड़ा है। हमें इस परिवार की रक्षा करनी है, न कि उसे लूटना है। जब हम हर जीव में अपने को देखेंगे, तभी सच्चा मानव धर्म पूरा होगा। पेड़ लगाना, पक्षियों को दाना डालना, जानवरों के प्रति दया रखना—ये छोटे-छोटे कार्य परिवार के प्रति हमारा प्रेम प्रदर्शित करते हैं।सभी जीव परिवार हैं। यह बात जितनी सरल है, उतनी ही गहरी और क्रांतिकारी भी है।

सूने पड़े घर में लाखों की चोरी, जेवरात और तीन गैस सिलेंडर ले गए चोर

प्रात: किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में फफूंद थाना क्षेत्र में सूने एक मकान को चोरों ने निशाना बनाया और लाखों रुपये जेवरात चोरी कर भाग निकले। चोर घर में रखे तीन गैस सिलेंडर भी चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी होने पर पुलिस मंगलवार की सुबह मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी। फफूंद के ग्राम तरई निवासी मदन कुशवाहा ने बताया कि वह गुड़गांव में माली का कार्य करता है और वहीं पत्नी सीमा देवी व दो बच्चों के साथ रहते हैं। गांव स्थित घर में ताला लगा रहता था। मंगलवार सुबह करीब सात बजे वह परिवार सहित गांव स्थित अपने घर पहुंचे। घर का मुख्य दरवाजा खोलते ही अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। पीड़ित के अनुसार, घर के अंदर सभी कमरों के दरवाजे खुले पड़े थे। सेफ का लॉक (ताला) टूटा हुआ था, जबकि बक्से की कुंडी भी क्षतिग्रस्त मिली। जिनमें रखे लाखों रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और तीन गैस सिलेंडर गायब थे। आशंका जताई जा रही है कि चोर छत के रास्ते घर में घुसे और आराम से चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। घटना की सूचना पीड़ित ने डायल 112 और स्थानीय चौकी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

राष्ट्रीय नियमित टीकाकरण की सफलता के लिए मजबूत माइक्रोप्लान जरूरी: डॉ. ईशा गोयल

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के तत्वावधान में राष्ट्रीय नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीएचसी के अंतर्गत कार्यरत एएनएम, एलएचवी, हेल्थ सुपरवाइजर, चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम), ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर (बीसीपीएम), एआरओ सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को माइक्रोप्लान तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया।कार्यशाला का शुभारंभ प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने किया। इस अवसर पर डब्ल्यूएचओ की एसएमओ डॉ. ईशा गोयल (बिजनौर एवं मुजफ्फरनगर) ने कहा कि नियमित टीकाकरण सरकार का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। कोरोना महामारी के दौरान यह अभियान प्रभावित हुआ था, लेकिन अब सरकार इसे और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र का माइक्रोप्लान ऐसा होना चाहिए जिसमें टीकाकरण योग्य बच्चों और गर्भवती महिलाओं की संख्या, लगने वाले टीकों का विवरण, सत्रों की संख्या, वैक्सीन की उपलब्धता तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं स्पष्ट रूप से दर्ज हों। बेहतर माइक्रोप्लान से टीकाकरण कार्यक्रम का संचालन अधिक सुचारु और प्रभावी होगा। डॉ. ईशा गोयल ने निर्देश दिए कि रिक्त उपकेंद्रों एवं ईंट-भट्टों के लिए अलग माइक्रोप्लान तैयार किया जाए। सभी उपकेंद्रों के मानचित्र प्रदर्शित किए जाएं तथा प्रभावी कम्युनिकेशन प्लान बनाकर निर्धारित गतिविधियों का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आगामी 28 जून से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों और संचालन के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में अधीक्षक डॉ. बी. के. स्नेही, डॉ. हासिम, डॉ. प्रणव, डॉ. राकेश, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह एवं राजेश कुमार, एआरओ आलोक कुमार, डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीम, संजीव कुमार, दिनेश कुमार राजपूत, दिनेश कुमार, राजेश कुमार, गुलशन, श्रीकांत राजपूत, राजन राठी, विपुल चौधरी, राजेश चौधरी, धर्मेंद्र तथा गाबी से सौरभ आर्य सहित अनेक स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के सिविल अस्पताल पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि ह्लएक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान, नहीं चलेंगेह्ल के उद्घोषक, प्रखर राष्ट्रवादी और जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। भारत की एकता और अखंडता के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान प्रत्येक देशवासी के हृदय में सदैव राष्ट्रवाद की लौ प्रज्वलित करता रहेगा। मुख्यमंत्री के अलावा उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही,जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह,मंत्री बलदेव सिंह ओलख,विधायक डा.नीरज बोरा,एमएलसी अवनीश पटेल,एमएलसी लालजी प्रसाद निर्मल,पूर्व मंत्री डा.महेन्द्र सिंह,नीरज सिंह व भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

लखनऊ अग्निकांड में कानपुर के दो युवकों की मौत, शव घर पहुंचते ही मचा कोहराम

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज में सोमवार को हुए भीषण अग्निकांड ने कानपुर के दो परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। दो दोस्त आग की भेंट चढ़ गए। मंगलवार को जैसे ही दोनों युवकों के शव शहर पहुंचे, परिजनों में चीख-पुकार मच गई। घरों के बाहर रिश्तेदारों और परिचितों की भीड़ जुट गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था, जबकि परिवार के अन्य सदस्य एक-दूसरे को ढांढस बंधाते नजर आए। हादसे में गोविंद नगर ब्लॉक-11 निवासी संयम विज (28) और बर्रा निवासी सूरजभान सिंह (25) की मौत हुई है। दोनों लखनऊ के अलीगंज स्थित एक एनीमेशन स्टूडियो में कार्यरत थे। साथ काम करने के दौरान दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई थी और वे कई वर्षों से एक ही कंपनी में अपनी सेवाएं दे रहे थे। परिजनों के अनुसार दोनों लड़को ने इंटरमीडिएट के बाद एनीमेशन का प्रशिक्षण लिया था और बाद में एक ही संस्थान से करियर की शुरूआत की थी। नौकरी के सिलसिले में दोनों लखनऊ में रह रहे थे। सोमवार को स्टूडियो में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया, जिसकी चपेट में आने से दोनों की जान चली गई। सूरजभान के परिवार पर यह दूसरा बड़ा संकट है। परिजनों ने बताया कि करीब तीन वर्ष पहले उसके पिता की भी आग लगने की एक घटना में मौत हो गई थी। परिवार उस दुख से पूरी तरह उबर भी नहीं पाया था कि अब बेटे की मौत ने उन्हें फिर से शोक में डुबो दिया। वहीं संयम विज के परिवार में भी कुछ दिन पहले उनकी दादी का निधन हुआ था। मंगलवार को तेरहवीं का कार्यक्रम प्रस्तावित था। परिवार के लोग कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे थे, तभी हादसे की सूचना ने पूरे घर को गम में डुबो दिया। परिजन बताते हैं कि संयम तेरहवीं में शामिल होने के लिए आने वाला था। शव कानपुर पहुंचने के बाद दोनों परिवारों के घरों पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और क्षेत्रीय लोगों ने पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी। मृतकों के परिजनों ने घटना की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उधर पुलिस और प्रशासनिक स्तर पर भी हादसे के कारणों की जांच जारी है। वहीं शहर में दोनों युवकों की असमय मौत को लेकर शोक की लहर बनी हुई है। उनके मित्रों और परिचितों का कहना है कि दोनों अपने व्यवहार और मेहनत के कारण सभी के बीच लोकप्रिय थे। अब उनके निधन से परिवारों के साथ-साथ मित्रों में भी गहरा दुख है।

डेनमार्क में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग करेंगे डॉ नितेश जायसवाल

प्रात: किरण संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत सहायक आचार्य डॉ. नितेश जायसवाल को डेनमार्क के ओडेंस में 28 जून से 3 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले 46वें अंतरराष्ट्रीय कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह सम्मेलन कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री के क्षेत्र का विश्वस्तरीय एवं प्रतिष्ठित सम्मेलन है, जो प्रत्येक दो वर्ष पर आयोजित होता है। इसमें विभिन्न देशों के अग्रणी वैज्ञानिक, शिक्षाविद एवं शोधकर्ता भाग लेते हैं। डॉ. जायसवाल इस सम्मेलन में अपने शोध विषय मल्टीफंक्शनल सिफ बेस मेटल कॉम्प्लेक्सेस पर मौखिक प्रस्तुति देंगे। उनका शोध कार्य संक्रमण धातु-आधारित उपसहसंयोजक यौगिकों के संश्लेषण, संरचनात्मक अध्ययन तथा उनके जैविक एवं औद्योगिक अनुप्रयोगों से संबंधित है। डॉ. जायसवाल को इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता करने के लिए अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, भारत सरकार की अंतरराष्ट्रीय यात्रा योजना के अंतर्गत यात्रा अनुदान स्वीकृत हुआ है। इस अनुदान के माध्यम से उन्हें अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा, वीजा शुल्क तथा सम्मेलन पंजीकरण शुल्क आदि के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपसहसंयोजक यौगिकों के जैविक एवं चिकित्सीय अनुप्रयोग, उत्प्रेरण, ऊर्जा एवं स्थिरता के लिए समन्वय यौगिक, आणविक मॉडलिंग तथा उन्नत पदार्थ विज्ञान जैसे समसामयिक विषयों पर व्याख्यान एवं प्रस्तुतियां होंगी। डॉ. जायसवाल की इस उपलब्धि पर मंगलवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

अजाखाना कटरा गुलाम अली से बरामद हुआ सात मोहर्रम का जुलूस

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। सातवे मोहर्रम का जुलूस मौहल्ला कटरा गुलाम अली अजाखाने से सुबह साढ़े आठ बजे बरामद हुआ। इमाम बाड़े के मुतावल्ली मुख़्तार नकवी ने समय रहते जुलूस का सारी तैयारी मुकम्मल करली थी। तथा अराईश को खूबसूरत रूप से सजाया था। इस जुलूस की आरिश की विशेष बात यह है कि हर तख्त पर एक ऊँची छतरी लगी थी। हजरत इमाम हुसैन के काफिले में उनके छह माह के बेटे हजरत अली असगर भी थे। जिनको हुरमला ने अपने तीर से इमाम हुसैन के हाथों पर कत्ल कर दिया था। उनकी याद में एक झूले का तख्त भी निकाला गया। उसके बाद वह जुलूस में रहा। यह झूला लगभग सोलह किलो चांदी से तैयार किया गया है।जुलूस से पहले मास्टर तबारक अली व हमनवा ने मरसिया पढ़ा। आज जुलूस में सबसे आगे ऊंट पर छोटे-छोटे बच्चे बैठे हुये थे। इसके पीछे अराईश, शबीहे ताबूत, अलम व दुलदुल चल रहा था। आज जुलूस में दुलदुल पर खूबसूरत चादर, तलवार व तबर भी लगाई जाती है। दुलदुल पर हर मौहल्ले व गली में अकीदत मंदों ने मन्नती चादरे चढ़ाई। तथा जगह जगह अमन और भाईचारा प्रेमी लोगों ने जुलूस का गुलाब के फूल दाल कर स्वागत किया गया। जुलूस अपने निर्धारित मार्गो से होता हुआ अजाखाना कटरा गुलाम अली पर आकर समाप्त हुआ। जुलूस की समाप्ति पर एतेहासिक मरसिया तन्हा सिपाहे शाम में जब घिर गया हुसैन पढ़ा गया। इस भव्य जुलूस का कुशल संचालन अंजुमन रजाकाराने हुसैनी के काईद गुलाम सज्जाद, जनरल सेक्रेटरी खुर्शीद हैदर जैदी,नायब काईद इमदाद आब्दी,डॉ0 चन्दन नकवी, वसीम जैदी, मौहम्मद हैदर, शिराज गालिब, हुसैनी, नजीर हैदर सैयद मुज्तबा जाफर रजा तकी खां शाने मुज्तबा आदि द्वारा बेहद मुस्तैदी के साथ किया गया, जबकि सुरक्षा व व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी (उ्द) द्वारा गठित की गई विशेष कमेटी के सदस्य ज़िया एजाज, लियाकत अली, बाकर रजा नकवी,नदीम नकवी, शहजाद रजा, कासिम जैदी दिनभर जुलूस के साथ मुस्तैद रहे।

कालाजार नियंत्रण को लेकर जिलाधिकारी सख्त, बरसात से पहले छिड़काव के दिए निर्देश

- कालाजार नियंत्रण को लेकर जिलाधिकारी ने दिए प्रभावी छिड़काव एवं जनजागरूकता के लिए दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया के जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय में कालाजार रोग के प्रभावी नियंत्रण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित एवं संभावित गांवों में बरसात से पूर्व प्राथमिकता के आधार पर छिड़काव कार्य पूरा कराने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस वेक्टर जनित बीमारी की रोकथाम के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए तथा प्रभावित क्षेत्रों में समयबद्ध छिड़काव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि जनपद के आठ विकास खंडों के 26 गांव कालाजार से प्रभावित रहे हैं, जिनमें से 17 गांवों में अब तक छिड़काव कराया जा चुका है। उन्होंने बताया कि कालाजार बीमारी बालू मक्खी के काटने से फैलती है और इसके नियंत्रण के लिए बालू मक्खियों की रोकथाम अत्यंत आवश्यक है। यह रोग मुख्य रूप से बिहार में पाया जाता है, लेकिन सीमावर्ती क्षेत्रों में भी इसके संक्रमण की संभावना बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में छिड़काव और जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संदिग्ध मरीजों का रैपिड टेस्ट कराया जाता है और पॉजिटिव पाए जाने पर उनका उपचार देवरिया मेडिकल कॉलेज में कराया जाता है। बैठक में जिलाधिकारी ने कालाजार नियंत्रण से जुड़ी सभी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम को पूरी सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कालाजार के जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. नित्यानंद ठाकुर ने संचालित कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

लखनऊ आग हादसे में एसआईटी ने जांच शुरू की केजीएमयू पहुंची टीम

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ स्थित अलीगंज में एक कोचिंग सेंटर में लगी आग की जांच शुरू हो गई है। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को घटना स्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाया। इसके बाद एसआईटी केजीएमयू पहुंचकर घायलों से मामले की जानकारी ली। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगंज अग्निकांड को लेकर देर रात उच्चस्तरीय बैठक की थी। उन्होंने दोषियों को चिह्नित कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित एसआईटी में संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और लखनऊ के एडीजी जोन प्रवीण कुमार सदस्य हैं। जांच दल सात दिन में रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपेगा। घटना के बाद मंगलवार को एसआईटी के साथ फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच चुकी है। फोरेंसिक टीम ने जांच के लिए पूरी इमारत को सील कर दिया है। टीम अंदर से सबूत जुटा रही है। घटना के बाद पत्रकारों के सवाल जा जवाब देते हुए एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार ने बताया कि फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। अस्पताल में घायलों का हालचाल लेकर जो भी निष्कर्ष निकलेगा उसकी रिपोर्ट शासन को सौंपेगी। उल्लेखनीय है कि अलीगंज के पुरनियां में जिस बिल्डिंग में आग लगी है उसके प्रथम तल पर पेट शॉप और दूसरे तल पर कोचिंग सेंटर है। इसके अलावा लाईब्रेरी, गेमिंग जोन भी है। सोमवार दोपहर को आग पेट शॉप में लगी थी, जिसके बाद विकराल रूप लेकर दूसरे तल पर बनी कोचिंग सेंटर में फैल गई। आग और धुआं को फैलता देखकर कोचिंग में मौजूद छात्र-छात्राएं अपनी जान बचने के लिए बाथरूम और कमरों में छिप गये। कुछ लोगों ने तो दीवार से गुजर रही केबिल से उतरे तो कुछ छत से ही कूद गये, जिसमें उन्हें चोटें आई हैं। आग में हुई जनहानि के बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं, अलीगंज थाने में छह लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इनमें से चार को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिम्मेदार चार अधिकारियों को भी निलंबित कर दिया हैं। लखनऊ के संयुक पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार ने मंगलवार को जारी अपने बयान में कहा कि अलीगंज थाना क्षेत्र में एक बिल्डिंग में हुई आगजनी की घटना में 15 लोगों की मौत हो गई है। इस मामले में अलीगंज थाना में मुकदमा दर्ज कर किया गया। ये एफआईआर बिल्डिंग के मालिक और इसमें चल रही प्रतिष्ठानों के ऑनर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पूछताछ कर जेल भेजा जा रहा हैं। इस मामले में जांच की जा रही जो भी दोषी होगा आगे की कार्रवाई की जा रही हैं ।

उड़ीसा से घर लौट रहे कारपेंटर का शव देवरिया में रेलवे ट्रैक पर मिला

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में देवरिया सदर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को प्लेटफार्म नंबर एक के ट्रैक पर उड़ीसा में कारपेंटर का काम करने वाले एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। सूचना पर पहुंची राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जीआरपी थानेदार अभिषेक पांडे ने बताया कि रेलवे ट्रैक के किनारे युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिलने पर जीआरपी मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान शेषनाथ साहनी (36) पुत्र रघुनाथ निवासी जंगल रामलखना टोला, थाना खोराबार, जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है। पहचान के आधार पर घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी गई। परिजनों के अनुसार, उनका मृतक बेटा उड़ीसा के परलाखेमुंडी क्षेत्र में कारपेंटर का कार्य करता था और घर लौट रहा था। जीआरपी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जीआरपी थानेदार ने बताया कि युवक की मौत दुर्घटना, आत्महत्या या किसी अन्य कारण से हुई है, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 24 जून, 2026

संक्षिप्त खबरें

हरदोई रेलवे स्टेशन पर भीख मांगते मिले तीन बच्चे

हरदोई। बाल भिक्षावृत्ति पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के निर्देश पर जिला बाल संरक्षण इकाई, एएचटीयू एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन परिसर में विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान भीख मांगते तीन बच्चे मिले जिन्हें रेस्क्यू कर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार निगम ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार 22 जून को चलाए गए अभियान में संरक्षण अधिकारी शैलेन्द्र पाठक, रामू यादव, कंचन गुप्ता और बिरेन्द्र शुक्ला सहित पुलिस एवं महिला आरक्षी मौजूद रहे। अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन पर अंजली (6 वर्ष), नंदली (8 वर्ष) और आकाश (10 वर्ष) भिक्षावृत्ति करते हुए मिले। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों बच्चों को रेस्क्यू कर सुरक्षित संरक्षण में लिया और बाल कल्याण समिति, हरदोई के समक्ष पेश किया। बाद में बच्चों के माता-पिता जिला बाल संरक्षण कार्यालय पहुंचे। उन्होंने बताया कि वे ग्राम आटा, थाना आटा, जनपद जालौन के निवासी हैं। मामले की सुनवाई के दौरान बाल कल्याण समिति ने जिला प्रोबेशन अधिकारी, जालौन को निर्देश दिए कि बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) का लाभ दिलाया जाए तथा उनके पुनर्वास और नियमित फॉलोअप की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। समिति एवं अधिकारियों ने बच्चों के माता-पिता को समझाया कि बच्चों से भीख मंगवाना कानून अपराध है। उन्हें बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाकर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने की सलाह दी गई। प्रशासन ने कहा कि बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे और बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हरदोई: जेठ के अंतिम बड़े मंगल पर भव्य भंडारा

हरदोई। जेठ माह के अंतिम बड़े मंगल के पावन अवसर पर मंगलवार को शहर के मोहल्ला आशा नगर गेट के निकट श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। हरदोई के प्रख्यात पत्रकार रितेश मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित भव्य भंडारे में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से लेकर देर शाम तक प्रसाद ग्रहण करने वालों की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरा क्षेत्र भगवान हनुमान के जयघोषों से गुंजायमान रहा। हिंदू धर्म में जेठ माह के बड़े मंगल का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इसी आस्था और जनकल्याण की भावना के साथ आयोजित इस भंडारे में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण कर बजरंगबली के चरणों में अपनी आस्था अर्पित की तथा परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना की प्रार्थना की। भंडारे के आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण देखते ही बन रहा था। एक ओर श्रद्धालु भजन-कीर्तन और हनुमान जी के जयकारों में लीन दिखाई दिए, वहीं दूसरी ओर स्वयंसेवक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ प्रसाद वितरण में जुटे रहे। श्रद्धालुओं को पूड़ी, सब्जी, छोले, चावल, बूंदी सहित विभिन्न व्यंजनों का प्रसाद प्रेमपूर्वक वितरित किया गया। आयोजन के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। स्थानीय गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों, व्यापारियों तथा क्षेत्रवासियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए आयोजन की सराहना की। लोगों ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, सहयोग और सौहार्द की भावना को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर में सख्ती

कानपुर। लखनऊ में कोचिंग संस्थान में हुई आग की घटना के बाद कानपुर में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन और पुलिस अलर्ट मोड में आ गए हैं। मंगलवार को पुलिस कमिश्नरेट में कोचिंग सेंटर, होटल, हॉस्टल, अस्पताल, सिनेमा हॉल, शॉपिंग मॉल और अन्य व्यावसायिक भवनों के संचालकों के साथ बहु-विभागीय सुरक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकासी, भवन सुरक्षा और अन्य मानकों के शत-प्रतिशत अनुपालन पर जोर दिया गया। गोष्ठी में बताया गया कि पुलिस, अग्निशमन विभाग, केडीए और अन्य विभागों की संयुक्त जांच में अब तक 865 कोचिंग संस्थानों, 490 विद्यालयों, 490 अस्पतालों और 160 हॉस्टलों का सत्यापन किया जा चुका है। जांच के दौरान सुरक्षा मानकों में कमी मिलने पर 40 से अधिक संस्थानों को फायर विभाग की ओर से नोटिस जारी किए गए हैं, जबकि 20 से अधिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ केडीए ने सीलिंग की कार्रवाई की है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बेसमेंट या अन्य स्थानों पर सुरक्षा मानकों के विपरीत किसी भी व्यावसायिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निर्धारित समय में कमियां दूर न करने वाले संस्थानों के खिलाफ नोटिस, सीलिंग, आर्थिक दंड और आवश्यक होने पर आपराधिक कार्रवाई भी की जाएगी।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की तैयारी तेज, लेकिन फॉगिंग और लार्वा नियंत्रण पर उठते रहे हैं सवाल

- 1 जुलाई से शुरू होगा विशेष अभियान, डीएम ने दिए व्यापक जागरूकता और सफाई व्यवस्था के निर्देश

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। बरसात के मौसम में संचारी रोगों और दिमागी बुखार के बढ़ते खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दिमागी बुखार नियंत्रण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों को अभियान के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक तथा दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को माइक्रो प्लान के अनुसार कार्य करने, व्यापक जनजागरूकता फैलाने तथा अभियान को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग को घर-घर सर्वे कर बुखार पीड़ित मरीजों की पहचान करने, विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से दिमागी बुखार के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा संदिग्ध मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। वहीं सभी खंड विकास अधिकारियों को विकास खंड स्तर पर साइकिल रैली निकालकर लोगों को संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक सफाई अभियान चलाने, सार्वजनिक स्थलों के आसपास उगी झाड़ियों और घास-फूस की सफाई कराने तथा स्वच्छता को जन आंदोलन का रूप देने के निर्देश भी दिए। जमीनी हकीकत पर भी उठते रहे हैं सवाल हालांकि हर वर्ष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान फॉगिंग और एंटी-लार्वा छिड़काव को लेकर सवाल उठते रहे हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अनेक इलाकों में लोगों की शिकायत रहती है कि अभियान कागजों में तो दिखाई देता है, लेकिन अधिकांश स्थानों पर न तो नियमित फॉगिंग होती है और न ही प्रभावी रूप से लार्वा नाशक दवाओं का छिड़काव किया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि केवल बैठकों और निर्देशों से संचारी रोगों पर नियंत्रण संभव नहीं है। मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने के लिए नियमित और सत्यापित एंटी-लार्वा गतिविधियां तथा जरूरत के अनुसार फॉगिंग जरूरी है। यदि इन गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हुआ तो डेंगू, मलेरिया और वायरल बुखार जैसे रोगों के मामलों में कमी लाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। सफाई अभियान को माना जा रहा प्रभावी उपाय दूसरी ओर, ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था, जलभराव की रोकथाम, झाड़ियों की कटाई तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता जैसे उपाय अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी और स्थायी समाधान माने जा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि पंचायतें और स्थानीय निकाय नियमित सफाई अभियान चलाएं तथा नागरिक भी अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें तो संचारी रोगों के प्रसार को काफी हद तक रोका जा सकता है। अब निगाहें 1 जुलाई से शुरू होने वाले अभियान पर हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस बार प्रशासनिक निर्देश धरातल पर कितनी प्रभावशीलता से लागू होते हैं और फॉगिंग व लार्वा नियंत्रण जैसी गतिविधियां वास्तव में लोगों तक पहुंच पाती हैं या नहीं।

भूजल संरक्षण को लेकर डीएम सख्त, अवैध दोहन पर कार्रवाई के निर्देश

वर्षा जल संचयन और जल स्रोतों के पुनर्जीवन पर दिया विशेष जोर

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में भूगर्भ जल अधिनियम-2019 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने भूगर्भ जल स्तर में लगातार हो रही गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर संचालित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि भूजल स्तर में गिरावट एक गंभीर विषय है और इसके संरक्षण के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में वर्षा जल संचयन संरचनाओं की स्थापना एवं उनका नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी सरकारी भवनों, विद्यालयों एवं अन्य संस्थानों में रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए। उन्होंने तालाबों, पोखरों एवं अन्य जलाशयों के संरक्षण, पुनर्जीवन और नियमित सफाई कराने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा नालों एवं जल निकासी मार्गों को अवरुद्ध होने से बचाते हुए वर्षा जल को भूगर्भ में समाहित करने की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में जिलाधिकारी ने अवैध भूगर्भ जल दोहन के मामलों पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही भूगर्भ जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा वर्षा जल संचयन संरचनाओं के नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ जल संरक्षण संबंधी योजनाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए कहा, ताकि भविष्य में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

7 मोहर्रम पर नौगांवा सादात में अकीदत का सैलाब, जंजीर का मातम और डबल गश्त के साथ निकला कदीमी जुलूस

प्रात: किरण संवाददाता

नौगांवा सादात (अमरोहा। सात मोहर्रम का पारंपरिक जुलूस मंगलवार को नौगांवा सादात में अकीदत, गम और धार्मिक अनुशासन के साथ निकाला गया। अंजुमन-ए-यादगार-ए-हुसैनी के तत्वावधान में निकला यह कदीमी जुलूस बड़ी इमली स्थित स्वर्गीय मास्टर मंसूर हुसैन के आवास से दोपहर एक बजे बरामद हुआ। डबल गश्त के साथ निकले जुलूस में हजारों अजादार नंगे पांव सीना-जनी करते हुए शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत मौलाना हसन इमाम की तकरीर से हुई। उन्होंने वाकया-ए-कर्बला पर रोशनी डालते हुए हजरत इमाम हुसैन की कुबार्नी और उनके बताए रास्ते पर चलने का संदेश दिया। तकरीर के बाद जुलूस में सबसे आगे जायरीन ढोल-ताशों के साथ चल रहे थे। उनके पीछे मर्सियाख्वां मोहर्रम अली अपने हमराहियों के साथ जुलजनाह के हमसफर मर्सिया पढ़ते हुए आगे बढ़े। अंजुमन की ओर से कर्बला की मंजरकशी प्रस्तुत की गई, जिसमें तीन जुलजनाह, बारह अलम मुबारक, हजरत औन व मोहम्मद, जनाब-ए-कासिम और जनाब अली अकबर के ताबूत तथा एक जरी शामिल रही। इनके पीछे नौहाख्वां मरगूब हैदर और शोएब रजा नौहाख्वानी करते हुए चल रहे थे। मजहर-ए-कर्बला पर नौहाख्वां मोहम्मद अयाज ने दर्दभरे अंदाज में नौहा पेश किया, जिसे सुनकर अजादारों की आंखें नम हो गईं। इसके बाद जुलूस कटकुई, फकरपुरा, फातिमा कॉलेज, हुसैनी चौक होते हुए शिया जामा मस्जिद शाहफरीद पहुंचा। यहां शोएब रजा और तकी अब्बास की नौहाख्वानी ने माहौल को गमगीन बना दिया। इसके बाद अंजुमन के सभी नौहाख्वानों ने लगभग 80 वर्ष पुराने पारंपरिक नौहे ॒फरियाद असगरी बये बे आरीये हुसैन...॒ को पढ़ते हुए जुलूस को मुख्य बाजार में पहुंचाया। यहां शोएब रजा की रुबाई ॒सखाये हरम के शैदा हैं, शब्बीर का मातम करते हैं, अब्बास का परचम लहरा कर जंजीर का मातम करते हैं॒ पर हजारों अजादारों ने जंजीर का मातम किया और इमाम हुसैन की याद में अपनी अकीदत पेश की। इसके बाद जुलूस पापड़ी तालाब, खातून-ए-जन्नत हॉस्पिटल, अबू तालिब चौक और बुद्ध बाजार से होकर गूला तालाब स्थित इमामबाड़ा हाजी गुलाम हुसैन पहुंचा।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से सीधा जुड़ेगा लोनी क्षेत्र, ट्रॉनिका सिटी क्षेत्रीय विकास को मिलेगी नई धार

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी जनपद गाजियाबाद के लोनी और उसके अंतर्गत ट्रोनिका सिटी क्षेत्र वासियों के लिए शुभ समाचार है।राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले करीब 17 किमी दूरी वाले एलिवेटेड कॉरिडोर योजना को हरी झंडी दे दी हैं। लोनी स्थित ट्रोनिका सिटी के निकट दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से जुड़ने वाली इस परियोजना से लोनी व आसपास क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। जिसकी अनुमानित लागत लगभग 3500 करोड रुपए बताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक प्रस्तावित मार्ग के अनुसार यह कॉरिडोर यूईआर-2 से निकलकर अलीपुर, नरेला, बकौली, हिरंकी और खामपुर होते हुए लोनी की ट्रोनिका सिटी के निकट दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा। इस कनेक्टिविटी के बाद द्वारका, रोहिणी, पश्चिमी दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, गुरुग्राम और एनसीआर के अन्य क्षेत्रों से आने वाले लोगों को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे तक तेज और सुगम पहुंच प्राप्त होगी।

-ग्रामीण क्षेत्र के विकास के विकास की संभावनाएं होगी प्रबल

एक्सप्रेसवे से सीधा जुड़ाव मिलने के बाद जहां पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र में शामिल टूनिका सिटी क्षेत्र के उद्योग, व्यापार और निवेश की संभावनाएं मजबूत होंगी। वही आसपास के ग्रामीण क्षेत्र का विकास भी होगा। मुख्य रूप से गांव अगरौला, मंडौला, इलायचीपुर, रिस्तल, खानपुर जापती, असालतपुर फर्रुखनगर व कोतवालपुर आदि क्षेत्रों की उन्नति की संभावनाएं प्रबल होंगी। यही नहीं उपरोक्त के अलावा इस परियोजना का लाभ दिल्ली, गाजियाबाद, बागपत, गुरुग्राम, सोनीपत उत्तराखंड जाने वाले लाखों यात्रियों को भी मिलेगा जिससे विभिन्न क्षेत्रों के बीच आवागमन सहज होगा। क्षेत्र के उज्जवल भविष्य और प्रखर विकास की उम्मीद बनकर आने वाली इस योजना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र वासियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है।

मच्छर भगाने वाले प्रतिबंधित उत्पादों के खिलाफ चला अभियान, दुकानदारों को दी चेतावनी

प्रात: किरण ।अवनीश त्यागी

बिजनौर।जिला कृषि रक्षा विभाग ने जनपद में प्रतिबंधित रसायनों से निर्मित मच्छर भगाने वाले उत्पादों की बिक्री, भंडारण और निर्माण के खिलाफ अभियान चलाते हुए विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान दुकानदारों को ऐसे उत्पादों का विक्रय न करने की सख्त चेतावनी दी गई। जिला कृषि रक्षा अधिकारी जसवीर सिंह तेवतिया एवं कीटनाशी निरीक्षक अक्षय कुमार ने संयुक्त रूप से पेस्ट कंट्रोल ऑपरेटर्स, किराना दुकानों तथा गोदामों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डाईमेंफलूथ्रिन एवं मेपरफलूथ्रिन रसायनों से निर्मित मच्छर भगाने वाले उत्पादों और अगरबत्तियों की बिक्री, निर्माण एवं भंडारण की जांच की गई। अभियान के तहत नई बस्ती स्थित खुराना एंटरप्राइजेज तथा रहमानी एंड संस का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को निर्देश दिए कि स्वीट नाइट, डायनासोर, श्री डेंगू किलर एवं कंफर्ट जैसे उत्पादों का विक्रय अथवा भंडारण न किया जाए। साथ ही जनसामान्य से भी अपील की गई कि स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे उत्पादों की खरीदारी से बचें। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने बताया कि यदि किसी दुकानदार के यहां प्रतिबंधित उत्पादों का विक्रय या भंडारण पाया गया तो उसके विरुद्ध कीटनाशक अधिनियम 1968 एवं नियम 1971 के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी जनपद भर में इस प्रकार की छापेमार कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्थान पर प्रतिबंधित मच्छर भगाने वाली अगरबत्तियों या अन्य उत्पादों का निर्माण, विक्रय अथवा भंडारण पाए जाने पर संबंधित स्टॉक को जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

आबकारी विभाग के कर्मचारियो का खेल निराला, महखानो पर खड़े होकर ही पूछते हैं कहां खुली है मधुशाला

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। बॉर्डर क्षेत्र में होटल और ढाबो की आड़ में शराब पिलाये जाने के अवैध धंधे के मामले में आबकारी विभाग के पुलिसकर्मी की कार्य प्रणाली उस समय उजागर होती नजर आई जब वह इस मामले में सब कुछ जानते हुए भी बार-बार यह जानकारी लेता नजर आया कि कहां है ऐसे होटल. जिनके संचालक लोगों को शराब पिलाने का अवैध कारोबार कर रहे हैं। आबकारी विभाग के पुलिसकर्मी द्वारा स्वयं एक ऐसे ही होटल पर खड़े होकर इस तरह का सवाल करने की इस बात को अब उसके द्वारा अपने अधिकारी के निर्देशों की अवहेलना करना कहा जाए या कुछ और, समझ से परे है ! लेकिन महखाने पर खड़े होकर ही मधुशाला की जानकारी लेने का नाटक करना उनकी अपनी कार्य प्रणाली को संदिग्ध जरूर बनाता है। शायद यही कारण है कि इस अवैध धंधे से जुड़े लोगों के हौसले बुलंद हैं। दरअसल लोनी बॉर्डर क्षेत्र में होटल व ढाबों की आड़ में शराब पिलाये जाने के मामले में स्थानीय लोगों द्वारा बार-बार कहे जाने पर इस प्रतिनिधि ने 2 दिन पूर्व इसके विरोध में एक खबर का संकलन किया था। खबर लिखने के दौरान जब आबकारी अधिकारी महोदय से इस संदर्भ में पूछताछ की गई तो उन्होंने स्वयं 2 दिन के लिए बाहर होने की जानकारी देने के साथ ही अपने कर्मचारियों को मौके पर भेज कर ऐसे लोगों को चिन्हित कराने की बात कही थी. ताकि उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जा सके। आबकारी अधिकारी महोदय के प्रभावी निर्देशनुसार उनके विभागीय पुलिसकर्मी लोनी बॉर्डर क्षेत्र में जांच पड़ताल के लिए भी पहुंचे. मगर अफसोस उस समय हुआ जब आधा दर्जन से अधिक ढाबों के नाम पर संचालित मयखानो की जानकारी से अनभिज्ञ बताने वाले उक्त कर्मचारी बार-बार इस प्रतिनिधि को फोन कर ऐसे ढाबों (मयखानों) की जानकारी करते रहे। यही नहीं उन्होंने मौके पर बुलाने का भी प्रयास किया। हालांकि इस प्रतिनिधि ने उन्हें अपनी ड्यूटी स्वयं निभाने की सलाह दी थी। उक्त संदर्भ में विश्वसनीय सूत्रोंनुसार आबकारी विभाग में तैनात पुलिसकर्मी जिस समय इस प्रतिनिधि से बार-बार फोन कर, लोगों को अपने यहां बैठाकर शराब पिलाने वाले होटलो-ढाबों की जानकारी ले रहा था. वह उस समय खुद अपने साथी सहित ना कि ऐसे होटल के ही आसपास टहल रहा था, बल्कि ऐसे ही होटल पर खड़ा होकर इस प्रतिनिधि के व्यक्तित्व की जानकारी लेने का प्रयास भी कर रहा था। ऐसे में लोनी बॉर्डर क्षेत्र में होटल व ढाबों पर शराब पिलाये जाने का यह अनैतिक धंधा ऐसे कर्मचारियों की कार्य प्रणाली को भी संदिग्ध बनता है. जिसका संज्ञान लेना आबकारी अधिकारी महोदय का दायित्व बनता है।

उल्लेखनीय है कि लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में

अनेक स्थान ऐसे है जहां होटल, ढाबो आदि पर शराब पिलाने का धंधा खुलेआम संचालित हैं। हालात ऐसे है कि यहां सुबह दिन निकलने के साथ जाम छलकने का शुरू हुआ यह सिलसिला देर रात तक चलता है।

नगर पालिका बोर्ड बैठक में कई प्रस्तावों को मंजूरी

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। मंगलवार को होने वाली नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। बैठक के दौरान नगर के विकास, सफाई व्यवस्था, जल निकासी, पेयजल आपूर्ति और सौंदर्यीकरण से जुड़े कई अहम विषयों पर चर्चा हुई। इस मौके पर बोर्ड ने विभिन्न विकास योजनाओं को मंजूरी देते हुए नगर में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने पर सहमति जताई। बैठक में नगर के अलग-अलग वार्डों में विकास कार्य कराने, प्रमुख सड़कों और चौराहों के सौंदर्यीकरण, जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने और आधुनिक स्ट्रीट लाइट लगाने के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। साथ ही मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के तहत प्रस्तावित कार्यों को भी मंजूरी प्रदान की गई। हालांकि इस दौरान गृहकर वसूली का मुद्दा प्रमुखता से उठा। सभासदों ने बकाया गृहकर पर लगने वाले ब्याज में राहत देने की मांग करते हुए कहा कि इससे अधिक लोग कर जमा करने के लिए आगे आएंगे और पालिका की आय में बढ़ोतरी होगी। अधिकारियों ने कर वसूली बढ़ाने के लिए प्रभावी अभियान चलाने की बात कही। सभासदों ने सफाई व्यवस्था पर चिंता जताते हुए कहा चिंता जताते हुए कहा कि नए ठेकेदार द्वारा कार्यभार संभालने के बाद भी कई वार्डों में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। कूड़ा उठाने वाले वाहनों की कमी और सफाई कर्मचारियों की अपर्याप्त संख्या के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर अधिकारियों ने व्यवस्था में सुधार का आश्वासन दिया। बैठक में बरसात के मौसम को देखते हुए जलभराव की समस्या पर भी चर्चा हुई। सभासदों ने नालों और नालियों की समय से सफाई कराने तथा जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग के साथ ही पेयजल आपूर्ति को नियमित और बेहतर बनाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने की बात पर जोर दिया। नगर के पार्कों को विकसित करने, हरित क्षेत्र बढ़ाने और बच्चों के लिए पुस्तकालय स्थापित करने के सुझावों को भी समर्थन मिला। इसके अलावा सार्वजनिक स्थलों पर आरओ प्लांट लगाने, पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाने और नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की दिशा में कार्य करने पर सहमति बनी। रिहायशी क्षेत्रों में संचालित डेयरियों से फैलने वाली गंदगी और नालियों में गोबर डाले जाने की शिकायतें भी बैठक में सामने आईं। इसके अतिरिक्त सभासदों ने ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग की। वहीं, सड़कों पर घूम रहे निराश्रित पशुओं को पकड़कर गौशालाओं में भेजने की आवश्यकता भी बताई गई। अधिकारियों ने बताया कि नगर के लिए रोड और ड्रेनेज की विस्तृत योजना तैयार की जाएगी, जिससे भविष्य में विकास कार्यों को व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा सके। बैठक में नगर के प्रवेश द्वारों के निर्माण, प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण और अन्य विकास योजनाओं को भी आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। अंत में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्वीकृत योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने का संकल्प लिया।

मोबाइल कोर्ट में 50 मामलों की सुनवाई, दिव्यांगजनों को मिले प्रमाण पत्र, स्मार्ट केन व सहायक उपकरण

अमरोहा। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के प्रभावी क्रियान्वयन और दिव्यांगजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। प्रदेश के राज्य आयुक्त दिव्यांगजन डॉ. शेखर कुमार झा ने 50 मामलों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। मोबाइल कोर्ट के दौरान 9 दिव्यांग प्रमाण पत्र मौके पर जारी किए गए। वहीं 27 आयुष्मान कार्ड और 22 राशन कार्ड के आवेदन प्राप्त हुए तथा एक राशन कार्ड तत्काल जारी किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी को सप्ताह में दो दिन दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने, मेडिकल बोर्ड में चिकित्सकों की संख्या सात करने और प्रत्येक तीन वर्ष में नए चिकित्सकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर 11 स्मार्ट केन, 3 लेप्रोसी किट, 10 श्रवण यंत्र, 12 बैसाखियां और 15 ट्राइसाइकिल दिव्यांगजनों को वितरित की गईं। साथ ही आवास योजनाओं के लंबित आवेदनों का शीघ्र सत्यापन कर पात्र दिव्यांगजनों को प्राथमिकता से आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। राज्य आयुक्त ने दिव्यांग पेंशन में हो रही देरी के संबंध में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को निदेशालय से समन्वय स्थापित कर शीघ्र समाधान कराने तथा दिव्यांगजनों को इसकी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने राज्य आयुक्त को आश्वस्त किया कि उनके सभी निर्देशों का जनपद स्तर पर प्रभावी अनुपालन कराया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अंत में राज्य आयुक्त ने दिव्यांगजनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मोबाइल कोर्ट का समापन किया।

लोनी विधायक ने मार्ग व जलनिकासी के लिए 10 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

50 करोड़ की लागत से महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों के नवनिर्माण से सुगम होगा आवागमन

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी । विधानसभा क्षेत्र लोनी के ग्रामीण अंचल और नगरपालिका में सड़क संपर्क व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में स्थानीय विधायक ने मीरपुर एवं सुंगरपुर क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण सड़क नवनिर्माण परियोजनाओं, वार्ड 43 चमन विहार और 29 रामपार्क में सड़क एवं जलनिकासी के कार्यों का शुभारंभ किया है। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख कोमल वंदना गुर्जर, सभासद जीतू डेढ़ा, सभासद कुलवीर चौहान और स्थानीय लोगों ने विधायक का भव्य स्वागत किया। विधायक ने मीरपुर (अशोक पंप) से कुटी वाले बाबा, सुंगरपुर तक 2.20 किलोमीटर लंबी सड़क के नवनिर्माण कार्य का शुभारंभ किया जो 157.27 लाख रुपये से निर्मित होगा। साथ ही ग्राम मीरपुर से सुंगरपुर तक 1.50 किलोमीटर लंबे मार्ग के नवनिर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया, लागत 113.67 लाख रुपये है, वार्ड नम्बर 43 में 150 लाख से अधिक की लगत से, वार्ड 29 में 52 लाख से अधिक की लागत से बनने वाले संपर्क मार्गों व अन्य विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख कोमल वंदना गुर्जर ने कहा आज लोनी देहात विकास के पथ पर अग्रसित है लगातार संपर्क मार्गों को दुरुस्त किया जा रहा है, बायपास एवं अन्य नवनिर्माण इस बात का सूचक है कि लोनी विकास की दौड़ में आज आगे चल रही है। वहीं ने कहा कि प्रदेश सरकार के सहयोग से लोनी विधानसभा में विकास कार्य निरंतर गति पकड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि मौजूदा वित्तीय वर्ष में लोनी क्षेत्र के संपर्क मार्गों के विकास हेतु 50 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत हुई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर हुई है तथा लोगों को जाम और खराब सड़कों की समस्या से राहत मिल रही है। वहीं हम नगरपालिका के वार्डों को भी निधि एवं विभिन्न मदों से आदर्श बनाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, देहात मंडल अध्यक्ष मनीष चौहान, मोनू प्रधान, रणवीर, छत्रपाल, बृजपाल, राजकुमार व निशु त्यागी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

युवक को गोली मारने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार, अन्य दो की तलाश जारी

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। बॉर्डर थाना पुलिस ने कुछ दिन पूर्व अंबेडकर चौक पर युवक को गोली मारने वाले बदमाशों में शामिल दो अभियुक्तों को मुखबिर की सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया हैं. हालांकि उनके अन्य दो फरार साथियों की पुलिस को अभी तलाश है।

उल्लेखनीय है कि विगत 19 जून को चार युवक अंबेडकर चौक पर खड़े अरुण नामक युवक को गोली मारकर फरार हो गये थे। गंभीर हालत में घायल अरुण को अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जहां उसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से चार युवकों के विरुद्ध थाना लोनी बॉर्डर पर हत्या का प्रयास करने की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। तभी से आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तमंचा व कारतूस बरामद करने का दावा किया है। हालांकि उनके अन्य दो साथी अभी भी पुलिस पकड़ से बाहर हैं। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप कुमार मौर्य के अनुसार पकड़े गए बदमाशों ने पुलिस पूछताछ के दौरान अपना नाम करन निवासी मीत नगर, दिल्ली व अक्षय निवासी पूर्वी गोकुलपुर, दिल्ली तथा अपने अन्य फरार साथियों का नाम मन्नू व मोंटी बताया हैं। गोली मारने की वजह के बारे में दोनों में बताया कि कुछ दिनों पूर्व उनका अरुण से झगड़ा हो गया था. इसके चलते उन्होंने उसे गोली मारी है।

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ में झमाझम बारिश, पांच दिन आंधी-तूफान का अलर्ट

रायपुर। मानसून ने छत्तीसगढ़ में अपनी आमद दर्ज करा दी है। दंतेवाड़ा, बीजापुर और राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में बारिश हुई है, जिससे तापमान में काफी गिरावट आई है। मंगलवार सुबह से ही रायपुर का मौसम बेहद सुहावना बना हुआ है। मानसून ने राज्य के दंतेवाड़ा क्षेत्र से प्रवेश किया है। इसके बाद राजधानी रायपुर, रायगढ़ समेत कई जिलों में सोमवार और मंगलवार को झमाझम बारिश हुई है। 1 जून महीने में अब तक राज्य में सामान्य से करीब 69 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है, जिसकी भरपाई इस मानसूनी तंत्र के आगे बढ़ने से होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार हवा के कम दबाव का एक लंबा क्षेत्र, जिसे मौसमी भाषा में द्रोणिका कहते हैं, वह राजस्थान से उत्तर प्रदेश होते हुए बिहार तक बना हुआ है। इसके अलावा एक और ऐसा ही सिस्टम तेलंगाना से लेकर तमिलनाडु तक सक्रिय है। हवा के इन्हीं दो बड़े सिस्टम के कारण छत्तीसगढ़ के मौसम में यह सुखद बदलाव आया है और मानसून आगे बढ़ रहा है।

रायपुर : टाटेकसा जलाशय योजना के सर्वेक्षण के लिए 3.47 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जल प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा आज मंगलवार को मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के अंतर्गत विकासखंड अंबागढ़ चौकी की टाटेकसा जलाशय योजना के सर्वेक्षण कार्य के लिए 3 करोड़ 47 लाख 1 हजार रुपये की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के प्रारंभिक और तकनीकी सर्वेक्षण कार्य को समय सीमा में पूरा करने के लिए विभाग ने मुस्तैदी दिखाई है। शासन द्वारा इस संबंध में मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग, रायपुर को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। टाटेकसा जलाशय योजना का सर्वेक्षण कार्य पूरा होने और परियोजना के धरातल पर उतरने से अंबागढ़ चौकी क्षेत्र के बड़े हिस्से को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। वनांचल और आदिवासी बाहुल्य इस जिले में जल संकट से निपटने और कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने में यह योजना बेहद कारगर साबित होगी। प्रशासनिक स्तर पर मंजूरी मिलने के बाद अब जल संसाधन विभाग जल्द ही इस जलाशय के लिए सर्वे का काम शीघ्र शुरू करने जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में मजदूरों से भरी पिकअप वाहन पलटी

सूरजपुर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के नेवरा इलाके में सोमवार की रात मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 10 नाबालिगों सहित कुल 25 मजदूर घायल हो गए हैं, जिनमें से 10 की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार नेवरा इलाके में सोमवार की रात मजदूर भैयाथान में मजदूरी कर वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान नेवरा के पास एक ट्रेलर को ओवरटेक करने के प्रयास में पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि फरार चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। इस हादसे ने एक बार फिर स्थानीय पुलिस और यातायात प्रशासन की मुस्तैदी पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। मालवाहक गाड़ियों में इंसानों को भेड़-बकरियों की तरह ठूंस-ठूंस कर भरना अब आम बात हो चुकी है। दावों के उलट, धरातल पर ऐसे वाहनों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई देखने को नहीं मिल रही है।

प्रदेश सरकार अपनी जवाबदेही से बच रही, प्रसुताओं की मौत चिंताजनक : गहलोत

प्रातः किरण संवाददाता

जोधपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोटा में प्रसुताओं की मौत और जोधपुर में बिगड़ती स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को गंभीर बताते हुए सरकार को कटघरे में खड़ा किया। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था, पेयजल और अधूरे विकास कार्यों को लेकर सरकार जवाबदेही से बच रही है। वे मंगलवार को जोधपुर प्रवास पर सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश सरकार की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े किए। उन्होंने कोटा में प्रसुताओं की मौत और जोधपुर में प्रसुताओं की बिगड़ती तबीयत के मामलों को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि सरकार को पूरे मामले में गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए। गहलोत ने कहा कि प्रदेशभर से लाखों महिलाएं सरकारी अस्पतालों में उपचार के लिए आती हैं और यदि इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं तो यह सीधे स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा करती हैं। उन्होंने कहा कि समय पर अधिकारियों की सक्रियता और मरीजों को एम्स रेफर करना अच्छी बात है, लेकिन ऐसी नौबत ही क्यों आए, यह बड़ा सवाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कई स्वास्थ्य परियोजनाएं और भवन अधूरे पड़े हैं। सरकार नई घोषणाएं तो कर रही है, लेकिन पहले से तैयार ढांचे और संस्थानों का उपयोग नहीं कर पा रही। उन्होंने कहा कि पूर्व में शुरू किए गए कई सेंटर और भवन आज भी पूरी तरह संचालित नहीं हो सके हैं। कोचिंग और शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी गहलोत ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पहले बनाए गए बड़े संस्थागत ढांचे का सही उपयोग करने के बजाय सरकार दूसरी प्राथमिकताओं पर ध्यान दे रही है। उनके अनुसार, यदि समय पर योजनाओं को आगे बढ़ाया जाए तो जनता को सीधा लाभ मिल सकता है। कानून व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई। गहलोत ने कहा कि जोधपुर में हाल के घटनाक्रमों ने लोगों के बीच भय का माहौल पैदा किया है और इससे कानून व्यवस्था पर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार केवल बयान दे रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति सुधरती दिखाई नहीं दे रही। गहलोत ने पत्रकार वार्ता में केंद्रीय मंत्री का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि किसी भी परियोजना का श्रेय कोई भी ले सकता है, लेकिन जरूरी यह है कि काम समय पर पूरा हो। उन्होंने पेयजल संकट का भी मुद्दा उठाते हुए कहा कि जनता परेशान है जबकि जिम्मेदार लोग मौन बने हुए हैं। चौथी बार मुख्यमंत्री बनने की संभावना पर पूछे गए सवाल पर गहलोत ने कहा कि इसका फैसला पार्टी नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि राजनीति में सक्रिय रहना जरूरी है और नेता कभी रिटायर नहीं होते। उन्होंने अधिकारियों को भी संदेश देते हुए कहा कि केवल सेवा निवृत्त तक सीमित न रहें, बल्कि लंबे समय तक समाज और जनता के लिए काम करने का प्रयास करें ताकि लोग उन्हें याद रखें।

मुख्यमंत्री ने बलिदान दिवस पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

प्रातः किरण संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंगलवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में प्रख्यात शिक्षाविद्, भारत के प्रथम उद्योग मंत्री, राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के सशक्त प्रहरी थे। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना संपूर्ण जीवन देश सेवा के लिए समर्पित किया। उनके विचार, संघर्ष और त्याग भारतीय लोकतंत्र एवं राष्ट्रवादी चिंतन की अमूल्य धरोहर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की राजनीति को वैचारिक आधार प्रदान किया तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्र की अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज भी प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ते समय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्श और सिद्धांत हमें निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उनके विचारों को आत्मसात कर ही हम राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, राम गर्ग सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

रायगढ़ नगर निगम आयुक्त ने की राजस्व विभाग समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

रायगढ़। प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को यह समझना होगा कि राजस्व संग्रहण केवल विभागीय कार्य नहीं, बल्कि शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार का आधार है। यदि राजस्व संग्रहण बेहतर होगा तो नगर निगम अधिक प्रभावी ढंग से विकास कार्यों का संचालन कर सकेगा। राजस्व वसूली नगर निगम की जीवनरेखा है। इसलिए राजस्व शाखा के सभी अधिकारी और कर्मचारी को तय लक्ष्य प्राप्ति के लिए अभी से कार्य सुनियोजित कार्य करना होगा। उक्त बातें आज नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में कही। इस दौरान उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 में राजस्व वसूली की प्रगति का आकलन किया। बैठक में सहायक राजस्व निरीक्षकों, कर संग्रहकों एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों से वार्डवार संपत्तिकर, समेकित कर, जलकर एवं यूजर चार्ज की वसूली की स्थिति की जानकारी ली गई। समीक्षा के दौरान आयुक्त श्री क्षत्रिय ने कहा कि गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त उपलब्धियों को आधार बनाते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी शत-प्रतिशत राजस्व लक्ष्य प्राप्ति के लिए अभी से सुनियोजित एवं व्यवस्थित रूप से कार्य प्रारंभ करना होगा। उन्होंने सभी सहायक राजस्व निरीक्षकों को प्रतिदिन, साप्ताहिक, मासिक एवं त्रैमासिक प्रगति का प्रतिवेदन निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, जिससे वसूली कार्यों की नियमित निगरानी एवं मूल्यांकन किया जा सके। इस अवसर पर आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने कहा कि राजस्व विभाग नगर निगम का सबसे महत्वपूर्ण और अभिन्न विभाग है। नगर निगम की वित्तीय सुदृढ़ता का आधार राजस्व संग्रहण ही है। राजस्व से प्राप्त राशि के माध्यम से कर्मचारियों के वेतन का भुगतान किया जाता है तथा शहरवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, अधोसंरचना विकास, स्वच्छता, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न जनहितकारी कार्यों का संचालन किया जाता है। बैठक में राजस्व वसूली की रणनीति, बकाया कर संग्रहण, वार्डवार प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। आयुक्त श्री क्षत्रिय ने सभी सहायक राजस्व निरीक्षकों को अपने-अपने प्रभार क्षेत्र के बकायादारों की पृथक सूची तैयार करने तथा उनसे सतत संपर्क स्थापित कर लंबित कर राशि जमा कराने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने करदाताओं को कर भुगतान के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ बड़े बकायादारों के विरुद्ध नियमानुसार नोटिस जारी करने, कुर्की वारंट की कार्यवाही करने तथा आवश्यकतानुसार सीलिंग की कार्यवाही में तेजी लाने की बात कही, ताकि राजस्व संग्रहण में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित हो सके। बैठक में आयुक्त श्री क्षत्रिय ने उन सहायक राजस्व निरीक्षकों के प्रति नाराजगी व्यक्त की, जिनकी वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्रगति अपेक्षाकृत कम रही है। उन्होंने ऐसे अधिकारियों को अपने कार्यों में सुधार लाते हुए वसूली अभियान को गति देने के निर्देश दिए, वहीं जिन सहायक राजस्व निरीक्षकों ने निर्धारित अवधि में बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपेक्षाकृत अधिक राजस्व संग्रह किया है, उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।

अम्बिकापुर में खनिज विभाग की टीम पर रेत माफिया का हमला

जब्त हाइवा छुड़ाकर फरार

प्रातः किरण संवाददाता

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ के अम्बिकापुर में रेत माफिया का आतंक और दुस्साहस थमने का नाम नहीं ले रहा है, जहां राजधानी रायपुर से पहुंची खनिज विभाग की केंद्रीय टीम पर सरेराह हमला करने का गंभीर मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक संचालक रजत बंसल (आईएएस) के निर्देशानुसार केंद्रीय खनि उड़नदस्ता की संयुक्त टीम और जिला स्तरीय टीम द्वारा अवैध उत्खनन की प्राप्त शिकायतों के संबंध में 22 जून को औचक निरीक्षण किया गया था। जांच टीम ने जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के देखकोल (तहसील पटना) और जिला सूरजपुर के ग्राम करता (तहसील प्रतापपुर) में स्थित महान नदी क्षेत्र का औचक भ्रमण किया। इस दौरान टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खान और खनिज अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत अवैध परिवहन में संलग्न कई वाहनों को जब्त किया, जिसमें मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के ग्राम बरबसपुर से निम्न श्रेणी चूना पत्थर से भरे 02 हाइवा, सूरजपुर के ग्राम लटोरी से 01 साधारण रेत से भरा हाइवा, ग्राम खड़गवां से 01 टिप्पर, सरगुजा के ग्राम सकालो से 01 टिप्पर और अम्बिकापुर से 02 साधारण रेत से भरे टिप्पर शामिल थे। इन सभी गाड़ियों को जब्त कर सुरक्षार्थ नजदीकी थानों की सुपुर्दगी में खड़ा कराया गया था। इसी कार्रवाई के दौरान जब जांच दल अम्बिकापुर शहर के व्यस्ततम गांधी चौक के पास एक 6 पहिया टिप्पर वाहन लेकर पहुंचा, तो वहां रेत माफियाओं ने कानून को ताक पर रखकर खनिज विभाग की टीम को घेर लिया। जब टिप्पर के मालिक लड्डन खान, वाहन चालक सोनू टोप्पो, खलासी और उनके अन्य साथियों ने सरकारी टीम के साथ गाली-गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी। माफियाओं ने मौके पर तैनात खनिज विभाग के साथ आरक्षक (नगर सैनिक) के साथ बेरहमी से मारपीट की और सरकारी हिरासत से अवैध रेत से लदे वाहन को जबरन छुड़ाकर फरार हो गए। इस सनसनीखेज वारदात के बाद देर रात लगभग 10 बजे थाना गांधीनगर, जिला अम्बिकापुर में मुख्य आरोपित लड्डन खान सहित तीन नामजद और अन्य आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न गंभीर धाराओं 191(2), 221, 121(1), 132, 296, 351(3) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

हाइड्रा क्रेन ने तीन बच्चों को कुचला, 10 वर्षीय मासूम की मौत

जालोर। शहर के तृतीय औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में हाइड्रा क्रेन ने स्कूटी सवार तीन बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में 10 वर्षीय लक्ष्य कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से एक बच्चे को गंभीर हालत में जोधपुर रेफर किया गया है। कोतवाली थाने के एएसआई बाबूलाल के अनुसार, सीकर हॉल के पास रहने वाले 10, 6 और 15 साल के तीन बच्चे एक स्कूटी पर सवार होकर दूध लेकर घर लौट रहे थे। तीनों बच्चों के पिता की किराने की दुकान है। परिजनों ने बताया कि पिता ने बच्चों से कहा था कि तुम लोग चलो, मैं दुकान बंद करके आता हूं, ध्यान से जाना। बताया जा रहा है कि जालोर-बागरा रोड पर एक तरफ की सड़क पार करने के बाद तीनों बच्चे डिवाइडर के पास खड़े होकर दूसरी ओर की सड़क पार करने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान बागरा की ओर से तेज गति से आई हाइड्रा क्रेन ने उन्हें कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि लक्ष्य कुमार के शरीर का निचला हिस्सा पूरी तरह कुचल गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को जालोर ट्रोमा सेंटर पहुंचाया। वहां से निखिल की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जोधपुर रेफर कर दिया गया, जबकि दूसरे घायल का इलाज जालोर में जारी है। सूचना पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और मृतक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शव का मंगलवार को पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस ने हादसे के बाद हाइड्रा क्रेन को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

विरासत से अतिक्रमण हटाने पर तेज हुई सियासत

बचाव में आए कांग्रेस नेता बोले पीढ़ियों से बसे परिवारों पर प्रहार

प्रातः किरण संवाददाता

चित्तौड़गढ़। विश्व धरोहर चित्तौड़ दुर्ग पर चिन्हित 209 अवैध अतिक्रमणों को हटाने की प्रशासनिक तैयारी के बीच मामला राजनीतिक रंग लेता जा रहा है। प्रशासन और पुरातत्व विभाग इसे धरोहर की सुरक्षा के लिए जरूरी बता रहे हैं, वहीं कांग्रेस ने इसे वर्षों से बसे परिवारों के अधिकारों पर हमला बताया है। दोनों दलों के जनप्रतिनिधि अपने-अपने समर्थकों के निर्माण बचाने में जुटे हैं। गौरतलब है कि हाल ही में प्रशासन ने दुर्ग क्षेत्र में दो निर्माणाधीन भवनों को ध्वस्त किया था। अब 209 व्यावसायिक और आवासीय निर्माणों को अतिक्रमण की श्रेणी में चिन्हित किया गया है। सूत्रों के अनुसार इनको लेकर उच्च स्तर पर पत्राचार भी किया गया है। ऐसे में मंगलवार को शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने वार्ड संख्या 43 के निवासियों के पक्ष में मोर्चा खोलते हुए कार्रवाई रोकने की मांग की। ज्ञापन के दौरान पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने आरोप लगाया कि दुर्ग क्षेत्र में परिवार पीढ़ियों से पैतृक भवनों में रह रहे हैं और कई भवनों की मरम्मत स्थानीय जरूरतों के अनुसार होती रही है। जाड़ावत ने कहा कि पुरातत्व विभाग ने वर्षों तक दोहरा रवैया अपनाया—एक तरफ निर्माण सामग्री आने दी गई, दूसरी तरफ नोटिस जारी कर दिए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि निर्माण अवैध थे तो वर्षों तक इन्हें बढ़ने क्यों दिया गया? बिना वैकल्पिक व्यवस्था के मकानों पर बुलडोजर चलाना मानवीय दृष्टि से उचित नहीं है। ज्ञापन के दौरान कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष भैरूलाल चौधरी, वरिष्ठ नेता प्रेम प्रकाश मूंदड़ा, ग्रामीण अध्यक्ष विक्रम जाट, पूर्व सभापति रमेशनाथ, जिला उपाध्यक्ष नगेन्द्रसिंह राठौड़, गोविंद शर्मा, बालमुकुंद मालीवाल, जिला महामंत्री प्रमोद सिंह तंवर, सुरेन्द्रनाथ योगी, महावीर सिंह डेलवास आदि मौजूद रहे। लेकिन धरोहर बचाना ज्यादा जरूरी दूसरी ओर विशेषज्ञों का मानना है कि चित्तौड़ दुर्ग यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल है। यदि अनियंत्रित निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक नहीं लगी तो दुर्ग की ऐतिहासिक पहचान और मूल स्वरूप को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में पुरातत्व विभाग और प्रशासन पर विरासत संरक्षण की जिम्मेदारी भी है।

गुणवत्तापूर्ण उपचार के लिए मेडिकल प्रोटोकॉल की प्रभावी पालना एवं सतत मॉनिटरिंग होगी सुनिश्चितः प्रमुख शासन सचिव

प्रातः किरण संवाददाता

जोधपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को उम्मेद चिकित्सालय का निरीक्षण कर प्रसूति सेवाओं, लेबर रूम, ऑपरेशन थियेटर, पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड सहित विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं का सघन अवलोकन किया तथा चिकित्सा सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत पत्रकारों से संवाद करते हुए राठौड़ ने कहा कि वर्ष 1938 से संचालित उम्मेद चिकित्सालय प्रदेश के प्रमुख मातृ स्वास्थ्य संस्थानों में से एक है, जहां प्रतिवर्ष लगभग 25 हजार एवं सिजेरियन प्रसवों की होती है। उन्होंने कहा कि आमजन के चिकित्सालय के प्रति विश्वास को बनाए रखते हुए प्रत्येक मरीज को बेहतर एवं सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान उन्होंने प्रसूताओं, चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ से भी संवाद कर उपचार व्यवस्थाओं एवं प्रोटोकॉल की पालना की जानकारी ली। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सभी चिकित्सालयों में मानक चिकित्सा प्रोटोकॉल (एसओपी) की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों के साथ समीक्षा कर औषधियों के सुरक्षित भंडारण, नर्सिंग ड्यूटी, पोस्ट ऑपरेटिव देखभाल एवं गंभीर मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग सहित सभी प्रक्रियाओं का पुनरावलोकन किया जाएगा, जिससे किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना को न्यूनतम किया जा सके तथा समय रहते आवश्यक चिकित्सकीय हस्तक्षेप सुनिश्चित हो। राठौड़ ने बताया कि चिकित्सालय के एनआईसीयू, पीआईसीयू एवं अन्य गंभीर चिकित्सा इकाइयों में आवश्यक सुविधाएं सुचारु रूप से संचालित हैं। उन्होंने कहा कि केन्नुला, ग्लव्स सहित आवश्यक चिकित्सा सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है तथा आवश्यकता के अनुसार इसकी नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। निरीक्षण के दौरान डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. बी. एस. जोधा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह शेखावत, उम्मेद चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. मोहन मकवाना सहित चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद थे।

पेंशन हितग्राहियों का विशेष सत्यापन अभियान में 11 मृतकों का हुआ चिन्हांकन

प्रातः किरण संवाददाता

नारायणपुर। जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन ने मिशन मोड में विशेष सत्यापन अभियान शुरू किया है। कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देश पर सभी ग्राम पंचायतों में पेंशन हितग्राहियों का सत्यापन, नॉन-डीबीटी खातों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रणाली से जोड़ने तथा मृत पेंशनधारियों के नामों को सूची से पृथक करने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत पोछावाड़ा अंतर्गत ग्राम रोहताड़ में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों की जानकारी का सत्यापन किया गया तथा बैंक खाते और आधार संबंधी दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक श्याम सुंदर रैदास ने आज मंगलवार को बताया कि ग्राम पंचायत पोछावाड़ा में कुल 118 पेंशन हितग्राही पंजीकृत हैं, जिनमें 40 हितग्राही नॉन-डीबीटी श्रेणी के हैं। शिविर के दौरान दो हितग्राहियों के बैंक एवं आधार संबंधी विवरण संकलित किए गए, जबकि दो हितग्राहियों को बैंक में ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिए गए। वहीं छह हितग्राहियों को जानकारी दी गई कि उनकी पेंशन राशि पहले से ही डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक खातों में जमा हो रही है। शिविर के दौरान पंचायत सचिव ने 11 पेंशनधारियों के निधन की जानकारी दी। इसके आधार पर मृत हितग्राहियों का चिन्हांकन कर आवश्यक अभिलेखीय प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। संबंधित जानकारी विभाग को भेजी जाएगी, जिससे अपात्र नामों पर होने वाले भुगतान को रोका जा सके और योजनाओं के संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। प्रशासन द्वारा पात्र लेकिन किसी कारणवश योजना से वंचित रह गए लोगों को भी चिन्हित कर उन्हें पेंशन योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर पात्र हितग्राही को समय पर और सीधे उसके बैंक खाते में पेंशन राशि प्राप्त हो सके।

टिश्यू कल्चर तकनीक से किसानों को मिलेगा अधिक लाभ : वन मंत्री केदार कश्यप

प्रातः किरण संवाददाता

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप आज मंगलवार को अरण्य भवन, नवा रायपुर में आज मंगलवार को सागौन प्रबंधन एवं उन्नत सागौन रोपण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरुण पाण्डेय, वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सागौन (टीक) का प्रबंधन और उन्नत रोपण उच्च गुणवत्ता वाली इमारती लकड़ी के उत्पादन और शानदार मुनाफे का सौदा है। उन्होंने कहा कि सागौन विश्व की सबसे मूल्यवान इमारती लकड़ियों में से एक है। इसकी मजबूती, टिकाऊपन और दीमक-रोधी गुणों के कारण इसे लकड़ी का राजा कहा जाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार लोग भविष्य की सुरक्षा के लिए बैंक में निवेश करते हैं, उसी तरह सागौन का पौधा लगाना भी एक दीर्घकालिक और सुरक्षित निवेश है। इससे किसानों को भविष्य में बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। वन मंत्री कश्यप ने किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि टिश्यू कल्चर तकनीक से तैयार सागौन के पौधे सामान्य पौधों की तुलना में तेजी से बढ़ते हैं। इन पौधों का तना सीधा और गुणवत्तापूर्ण होता है, जिससे बेहतर गुणवत्ता की लकड़ी प्राप्त होती है और किसानों की आय बढ़ती है। कश्यप ने बताया कि किसान सागौन रोपण के शुरुआती वर्षों में पौधों के बीच खाली स्थान पर दलहन, तिलहन अथवा अन्य फसलें लेकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। वहीं 8 से 10 वर्ष बाद वृक्षों की छंटाई (थिनिंग) से भी आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। राज्य शासन द्वारा निजी भूमि पर व्यावसायिक वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष अनुदान दिया जा रहा है।

सवारियों से भरी रोडवेज बस में लगी आग 37 यात्री बाल बाल बचे

अजमेर। अजमेर से किशनगढ़ मार्ग पर परासिया रेलवे फ्लाईओवर के निकट मंगलवार दोपहर सवारियों से भरी रोडवेज बस में आग लग गई। बस किशनगढ़ से अजमेर 37 यात्रियों को लेकर जा रही थी। सभी यात्री समय रहते सुरक्षित बस से उतर गए। आग पर काबू पाने से पहले ही बस पूरी तरह आग के आगोश में समा गई और जलकर कबाड़ हो गई। अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी राम प्रसाद चौधरी के अनुसार आग लगने ही चालक और परिचालक ने सूझबूझ से काम लिया। उन्होंने समय रहते सवारियों को बस से बाहर उतारा साथ ही घटना की सूचना अधिकारियों को दी। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक बस पूरी तरह जलकर कबाड़ हो चुकी थी। गेगल और मदनगंज थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची बस से उतरे यात्रियों को किसी तरह मदद पहुंचा कर गंतव्य तक पहुंचाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

युवती को वीडियो वायरल करने की धमकी

नोएडा। सेक्टर-31 निवासी युवती ने पड़ोसी युवक पर निजी वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगा सेक्टर-20 थाने में केस दर्ज कराया। युवती का आरोप है कि आरोपी कई वर्षों से उसका पीछा कर रहा है। युवती ने महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ को शिकायत दी कि कोविड काल के दौरान सोशल मीडिया और वीडियो कॉल के माध्यम से उसकी पहचान रोहित से हुई। उसने कुछ निजी वीडियो उसकी असहमति के बावजूद रिकॉर्ड कर लिए। बाद में दोनों के बीच संपर्क समाप्त हो गया। तीन-चार वर्ष बाद आरोपी ने दोबारा इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और विभिन्न मोबाइल नंबरों से संपर्क करना शुरू कर दिया। वह बातचीत और मुलाकात का दबाव बनाने लगा। विरोध करने पर उसने युवती की निजी वीडियो और रिकॉर्डिंग परिवार, रिश्तेदारों तथा सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। वह अलग-अलग फोन नंबरों से देर रात तक संपर्क करने का प्रयास करता है। पीड़िता ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने, निजी वीडियो और रिकॉर्डिंग हटवाने की मांग की है। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर आरोपी के खिलाफ साइबर ब्लैकमेलिंग, स्टॉकिंग, आपराधिक धमकी, साइबर उत्पीड़न और गोपनीयता के उल्लंघन से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

सैर पर निकले युवक से मोबाइल फोन छीना

नोएडा। सेक्टर-71 के बी ब्लॉक में रहने वाले शोभित कुमार पांच जून की सुबह पार्क में सैर करने के लिए पैदल जा रहे थे। रास्ते में परिचित की कॉल मोबाइल पर आई। वह फोन पर बात करने लगे। इसी बीच पीछे से बाइक सवार दो लोग आए और उनसे मोबाइल फोन छीनकर भाग गए। उन्होंने बदमाशों का पीछा किया, लेकिन बदमाश भाग निकलने में कामयाब रहे। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर बदमाशों की पहचान की जा रही है। जल्द ही बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा।

चोरी की बाइक संग दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-94 के पास से पुलिस ने रेकी करने के बाद दोपहिया वाहनों की चोरी करने वाले दो बदमाशों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों की पहचान दिल्ली के कालिंदी कुंज निवासी दिनेश उर्फ देव और आकाश सिंह के रूप में हुई। उनके पास से चोरी की मोटरसाइकिल और चाकू बरामद हुआ। बरामद मोटरसाइकिल आरोपियों ने दिल्ली के शाहीन बाग से चोरी की थी। इस संबंध में स्थानीय थाने में केस भी दर्ज है। आरोपी पूर्व में भी दोपहिया वाहन चोरी कर चुके हैं।

300 से अधिक प्रतिभागियों ने योग शिविर में लिया हिस्सा

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में द डे ऑफ योगाः ब्रीद, बैलेंस एंड बिकम थीम के तहत योग कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के खेल विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से 300 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में एनआईयू, एनआईआईएमएस, एनएसएस, एनसीसी के स्वयंसेवकों के साथ-साथ विभिन्न स्कूलों के छात्र भी शामिल हुए। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए योग रही। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. देवेश कुमार सिंह, चांसलर डॉ. विक्रम सिंह और कुलपति प्रो. (डॉ.) उमा भारद्वाज के मार्गदर्शन व सहयोग से किया गया।

पड़ोसी पर किशोरी से छेड़छाड़ का आरोप

दादरी। कस्बे की कॉलोनी में 14 वर्षीय किशोरी अपने परिवार के साथ रहती है। पिता का आरोप है कि पड़ोसी दीपक ने सोमवार को उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की। घटना के बारे में किसी को बताने पर परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने किसी तरह मामले की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद घटना के बारे में पुलिस को बताया गया। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर की दी जानकारी

नोएडा। कमिश्नरेट पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान-5.0 के तहत मंगलवार को महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया। मिशन शक्ति टीम ने हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। महिलाओं को बताया गया कि अगर वे घरेलू हिंसा की शिकार होती हैं या कोई उन्हें बेवजह परेशान करता है तो कैसे शिकायत करनी है।

नोएडा के रायपुर लेबर कैंप में भीषण आग

गैस सिलेंडर लीकेज से मची अफरा-तफरी, 5 दमकल गाड़ियों ने एक घंटे में काबू पाया

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा के सेक्टर-126 में रायपुर गांव स्थित एक लेबर कैंप में सोमवार को सुबह करीब सात बजे आग लग गई। गैस सिलेंडर लीकेज के कारण आग लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। पूरे कैंप में अफरा-तफरी मच गई। घटना सेक्टर-126 थाना क्षेत्र के रायपुर गांव की है। जिस समय आग लगी, उस समय कैंप में करीब 60 मजदूर रह रहे थे। राहत की बात यह रही कि समय रहते सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। कैंप में रखा मजदूरों का सामान जल कर राख हुआ ये कैंप ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर तक बना था। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण कर घटना की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार आग तेजी से फैली, लेकिन समय रहते बचाव कार्य शुरू होने से बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण गैस सिलेंडर से गैस का रिसाव माना जा रहा है। आग की लपटों से लेबर कैंप में रखा सामान जलकर खाक हो गया। सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया कि दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इसके बाद आग को पूरी तरह बुझा दिया गया।

नोएडा में ट्रकों की आवाजाही के लिए बनेगा मास्टरप्लान

- 7 दिन का सर्वे शुरू, जाम और प्रदूषण कम करने पर फोकस

प्रात: किरण संवाददाता

शहर में बढ़ती लॉजिस्टिक गतिविधियों और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने सिटी लॉजिस्टिक प्लान (CLP) तैयार करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। इस योजना के तहत शहर में ट्रकों की आवाजाही, माल ढुलाई और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े यातायात पैटर्न का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। इसके लिए सात दिन का विशेष सर्वे शुरू किया गया है। यूपी के तीन शहरों में शामिल हुआ नोएडा केंद्र सरकार की पहल पर 25 राज्यों के 100 से अधिक शहरों के लिए सिटी लॉजिस्टिक प्लान तैयार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश से नोएडा, वाराणसी और मुरादाबाद को इस योजना में शामिल किया गया है। नोएडा में सर्वेक्षण कार्य को गति देते हुए प्राधिकरण ने दो अलग-अलग टीमें तैनात की हैं। दो टीमें जुटा रहीं ट्रकों की आवाजाही का डेटा पहली टीम शहर के प्रमुख प्रवेश और निकास मार्गों पर पिक ऑवर के दौरान ट्रकों की संख्या और उनके आवागमन का अध्ययन कर रही है। वहीं दूसरी टीम औद्योगिक क्षेत्रों में जाकर माल ढुलाई से जुड़े आंकड़े एकत्र कर रही है। सर्वे के दौरान यह भी पता लगाया जा रहा है कि एनसीआर के अन्य जिलों से रोजाना कितने ट्रक नोएडा आते हैं और उनका प्रमुख उपयोग क्या है। 24 घंटे के आंकड़ों के विश्लेषण के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे शासन के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। प्राधिकरण ने बनाई विशेष समिति सिटी लॉजिस्टिक प्लान की निगरानी के लिए नोएडा प्राधिकरण ने एक समिति का गठन किया है।

नोएडा में बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे 2 कोचिंग सेंटर सील: सिटी मजिस्ट्रेट और फायर विभाग की ज्वाइंट टीम ने किया निरीक्षण

लखनऊ अग्निकांड के बाद गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन अब बिना मानकों के संचालित कोचिंग सेंटरों के खिलाफ कार्रवाई में जुट गया है। मंगलवार को जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस), सिटी मजिस्ट्रेट और फायर विभाग की संयुक्त टीम ने सेक्टर-104 स्थित ओम कोचिंग सेंटर को सील कर दिया। जांच में पाया गया कि कोचिंग सेंटर के पास न तो विभागीय पंजीकरण था और न ही फायर विभाग की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी)। अधिकारियों ने मौके पर सुरक्षा इंतजामों का भी निरीक्षण किया। आवश्यक दस्तावेज नहीं मिलने और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किए जाने पर कोचिंग सेंटर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी इसके बाद टीम ने वासु एजुकेशन सेंटर पर भी कार्रवाई की। यहां भी विभागीय पंजीकरण नहीं मिला। मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर इस संस्थान को भी सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने संचालकों को स्पष्ट रूप से बताया कि बिना पंजीकरण और सुरक्षा मानकों के किसी भी संस्थान को संचालित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। डीआईओएस चंद्रशेखर ने बताया कि जिले में बिना पंजीकरण संचालित कोचिंग सेंटरों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। इससे पहले भी बड़ी संख्या में संस्थानों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

नोएडा में 50 कि.मी प्रति घंटा की रफ्तार से चली आंधी

हल्की बारिश से गर्मी-उमस से राहत; अगले 2-3 दिन बादल छाए रहेंगे

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा में मंगलवार दोपहर बाद मौसम ने अचानक करवट ली। शहर में तेज आंधी के साथ हल्की बारिश हुई। करीब 40 से 50 ड्ट प्रति घंटे की रफ्तार से चली धूलभरी आंधी के कारण लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली, हालांकि धूल के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। सड़क पर चलने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, मंगलवार को नोएडा का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर बाद तेज हवाओं और हल्की बारिश के चलते तापमान में गिरावट महसूस की गई और मौसम सुहावना हो गया। आंधी के दौरान कई इलाकों में धूल का गुबार छा गया, जिससे दृश्यता भी प्रभावित हुई। वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से वाहन चलाने पड़े। आईएमडी की ओर से फिलहाल किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालांकि विभाग का अनुमान है कि आगामी दो से तीन दिनों तक आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे। मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। धूल भरी आंधी से लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। बिजली व्यवस्था बाधित धूल भरी आंधी के कारण नोएडा के कई इलाकों में बिजली सप्लाई बाधित रही। शट डाउन लेकर लाइनों को ठीक कराया जा रहा है। अधिकांश ग्रामीण इलाकों में बिजली सप्लाई बाधित है।

निवेश पर दोगुना मुनाफा कमाने का झांसा देकर युवक से 27 लाख ऐंठे

नोएडा। साइबर अपराधियों ने निवेश करने पर दोगुने मुनाफे का झांसा देकर बिसरख निवासी युवक से 27 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने की पुलिस से की। न्यायालय के आदेश पर मामले में केस दर्ज किया गया। बिसरख निवासी सत्यम सिंह ने पुलिस को शिकायत दी कि कुछ समय पहले उनके मोबाइल नंबर पर एक लिंक भेजा गया। लिंक खोलने पर उसे कुछ राशि निवेश करने पर रकम दोगुनी होने का आश्वासन दिया गया। अधिक लाभ के लालच में उन्होंने अलग-अलग तिथियों में आरोपियों के बताए गए बैंक खातों में राशि जमा कर दी। जिन खातों में रकम भेजी गई, उनमें स्मॉल फाइनेंस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और बंधन बैंक के खाते शामिल हैं। जब निवेश की गई रकम वापस नहीं मिली और आरोपियों से संपर्क टूट गया, तब पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद उसने साइबर क्राइम हेल्पलाइन और संबंधित पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अब बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, ट्रांजेक्शन डिटेल और डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और डिजिटल ट्रेल के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसने ठगी में जो रकम गंवाई है, वह उसकी अभी तक की जमा पूंजी थी।

ग्रेटर नोएडा में दहेज हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार

- 10 लाख-स्कॉर्पियो की मांग पूरी न होने पर पत्नी को मारा था

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र में शादी के महज आठ महीने बाद एक विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया, जबकि अन्य नामजद आरोपियों की तलाश जारी है। मेरठ के किनौनी गांव निवासी नितिन ने दनकौर कोतवाली में दर्ज कराई शिकायत में बताया कि उनकी बहन निशा की शादी करीब आठ महीने पहले राजपुर कला गांव निवासी पवन के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष ने दहेज में 10 लाख रुपए नकद और एक स्कॉर्पियो की मांग शुरू कर दी थी। जेठ और जेठानी फरार परिजनों का कहना है कि मांग पूरी न होने पर निशा को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। आरोप है कि शनिवार को पति पवन और उसके परिजनों ने मिलकर निशा की गला दबाकर हत्या कर दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दहेज हत्या समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर मंगलवार को आरोपी पति पवन को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ पहले से भी दनकौर कोतवाली में अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले में नामजद जेठ पंकज, भीम और जेठानी पिंकी अभी फरार हैं।

बाइक सवार बदमाशों ने फैक्टरी कर्मी से मोबाइल छीना

ट्रांस हिंडन। लिंक रोड थानाक्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने फैक्टरी कर्मी से मोबाइल फोन छीन लिया। 10 जून को हुई वारदात की 22 जून को शिकायत दी गई थी। मंगलवार को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मेरठ के कंकरखेड़ा में रहने वाले मोहित शाक्य साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट-4 स्थित एक फैक्टरी में कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 10 जून की सुबह 10 बजे वह फैक्टरी के बाहर खड़े थे। इसी दौरान बाइक सवार बदमाश पास है। वह कुछ समझ पाते, इससे पहले ही पीछे बैठे बदमाश ने मोबाइल छीन लिया और भाग निकले। उन्होंने बदमाशों का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। प्रभारी सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि शिकायत के बाद मुकदमा दर्ज किया गया है। आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगाल रहे हैं। पहचान कर बदमाशों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

लेबर कैंप में आग लगी, 60 मजदूरों ने भागकर जान बचाई

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। सेक्टर-126 क्षेत्र के रायपुर गांव स्थित लेबर कैंप में मंगलवार सुबह आग लगने से अफरातफरी मच गई। दो मंजिला कैंप के ग्राउंड फ्लोर से शुरू हुई आग देखते ही देखते ऊपरी मंजिल तक पहुंच गई। उस समय कैंप में 60 मजदूर मौजूद थे। सभी ने भागकर जान बचाई। आग को बुझाने में डेढ़ घंटे से अधिक समय लगा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि रायपुर गांव स्थित लेबर कैंप में सुबह करीब 6:20 बजे अचानक आग लग गई। आग लगते ही कैंप के अंदर धुआं भरने लगा और लपटें तेजी से फैलने लगीं। उस समय अधिकांश मजदूर सो रहे थे। कुछ मजदूरों ने धुआं और आग की लपटें देखकर शोर मचाया, जिसके बाद कैंप में रहने वाले अन्य मजदूरों की नींद खुली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मजदूरों के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर सभी लोग अपने-अपने कमरों से बाहर निकलने लगे। आग की भयावहता को देखते हुए मजदूरों ने बिना समय गंवाए भवन से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर दौड़ लगा दी। कुछ ही मिनटों में कैंप के सभी 60 मजदूर बाहर निकल आए। दमकल विभाग का रेस्क्यू घटना की सूचना तत्काल फायर विभाग और पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां रवाना कर दी गईं। हालांकि, आग तेजी से फैल चुकी थी और पूरे भवन को अपनी चपेट में ले रही थी। दमकलकर्मियों ने पहुंचते ही आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग की तीव्रता को देखते हुए कई दिशाओं से पानी की बौछार की गई। करीब एक घंटे 40 मिनट तक चले राहत एवं बचाव अभियान के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सका। आग बुझने के बाद दमकल विभाग की टीम ने भवन के प्रत्येक हिस्से की जांच की ताकि कहीं कोई व्यक्ति अंदर फंसा न रह गया हो और आग दोबारा न भड़क सके। घरेलू सामान का नुकसान आग लगने के कारण कैंप में रखा घरेलू सामान, कपड़े, बिस्तर और अन्य उपयोगी वस्तुएं जलकर नष्ट हो गईं। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई मजदूर घायल नहीं हुआ।

वाहन और मोबाइल चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार

गाजियाबाद। वेव सिटी पुलिस ने वाहन चोरी और चोरी के मोबाइलों की खरीद-फरोख्त करने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी के पांच दोपहिया वाहन, चार मोबाइल और कीपैड मोबाइल की 120 बॉडी बरामद हुई हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले भी कई मामलों में जेल जा चुका है। करीब दो माह पहले ही जेल से बाहर आया था। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि 22 जून की रात पुलिस टीम डासना चौकी क्षेत्र में गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक अपराधी चोरी की बाइक पर दूधिया पीपल से पेरिफेरल अंडरपास की ओर आने वाला है। उसके पास चोरी के मोबाइल हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर जांच शुरू की। कुछ देर बाद एक युवक बाइक से आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा, लेकिन संतुलन बिगड़ने से गिर पड़ा। पुलिस ने उसे मौके पर दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम डासना निवासी फुरकान उर्फ पाली उर्फ सैफ बताया। एसीपी के मुताबिक, तलाशी के दौरान उसके पास से चार मोबाइल और कीपैड मोबाइल की 120 सेट बरामद हुए।

गलत दिशा से आए ट्रक की टक्कर से एयरफोर्स कर्मी घायल

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। नंदग्राम थानाक्षेत्र में गलत दिशा से आ रहे ट्रक की टक्कर से कार सवार एयरफोर्स कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। राजनगर एक्सटेंशन स्थित गौर कैस्केड सोसाइटी में रहने वाले किशोर कोरुकोड़ा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सोमवार सुबह अपनी कार से हिंडन एयरफोर्स स्टेशन स्थित कार्यालय जा रहे थे। करीब साढ़े नौ बजे वह रोटरी गोल चक्कर पार कर हिंडन पुल से पहले पहुंचे थे। इसी दौरान सामने से गलत दिशा में आ रहे ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। यह इतनी भीषण थी कि कार का क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि टक्कर लगने से उन्हें गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल सहायता पहुंचाई। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। किशोर कोरुकोड़ा ने ट्रक चालक सुनील कुमार पर तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि शिकायत के आधार पर 22 जून को नंदग्राम थाने में ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

बंद मकान पर से लाखों की चोरी

गाजियाबाद। कविनगर थानाक्षेत्र की राजकुंज कॉलोनी में स्थित बंद मकान को चोरों ने निशाना बनाकर नगदी, चांदी के बर्तन और सिक्के चोरी कर लिए। घटना का पता उस समय चला जब मकान स्वामी करीब एक सप्ताह बाद घर पहुंचा। पुलिस के मुताबिक, राजनगर की राजकुंज कॉलोनी में रहने वाले निंकुज जैन और नमन जैन कुछ समय पहले कविनगर ए-ब्लॉक स्थित नए मकान में शिफ्ट हो गए थे। परिवार करीब डेढ़ माह पहले नए आवास में रहने लगा था। परिवार के लोग पुराने मकान की देखरेख के लिए दो-चार दिन के अंतराल पर वहां जाते थे। निकुंज के मुताबिक, वह आखिरी बार 13 जून को राजकुंज स्थित मकान पर गए थे। इसके बाद 20 जून को जब वह पहुंचे तो मकान में सामान बिखरा मिला। इसके बाद उन्होंने डायल-112 पर सूचना देकर पुलिस को बुलाया। चोर उनके घर से करीब छह हजार की नगदी, चांदी के गिलास, कटोरी, थाली, चम्मच और करीब चांदी के 20 सिक्के ले गए। घटना के संबंध में निकुंज ने कविनगर थाने में शिकायत दी है। कार्यवाहक एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य का कहना है कि मुकदमा दर्ज किया गया है। चोरों को चिन्हित करने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

टीएसआई की बाइक चुराने वाले दो दबोचे

गाजियाबाद। वेव सिटी थानाक्षेत्र से ट्रैफिक उपनिरीक्षक की बाइक चोरी करने वाले दो आरोपियों ने विजयनगर पुलिस ने मंगलवार रात चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में एक नाबालिग है। पुलिस ने युवक को जेल और किशोर को बाल सुधार गृह भेजा है। एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय का कहना है कि मंगलवार देर रात उपनिरीक्षक उमेश कुमार प्रताप विहार चौकी क्षेत्र में संदिग्ध वाहन और व्यक्तियों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान डीपीएस रेडलाइट की ओर से बिना नंबर प्लेट की एक बाइक सवार दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस को देख दोनों ने बाइक मोड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन घबराहट में बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े। पुलिस ने दोनों को पकड़कर पूछताछ की तो उन्होंने पहले नंबर प्लेट नहीं होने के कारण डरकर भागने की बात कही। सख्ती से पूछताछ करने पर बाइक चालक ने नाम आशीष ठाकुर उर्फ रिक्की निवासी गोशाला फाटक बताया, जबकि उसके साथ मौजूद दूसरा लड़का 17 वर्षीय किशोर निकला। एसीपी के मुताबिक, जांच में पता चला कि बरामद बाइक ट्रैफिक उपनिरीक्षक रमेश तेवतिया की थी। बीते 10 जून को ड्यूटी के दौरान आरोपियों ने उनकी बाइक चोरी की थी।

साइड न देने से नाराज दबंगों ने कार सवार को पीटा

प्रात: किरण संवाददाता

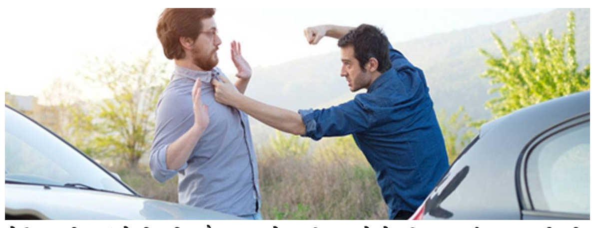

मोदीनगर। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर गोविंदपुरी कॉलोनी में साइड ना देने से नाराज कार सवार युवकों ने कार में तोड़फोड़ कर मारपीट की। इसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। नगर की आदर्श नगर कॉलोनी निवासी अमन कौशिक सोमवार रात को खाना लेने के लिए कार से गोविंदपुरी कॉलोनी की और जा रहे थे। उनके पीछे से चल रही कार आगे निकलने के लिए हार्न बजा रही थी। जगह न मिलने पर अमन कौशिक साइड न दे सके। इससे नाराज दबंगों ने हरमुखपुरी कॉलोनी गेट-2 के पास ओवरटेक कर उनकी कार रोक ली। कार से चार युवक उतरे और अमन से मारपीट करने लगे। युवकों ने कार के शीशे तोड़ दिए। लोगों को आता देखकर आरोपी फरार हो गए। एसीपी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

12 करोड़ रुपये की कटौती कर दिल्ली लौटे ऋषभ पंत

आईपीएल 2027 का सबसे बड़ा ट्रेड, कुलदीप यादव बने लखनऊ का हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 शुरू होने में अभी काफी समय है, लेकिन उससे पहले ही एक बड़े ट्रेड ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच हुए हाई-प्रोफाइल खिलाड़ी आदान-प्रदान में ऋषभ पंत अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स में लौटने जा रहे हैं, जबकि स्टार स्पिनर कुलदीप यादव लखनऊ सुपर जाएंट्स की जर्सी पहनेंगे।

इस ट्रेड की सबसे बड़ी चर्चा ऋषभ पंत की सैलरी को लेकर है। आईपीएल के मुताबिक, पंत 15 करोड़ रुपये में दिल्ली से जुड़ेंगे। लखनऊ में उनकी सैलरी रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए थे। उन्हें आईपीएल 2025 के ऑक्शन में लखनऊ ने रिकॉर्ड 25 करोड़ देकर खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी थे। उन्हें लखनऊ ने कप्तान बनाया था, लेकिन पिछले दो सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद ही लखनऊ ने उन्हें निकाल दिया है। लखनऊ ने यही हाल पूर्व कप्तान केएल राहुल के साथ भी किया था।

पंत ने दिल्ली वापसी के लिए 12 करोड़ रुपये की बड़ी रकम की कटौती की है। वहीं, लखनऊ ने बदले में कुलदीप को 13.5 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। पंत को दिल्ली की कप्तानी भी सौंपी जा सकती है। पिछले दो सीजन से अक्षर पटेल टीम की कमान संभाल रहे थे, लेकिन दिल्ली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

क्यों खास है यह ट्रेड?

यह ट्रेड सिर्फ खिलाड़ियों की अदला-बदली नहीं है, बल्कि दो फ्रेंचाइजियों की रणनीति में बड़े बदलाव का संकेत भी है। दिल्ली ने अपने पुराने स्टार और पूर्व कप्तान को वापस लाकर भावनात्मक और क्रिकेट दोनों मोर्चों पर बड़ा दांव खेला है, जबकि लखनऊ ने भारतीय स्पिन विभाग को मजबूत करने के लिए कुलदीप यादव जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाज को अपने साथ जोड़ा है। आईपीएल 2027 से पहले इस ट्रेड ने लीग के समीकरण बदल दिए हैं और अब सभी की नजरें इस बात पर होंगी कि पंत की घर वापसी और कुलदीप की नई शुरुआत अपनी-अपनी टीमों को कितना फायदा पहुंचाती है। खास बात यह भी है कि लखनऊ के निकाले गए दो पूर्व कप्तान राहुल और पंत अब एक ही टीम दिल्ली से खेलते दिखेंगे।

दिल्ली में फिर दिखेगा पंत का पुराना रंग

ऋषभ पंत का दिल्ली कैपिटल्स के साथ रिश्ता बेहद खास रहा है। युवा खिलाड़ी के रूप में उन्होंने दिल्ली के लिए अपना आईपीएल सफर शुरू किया और बाद में टीम की कप्तानी भी संभाली। वह 2016 से 2024 तक लगातार नौ सीजन इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे और इस दौरान 111 मैच खेले, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा मैच हैं। पंत ने 2021 से 2024 के बीच चार सीजन में 43 मैचों में टीम की कप्तानी भी की। आक्रामक बल्लेबाजी और नेतृत्व क्षमता के कारण वह लंबे समय तक दिल्ली की पहचान बने रहे। कार एक्सीडेंट और चोट से वापसी के बाद वह लखनऊ सुपर जाएंट्स से जुड़े थे, लेकिन अब एक बार फिर दिल्ली के साथ उनका रिश्ता जुड़ रहा है। दिल्ली के फैंस के लिए यह किसी भावनात्मक वापसी से कम नहीं होगी। पंत ने अपने आईपीएल करियर के कई यादगार पल इसी फ्रेंचाइजी के साथ बिताए हैं।

लखनऊ को मिला कुलदीप जैसा मैच विनर

दूसरी तरफ कुलदीप यादव का दिल्ली कैपिटल्स के साथ सफर भी शानदार रहा। 2022 में फ्रेंचाइजी से जुड़ने के बाद उन्होंने पांच सीजन में 65 मैच खेले और 72 विकेट हासिल किए। इस दौरान कुलदीप आईपीएल के सबसे प्रभावी विकेट लेने वाले स्पिनरों में शामिल रहे। उनकी कलाई की स्पिन और बीच के ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता ने दिल्ली को कई मैच जिताए। अब यह विश्वस्तरीय स्पिनर 13.50 करोड़ रुपये की मौजूदा फीस पर लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ जुड़ेगा। पिछले कुछ वर्षों में कुलदीप ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में शानदार प्रदर्शन किया है। मध्य ओवरों में विकेट निकालने की उनकी क्षमता लखनऊ के गेंदबाजी आक्रमण को नई धार दे सकती है। खासकर इकाना जैसे स्पिन-अनुकूल मैदान पर कुलदीप विरोधी बल्लेबाजों के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं।

फीफा विश्वकप 2026

मेसी नंबर-1: एमबाप्पे से मिल रही कड़ी चुनौती

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 में लियोनल मेसी ने एक और ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसने उनके नाम को फुटबॉल इतिहास में और ऊंचा कर दिया। ऑस्ट्रिया के खिलाफ ग्रुप-जे मुकाबले में दो गोल दागकर अर्जेंटीना के कप्तान विश्वकप इतिहास के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। 39वें जन्मदिन से ठीक पहले मेसी ने अपना कुल आंकड़ा 18 गोल तक पहुंचा दिया और मिरोस्लाव क्लोज का 12 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हालांकि, इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बीच फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे भी लगातार सुर्खियों में हैं। इराक के खिलाफ दो गोल करने के बाद उनके विश्वकप गोलों की संख्या 16 हो गई है। महज 16 मैचों में 16 गोल दाग चुके एमबाप्पे भविष्य में मेसी के रिकॉर्ड के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं।

ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने रचा इतिहास

मेसी ने मैच के शुरुआती दौर में एक पेनल्टी गंवा दी थी, लेकिन इससे उनका आत्मविश्वास नहीं डिगा। पहले हाफ के अंत में उन्होंने बाएं पैर से शानदार फिनिश करते हुए विश्वकप का अपना 17वां गोल किया और क्लोज को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद इंजरी टाइम में जूलियन अल्वारेज के शॉट पर रीबाउंड को गोल में बदलकर उन्होंने मैच में अपना दूसरा और विश्वकप करियर का 18वां गोल दागा। इस प्रदर्शन की बदौलत अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया और राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली।

क्लोज ने पहले ही कर दी थी भविष्यवाणी

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही मिरोस्लाव क्लोजे ने माना था कि मेसी उनका रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। क्लोज ने फीफा से कहा था, 'मेसी सिर्फ मेसी हैं। मैं हमेशा उनकी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता और मैदान पर उनके व्यवहार का प्रशंसक रहा हूं। उन्होंने हमेशा अपनी टीम को नई ऊर्जा दी है। उन्होंने फुटबॉल के लिए जो किया है, उसके लिए मैं उन्हें सलाम करता हूं।'

06

विश्वकप खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल

मेसी विश्वकप के छह संस्करण खेलने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2006 में सर्बिया और मोंटेनेग्रो के खिलाफ अपना पहला विश्वकप गोल किया था। इसके बाद से वह पांच अलग-अलग विश्वकप संस्करणों में गोल करने का कारनामा कर चुके हैं। जब उनसे उनके पसंदीदा विश्वकप गोल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मुझे अभी याद नहीं है। मैं थका हुआ हूं और बस इस पल का आनंद लेना चाहता हूं।'

फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया, राउंड ऑफ-32 में एंट्री

न्यूयॉर्क, एजेंसी। किलियन एमबाप्पे के बारे में कहा जाता है कि उनमें महान फुटबॉलर बनने की क्षमता है। इस बात को एमबाप्पे ने बीती रात साबित किया। उनके दो गोलों के दम पर फ्रांस ने ग्रुप-आई के मैच में इराक को 3-0 से हरा दिया। इसी के साथ फ्रांस ने फीफा वर्ल्ड कप-2026 के अगले दौर में जगह पक्की कर ली है।

इस मैच से पहले अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को मात दी और इसमें मेसी ने दो गोल करते हुए वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उनके अब 18 गोल हो गए हैं। इस मामले में उन्हें एमबाप्पे चुनौती दे रहे हैं। इराक के खिलाफ दो गोल करते हुए एमबाप्पे ने विश्व कप में अपने गोलों को संख्या 16 तक पहुंचा दी है और वह अब मेसी की बराबरी करने से दो गोल ही पीछे हैं।

बारिश के कारण हुई देरी

इस मैच की बारिश ने खलल डाला। दूसरे हाफ की शुरुआत में दो घंटे 21 मिनट की देरी हुई। तूफान के साथ-साथ बारिश ने दर्शकों और खिलाड़ियों को काफी परेशान किया। जैसे ही मैच शुरू हुआ एमबाप्पे का जादू देखने को मिला। उन्होंने 14वें मिनट में ही गोल कर दिया। एमबाप्पे ने पेनाल्टी एरिया से गोल पोस्ट के बाएं कोने में गेंद को नेट में डाल अपना और टीम का खाता खोला।लेकिन इस गोल के बाद ये टीम संघर्ष करती रही और पहले हाफ में दूसरा गोल नहीं कर पाई। इराक ने अपने मजबूत डिफेंस से फ्रांस के प्रयासों को नाकाम किया। इराक ने गेंद को ज्यादा समय तक अपने पास ही रखा।

दूसरे हाफ में हावी फ्रांस

इराक की कोशिश थी कि वह वापसी करे, लेकिन उसकी एक गलती ने फ्रांस को बढ़त दिला दी। इराक के गोलकीपर अहमद बासिल 54वें मिनट में गेंद को अपने काबू में रख नहीं पाए और उनकी गलती का फायदा एमबाप्पे ने उठाते हुए उसे आसानी से नेट में डाल दिया। इराक की टीम यहां कमजोर पड़ गई थी। आखिरी 20 मिनट में उसके पास दो मौके आए और दोनों बार वह नाकाम रही। वहीं फ्रांस ने अपना तीसरा गोल 66वें मिनट में मार दिया था। ओसमाने डेमबेले ने ये गोल किया। एमबाप्पे के पास भी हैट्रिक लेने का मौका आया था जिसे वो भुना नहीं पाए।

जर्मनी को बड़ा झटका, स्टार डिफेंडर निको टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के नॉकआउट चरण से पहले जर्मनी की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख डिफेंडर निको श्लोटरबेक गंभीर टखने की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें आइवरी कोस्ट के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान लगी थी।जर्मनी ने आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की, लेकिन इस जीत की खुशी श्लोटरबेक की चोट ने फीकी कर दी। मुकाबले के दौरान उनके बाएं टखने में चोट लगी, जिसके बाद मेडिकल टीम ने उनका उपचार किया। हालांकि, उन्होंने खेल जारी रखने की कोशिश की, लेकिन दर्द बढ़ने के कारण उन्हें हाफ टाइम में मैदान छोड़ना पड़ा।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एमआरआई स्कैन में श्लोटरबेक के बाएं टखने के मेडियल लिगामेंट को नुकसान पहुंचने की पुष्टि हुई है। इस तरह की चोट से उबरने में आमतौर पर करीब दो महीने का समय लगता है। ऐसे में उनका विश्व कप में वापसी करना संभव नहीं है।श्लोटरबेक ने टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन किया था और वह जोनाथन ताह के साथ जर्मनी की डिफेंस का अहम हिस्सा बन चुके थे।

मानव सुथार का इंग्लैंड में जलवा, काउंटी क्रिकेट में झटके 5 विकेट

नई दिल्ली। भारतीय युवा बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। अफगानिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया के लिए यादगार टेस्ट डेब्यू करने के कुछ ही दिनों बाद सुथार ने इंग्लैंड की प्रतिष्ठित काउंटी चैंपियनशिप में भी अपनी छाप छोड़ दी। वारविकशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने समरसेट के खिलाफ पहली बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया।

वारविकशायर ने मानव सुथार को दो मैचों के लिए अपनी टीम में शामिल किया था। समरसेट के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने दूसरी पारी में 46.5 ओवर गेंदबाजी करते हुए 100 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। पहली पारी में भी उन्होंने 18 ओवर में 50 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए। इस तरह पूरे मैच में उन्होंने सात विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया।

मानव सुथार ने अपने दो मैचों के काउंटी करियर का शानदार अंत किया। उन्होंने दो मुकाबलों में कुल 11 विकेट हासिल किए। इससे पहले यॉर्कशायर के खिलाफ अपने काउंटी डेब्यू मैच में भी उन्होंने चार विकेट झटके थे। भारत के लिए टेस्ट डेब्यू और उसके बाद काउंटी में लगातार शानदार प्रदर्शन ने उनकी गेंदबाजी की खूब चर्चा कराई है।

समरसेट की पहली पारी सिर्फ 20 रन पर सिमट गई, जिसमें सुथार ने दो विकेट लिए। दूसरी पारी में हालांकि समरसेट ने 435 रन बनाए, लेकिन इस दौरान भी भारतीय स्पिनर का दबदबा देखने को मिला। सुथार ने सबसे पहले जॉर्डन हरमन को 34 रन पर आउट किया। इसके बाद उन्होंने टॉम कोहलर-कैडमोर को अपनी फ्लाइट से चकमा देकर पवेलियन भेजा। नाइटवॉचमैन जोश शॉ ने 22 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन वह भी सुथार की गेंद पर स्लिप में कैच दे बैठे।

इंग्लिश ओपन में भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार का धमाका, विदेश में बनाया सीजन का बेस्ट रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने इंग्लैंड के वॉर्सेस्टर स्थित द वेल गोल्फ क्लब में खेले गए इंग्लिश ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस सीजन का विदेश में अपना सर्वश्रेष्ठ परिणाम दर्ज किया। होटलप्लानर टूर के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्होंने संयुक्त 12वें स्थान पर रहते हुए सप्ताह का समापन किया। वह टॉप-10 में जगह बनाने से महज एक शॉट से चूक गए।27 वर्षीय सप्तक ने अंतिम राउंड में चार अंडर 68 का शानदार कार्ड खेला और कुल 10 अंडर पार के स्कोर के साथ प्रतियोगिता समाप्त की। आखिरी दिन की शुरुआत उन्होंने संयुक्त 24वें स्थान से की थी, लेकिन दमदार प्रदर्शन की बदौलत तेजी से लीडरबोर्ड पर चढ़ते हुए 12वें स्थान तक पहुंच गए।

नीतीश आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर, सूर्यांश बने रिप्लेसमेंट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे से पहले बड़ा झटका लगा है। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशी) में चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, उनके बाएं क्वाड्रिसेप्स में सूजन और मांसपेशियों में चोट (फाइबर डिसरप्शन) पाई गई है, जिसके बाद उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करने को कहा गया है।

नीतीश को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान यह चोट लगी थी। शुरुआती आकलन में चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही थी, लेकिन एमआरआई रिपोर्ट आने के बाद स्थिति चिंताजनक पाई गई। माना जा रहा है कि उनकी रिकवरी में कम से कम चार सप्ताह का समय लगेगा, जबकि रिहैब में इससे ज्यादा समय भी लग सकता है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज भी मिस करना तय माना जा रहा है। चयनकर्ताओं ने युवा ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। मुंबई के इस खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और आईपीएल में भी अपनी उपयोगिता साबित की है।

अहम भूमिका निभाने वाले थे

नीतीश रेड्डी को इस दौरे पर खास जिम्मेदारी मिलने वाली थी। वह हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में टीम के प्रमुख तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की भूमिका निभाने वाले थे। हार्दिक भी क्वाड्रिसेप्स की समस्या से जूझ रहे हैं और फिलहाल वनडे क्रिकेट में लगातार 10 ओवर गेंदबाजी करने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में नीतीश का बाहर होना टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में संतुलन प्रदान करते हैं।23 वर्षीय नीतीश अब तक भारत के लिए 10 टेस्ट, छह वनडे और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्होंने दो मैच खेले थे, जबकि लखनऊ में खेले गए दूसरे वनडे से वह बाहर रहे थे।

बढ़ी हुई रफ्तार बनी वजह

क्रिकेट जगत में यह भी चर्चा है कि स्वतंत्र तेज गेंदबाजी कोच स्टीफन जोन्स के साथ काम करने के बाद नीतीश की बॉलिंग स्पीड में काफी इजाफा हुआ। उनकी रफ्तार 120 किमी प्रति घंटे के उत्तरार्ध से बढ़कर 130 किमी प्रति घंटे के मध्य तक पहुंच गई। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि शरीर इस अचानक बढ़ी हुई गति की मांग के अनुरूप खुद को पूरी तरह ढाल नहीं पाया, जिससे चोट का जोखिम बढ़ गया। भारतीय टीम पहले आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मुकाबले खेलेगी, जिसके बाद इंग्लैंड दौरे पर पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। लेकिन मौजूदा मेडिकल स्थिति को देखते हुए नीतीश का इंग्लैंड दौरे में भी खेलना लगभग नामुमकिन माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का ऐतिहासिक फैसला- पूर्व अग्निवीरों को भर्तियों में 20% आरक्षण

अहमदाबाद, एजेंसी। सरकार ने पूर्व अग्निवीरों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने घोषणा की है कि राज्य सरकार की विभिन्न क्लास-3 श्रेणी की सीधी भर्तियों में पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा से छूट और अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष तक की रियायत भी मिलेगी। अग्निवीर योजना के पहले बैच के जवानों को विशेष राहत देते हुए पांच वर्ष तक की आयु सीमा छूट देने का भी निर्णय लिया गया है। यह लाभ पुलिस, एसआरपी, जेल और वन विभाग की कई भर्तियों में लागू होगा। राज्य सरकार का मानना है कि पूर्व अग्निवीरों के अनुशासन, प्रशिक्षण और अनुभव का उपयोग प्रशासनिक सेवाओं में प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। यह कदम पूर्व सैनिकों के रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में अहम माना जा रहा है। सीएम भूपेंद्र पटेल कहा कि अग्निवीर योजना के पहले बैच के जवानों के लिए तय अधिकतम उम्र सीमा में पांच साल तक की छूट देने के लिए भी गाइडलाइंस जारी कर दिए गएं हैं। जिनके फैसलों का लाभ आर्म्ड पुलिस सब-इंस्पेक्टर, आर्म्ड पुलिस कॉन्स्टेबल, एस.आर.पी. प्लाटून कमांडर और पुलिस कॉन्स्टेबल की भर्ती में मिलेगा। इसके अतिरिक्त, जेल विभाग के तहत जेलर ग्रुप-2 और जेल सिपाही, तथा वन एवं पर्यावरण विभाग की फॉरेस्ट गार्ड क्लास-3 और फॉरेस्ट वॉचर क्लास-3 कैटेगरी में सीधी भर्ती के लिए भी पूर्व अग्निवीरों को यह लाभ दिया जाएगा। बता दें कि गुजरात सरकार के सूचना आयुक्त कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि पूर्व अग्निवीरों के लिए सीएम भूपेंद्र भाई पटेल का अहम फैसला। राज्य पुलिस बल के आर्म्ड विंग विभाग, एस.आर.पी., जेल विभाग और वन विभाग के फॉरेस्ट गार्ड व फॉरेस्ट रेंजर (क्लास- 3) पदों पर सीधी भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। गौरतलब है कि इन भर्तियों के लिए पूर्व अग्निवीरों को शारीरिक दक्षता परीक्षा से छूट देने और निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में तीन साल तक की रियायत देने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने अग्निवीर योजना के पहले बैच के जवानों के लिए तय अधिकतम आयु सीमा में 5 साल तक की रियायत देने के निर्देश भी दिए हैं।

10 लाख का चेक दान कर बनीं मिसाल, बुजुर्ग महिला के जज्बे को देश कर रहा सलाम

बेंगलुरु / दावणगेरे, एजेंसी। कर्नाटक के दावणगेरे से एक प्रेरणा देने वाली कहानी सामने आ रही है। केबी करिबासम्मा कैंसर पीड़ित पूर्व शिक्षिका ने अपनी पूरी जमा-पूंजी सैनिकों के कल्याण के लिए दान कर मिसाल पेश की। यही एक सरकारी शुरूआत है, जिसके जरिए देश की रक्षा में शहीद हुए जवानों के परिवार वालों की मदद के लिए योगदान कर सकते है। केबी करिबासम्मा एक प्रसिद्ध स्कूल की अध्यापिका और इच्छामृत्यु की समर्थक है। इन्होनें अपनी पेंशन, घर बेच कर मिली रकम और बाकी संपत्ति को मिलाकर यह दान किया। केबी करिबासम्मा खुद कैंसर की बीमारी से पीड़ित है। बता दें, कि वह लंबे समय से इच्छामृत्यु की मांग को लेकर एक अभियान चला रहे है। इस अभियान का उद्देश्य गंभीर रूप से असाध्य बीमारियों से पीड़ित लोगों को गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार मिल सकें। आपको बता दें, कि करिबासम्मा दावणगेरे जिले में इच्छा मृत्यु के समर्थन में अभियान चलाने के लिए जानी जाती हैं। इसके साथ ही उन्होंने अब सब कुछ बेचकर सेना को दान कर दिया है। उनके इस कदम की समाज में काफी सराहना भी हो रही है। उन्होंने अपनी जमा पूंजी से 10 लाख रुपए का चेक भारत के वीर कॉर्पस फंड में दिया और फिलहाल वे एक वृद्धाश्रम में रह रही है। करिबासम्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं अपने जीवन भर की संपत्ति पीएम मोदी को देना चाहती थी, लेकिन मुझे ऐसा सौभाग्य प्राप्त नही हुआ। मेरी हालत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। उन्होनें यह भी बताया कि मैनें प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा था। मैने अपना यह धन अपने शहर के डिप्टी कमिश्नर को सौंप दिया है। इलाज पर खर्च करने के बजाय वह यह राशि सैनिकों के कल्याण के लिए देंगी।

सीएम विजय ने तमिलनाडु विधानसभा में दिया 'रील' से 'रियल' तक का जोरदार भाषण

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने मंगलवार को उन आलोचकों को जवाब दिया जिन्होंने 'तमिलगा वेट्री कझगम' (टीवीके) को सिर्फ एक एक्टर की पार्टी कहकर खारिज कर दिया था। उन्होंने तर्क दिया कि पार्टी का सत्ता में आना बरसों की सक्रियता और जनता से जुड़ाव का नतीजा है।

विधानसभा में लंबा भाषण देते हुए विजय ने उन दावों को खारिज कर दिया कि वे सीधे फिल्म सेट से राजनीति में आए हैं। उन्होंने इसे सिर्फ एक 'रील' (फिल्मी) स्टोरी बताया। उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ पार्टी के विरोध को याद किया और टीवीके की राजनीतिक यात्रा के दौरान आई चुनौतियों पर बात करते हुए करूर भगदड़ विवाद का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा, 'कुछ लोग कहते हैं कि मैं सीधे फिल्म की शूटिंग के सेट से मुख्यमंत्री बनने आया हूं। उनकी ही भाषा में कहूं तो यह सिर्फ एक 'रील' है। ज्यादातर लोग पहले राजनीतिक पार्टी बनाते हैं और फिर लोगों के पास जाते हैं। हम पहले लोगों के पास गए और उसके बाद अपनी पार्टी शुरू की। जो लोग इस बात को नहीं समझ पाते, वही हमें सिर्फ एक एक्टर की पार्टी कहकर खारिज कर देते हैं। '

उन्होंने आगे कहा, '2026 के चुनाव में हम बिना किसी गठबंधन के अकेले चुनाव लड़ेंगे।' करूर भगदड़ को लेकर अपनी पार्टी पर लगे आरोपों का बचाव करते हुए उन्होंने कहा, 'करूर में 41 लोगों की जान चली गई और इसका दोष हम पर मढ़ दिया गया। क्या राजनीति इसी तरह की जानी चाहिए? '

सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों का भी जिक्र

इसके बाद विजय ने उन कई सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों का जिक्र किया, जिनके लिए उन्होंने और उनके समर्थकों ने टीवीके शुरू करने से बहुत पहले ही आवाज उठाई थी।

उन्होंने कहा, '2011 में हमने मछुआरों के समर्थन में एक जनसभा आयोजित की और उनकी ओर से अपनी चिंताएं जाहिर कीं। हमने जल्लीकट्टू विरोध प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया। हमने व्यक्तिगत रूप से जाकर स्टरलाइट विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया। हमने शिक्षा के क्षेत्र में होनहार छात्रों को स्कॉलरशिप और प्रोत्साहन राशि दी। इन सबके बाद हमने टीवीके की शुरुआत की। '

उन्होंने कहा, 'हमने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध करते हुए भी बयान जारी किए।' गवर्नर के भाषण का जवाब देते हुए विजय ने तमिलनाडु के लोगों का शुक्रिया अदा किया और कहा कि उनकी सेवा करना उनकी सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

यह कहते हुए कि टीवीके पेरियार की धर्म को नकारने वाली सोच को नहीं मानती विजय ने कहा कि पार्टी ने द्रविड़ आइकन से जुड़े व्यापक सिद्धांतों को अपनाया है। उन्होंने कहा, 'हमने पेरियार की धार्मिक मान्यताओं को तो नहीं अपनाया, लेकिन उनके व्यापक सिद्धांतों को पूरी तरह से स्वीकार किया। हमने हमेशा यह साफ किया है कि हम किसी की विचारधारा के खिलाफ नहीं हैं। हमने साफ तौर पर पहचाना कि हमारे राजनीतिक विरोधी कौन हैं और हमारे वैचारिक विरोधी कौन हैं। '

पहले के मुख्यमंत्रियों का भी जिक्र

अपनी सरकार को आम नागरिकों का प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार के तौर पर पेश करते हुए विजय ने पूर्व मुख्यमंत्रियों सी.एन. अन्नादुरई और एम.जी. रामचंद्रन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जैसे अन्ना के समय आम लोगों की सरकार थी और एमजीआर के समय बहुत ही साधारण लोगों की सरकार थी, वैसे ही विजय के नेतृत्व वाली यह सरकार सबसे साधारण लोगों की सरकार है। '

कंज्यूमर कोर्ट ने अस्पताल की दलीलों को किया खारिज

आयुष्मान कार्ड होने पर भी वसूले लाखों रूपये, अब अस्पताल भरेगा जुर्माना

रोहतक , एजेंसी। हरियाणा से एक ऐसा मामला सामने आया है, जो आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए एक बड़ी जीत है और मनमानी करने वाले अस्पतालों के लिए एक सबक। एक निजी अस्पताल ने आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद एक मरीज से इलाज के नाम पर 7.25 लाख रुपये वसूल लिए। इलाज के बाद मरीज की मौत हो गई। इसके बाद जब विधवा पत्नी ने न्याय के लिए आवाज उठाई, तो उपभोक्ता अदालत ने अस्पताल को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने अस्पताल को 5 लाख रुपये रिफंड करने के साथ-साथ मुआवजा और अदालती खर्च भरने का आदेश दिया है।

क्या है पूरा मामला?: रिपोर्ट के मुताबिक, महिला के पति को 12 जून 2024 को पेट दर्द और सांस लेने में भारी तकलीफ हुई थी। शुरुआत में उन्हें भिवानी ले जाया गया और फिर 13 जून को रोहतक के पॉजिट्रॉन अस्पताल में भर्ती कराया गया। मरीज और उसकी पत्नी आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी थे, जिसके तहत उन्हें 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलनी थी।

शिकायत के मुताबिक, आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद अस्पताल ने महिला से 7.25 लाख रुपये की भारी रकम यह कहकर वसूल ली कि योजना के तहत अप्रूवल मिलने के बाद पैसे रिफंड कर दिए जाएंगे। महिला ने अपने पति की जान बचाने के लिए रिश्तेदारों से कर्ज लेकर यह रकम चुकाई। दुर्भाग्य से, मरीज की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और 25 जून 2024 को उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। अगले ही दिन (26 जून) मरीज की मौत हो गई। पति की मौत के बाद जब महिला ने अस्पताल से 5 लाख रुपये रिफंड मांगे, तो अस्पताल ने पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया। अस्पताल ने दावा किया कि वे आयुष्मान योजना के तहत इस बीमारी का इलाज नहीं करते हैं। इसके बाद महिला ने चरखी दादरी जिला उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया।

अस्पताल ने कोर्ट में अपना बचाव करते हुए महिला की शिकायत को झूठा और पैसे ऐंठने की कोशिश बताया। अस्पताल की तरफ से दी गई दलीलें इस प्रकार थीं।

अस्पताल ने कहा कि वह आयुष्मान योजना के तहत सिर्फ कार्डियोलॉजी (हृदय रोग) और कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी के लिए पैनल में शामिल है। चूंकि मरीज 'एक्यूट गैस्ट्रोएंटेराइटिस' और 'सेप्सिस' से पीड़ित था, इसलिए उसका इलाज योजना के तहत कवर नहीं होता था।

अस्पताल ने कहा कि इलाज से पहले परिजनों को यह बात बता दी गई थी और सहमति के बाद ही मरीज को 'कैश पेशेंट' (नकद भुगतान वाले मरीज) के तौर पर भर्ती किया गया था। चरखी दादरी जिला उपभोक्ता आयोग के पीठासीन सदस्य मनजीत सिंह नरयाल ने अस्पताल की सभी दलीलों को खारिज कर दिया। 3 जून को दिए गए अपने आदेश में आयोग ने पाया कि अस्पताल ने ऐसा कोई दस्तावेजी सबूत पेश नहीं किया जो यह साबित करे कि मरीज का इलाज आयुष्मान योजना के दायरे से बाहर था। अस्पताल और प्राधिकरण के बीच हुए समझौते (स्ब्ह्र) के 'क्लॉज 13' में 'चिकित्सा उपचार' को बहुत व्यापक रूप से परिभाषित किया गया है।

डस्टबिन खुद बुलाएगा सफाईकर्मी, नोएडा में शुरू हुई देश की पहली स्मार्ट कचरा व्यवस्था; कैसे काम करेगी ये तकनीक?

नोएडा, एजेंसी। नोएडा प्राधिकरण शहर में कचरा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए कई बड़े बदलाव करने जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है, ताकि वह सड़क पर किसी भी प्रकार का कचरा न फेंकें। इसके लिए अत्याधुनिक तकनीकी से लैस कचरा पेटियों (डस्टबिन) की व्यवस्था की जाएगी। जैसे ही इन डस्टबिन में कचरा भर जाएगा, कंट्रोल रूम में घंटी बजने लगेगी। इससे प्राधिकरण का जन स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो जाएगा और कचरा कलेक्शन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

यह व्यवस्था देश में पहली बार नोएडा में लागू की जा रही है। प्रथम चरण में इसे सार्व जनिक शौचालयों पर लागू किया जाएगा। प्राधिकरण ने शहर में 320 सार्वजनिक शौचालयों की स्थापना की है, जो पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत संचालित हो रहे हैं। इस मॉडल की सराहना करते हुए मिनिस्ट्री आफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स (महुआ) ने अन्य नगर निगमों को भी इसे अपनाने की सलाह दी है। जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इन डस्टबिन को शौचालयों के बाहर स्थापित किया जाएगा, जो जीपीएस और सेंसर से युक्त होंगे। इनकी मानिटरिंग इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर (आइसीसीसी) द्वारा की जाएगी, जहां डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की सभी गाड़ियों की निगरानी होती है। हालांकि नियमित डस्टबिन की सफाई और कचरा कलेक्शन का कार्य जारी रहेगा। यदि डस्टबिन में कचरा भर जाता है।

अगले 48 घंटे होंगे भारी... बिहार-बंगाल और महाराष्ट्र समेत 15 राज्यों में बारिश का अलर्ट; दिल्ली में भी बदलेगा मौसम

पटना/कोलकाता/मुंबई/एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को देश कई कई राज्यों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें बिहार से लेकर बंगाल व नॉर्थ ईस्ट और जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल तक भयंकर आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, 25 जून तक कुछ जगहों पर बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने की संभावना है। इसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी इलाकों वाला पश्चिम बंगाल, गुजरात, तमिलनाडु, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं। इनके अलावा असम, मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है। बिहार, अरुणाचल प्रदेश, तटीय कर्नाटक, मध्य महाराष्ट्र, गोवा, ओडिशा, तेलंगाना, केरल और कई पूर्वोत्तर राज्यों में भी भारी बारिश की संभावना है।

15 दिन से छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर रुका मानसून अब आगे बढ़ चुका है। 23 जून से 5 जुलाई के बीच इसके मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान तक पहुंचने का अनुमान है। देश की राजधानी दिल्ली और उसके आस-पास के इलाके इस वक्त ज्यादा तपिश झेल रहे हैं। जून का महीना आमतौर पर दिल्ली में सबसे गर्म महीनों में से एक होता है, जिसमें तापमान अक्सर 40 डिग्री का आंकड़ा पार कर जाता है। अब मौसम विभाग का अनुमान है कि आंधी-तूफान और तेज हवाओं दिल्ली को इस तपिश से थोड़ी राहत मिल सकती है।

हालांकि बदलते मौसम की उम्मीद के बीच अभी दिल्ली की हवा खराब श्रेणी में बनी हुई है।

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ सड़कों पर उतरे स्कूली बच्चे और महिलाएं, भड़का जनाक्रोश; नारे लगाकर मांगी आजादी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सैन्य दमन के खिलाफ जारी जनांदोलन में 10-12 साल के स्कूली बच्चे और महिलाएं भी भारी संख्या में सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी खुलेआम आजादी के नारे लगा रहे हैं और पाकिस्तान सरकार की कड़े शब्दों में निंदा कर रहे हैं। रावलकोट के ईदगाह मैदान में पिछले 11 दिनों से 70,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों का धरना भी जारी है। वहीं सुधनोती जिले के तरार खेल में छोटे-छोटे स्कूली बच्चों ने सार्वजनिक चौकों पर एकत्र होकर स्वतंत्रता के समर्थन में नारेबाजी की। मंधोल में सैकड़ों महिलाओं ने मार्च निकालकर पाकिस्तानी सरकार और सेना को अवैध कब्जाधारी करार दिया। रावलकोट में प्रदर्शन कर रहे बच्चों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर-सेना बाहर जाओ जैसे नारे लिखे थे। आंदोलन की अगुवाई कर रही अवामी एक्शन कमेटी ने पाकिस्तानी सरकार को अपनी 38 सूत्रीय मांगों का चार्टर स्वीकार करने के लिए 23 जून तक का अल्टीमेटम दिया है। ईदगाह मैदान में हजारों लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए संगठन के नेता सरदार अमान खान ने बेहद तीखा और भावुक भाषण दिया। उन्होंने पाकिस्तानी सेना को सीधे तौर पर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने दमन जारी रखा, तो पूरे सैन्य ढांचे को पीओके से बाहर खदेड़ दिया जाएगा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मानवाधिकार उल्लंघनों और प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग के विरोध में हजारों ब्रिटिश कश्मीरी लंदन में ब्रिटिश संसद के बाहर एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने नागरिकों की मौत, घायलों और महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार पर चिंता जताते हुए अंतरराष्ट्रीय जांच तथा जवाबदेही की मांग की।

● एक पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल

मॉन्ट्रियल शहर के हिल्टन होटल में गोलीबारी, बंदूकधारी ने एक अधिकारी की हत्या की, हमलावर भी ढेर

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर के एक होटल में एक संदिग्ध ने बंदूक से गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने जवाबी गोलीबारी की और संदिग्ध को मार गिराया। इसमें एक नागरिक की भी मौत हो गई, लेकिन यह तुरंत साफ नहीं हो पाया कि गोली किसने चलाई।

पुलिस प्रमुख फाडी डागर ने बताया कि शहर के कोट-डेस-नीजेस इलाके में हुई गोलीबारी में एक दूसरा पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन उसकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि हमलावर को पुलिस ने गोली मारकर मार डाला। पुलिस प्रमुख ने कहा कि 24 वर्षों में यह पहली बार है कि मॉन्ट्रियल पुलिस का कोई अधिकारी ड्यूटी के दौरान शहीद हुआ है। 'यह बहुत ही दुखद दिन है। यह एक बुरे सपने जैसा है।'

डागर ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:35 बजे किसी ने आपातकालीन सेवाओं को फोन करके हिल्टन होटल की खिड़की से बंदूक लहराते हुए एक व्यक्ति के बारे में सूचना दी। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और उन पर गोलीबारी की गई। वीडियो में हमलावर होटल के बाहर भी दिखाई दिया।पुलिस अभी भी संदिग्ध के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रही है। डागर ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि नागरिक को गोली किसने मारी। गोलीबारी के पास निर्माण कार्य कर रहे जैकब कौटू ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह चार-पांच गोलियों की आवाज सुनी।

चीन के साथ करीबी बढ़ा रहा बांग्लादेश, रिपोर्ट में दावा- 24 जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने को तैयार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश अपनी वायुसेना को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। मीडिया रेपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बांग्लादेश चीन से जे-10सीई बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बना रहा है।

डेली वाडा की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सोमवार से शुरू हुई चीन यात्रा के दौरान बांग्लादेश 24 चीनी जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की योजना को आगे बढ़ा सकता है। इसके साथ ही ढाका और बीजिंग रक्षा, बुनियादी ढांचे, व्यापार और निवेश समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से कहा गया है, 'हमें उम्मीद है कि इस वर्ष अगस्त तक लड़ाकू विमान खरीद समझौते पर हस्ताक्षर कर लिए जाएंगे।' अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक विमान की कीमत लगभग 4 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत को तेज करने के लिए पिछले सप्ताह एक चीनी प्रतिनिधिमंडल ढाका आया था। वहीं, बांग्लादेशी अधिकारी यात्रा के दौरान चीन के विदेश और रक्षा मंत्रियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर प्रस्तावित सौदे के प्रमुख बिंदुओं को अंतिम रूप देंगे। रक्षा क्षेत्र से जुड़ी यह चर्चा व्यापक एजेंडे का हिस्सा है, जिसके बारे में अधिकारियों का मानना है कि इससे बांग्लादेश-चीन संबंधों को नई ऊंचाई मिल सकती है। बांग्लादेश के विदेश सचिव ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री की चीन यात्रा के दौरान दोनों देश 17 समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। इनमें 15 समझौता ज्ञापन (एमओयू), दो समझौते, एक प्रोटोकॉल और एक कार्ययोजना शामिल है। चीन यात्रा के बारे में विदेश सचिव ने कहा, 'चीन बांग्लादेश का बहुत करीबी मित्र, रणनीतिक साझेदार और महत्वपूर्ण व्यापारिक एवं विकास सहयोगी है। वर्तमान में हमारे द्विपक्षीय संबंध व्यापक रणनीतिक सहयोगी साझेदारी के स्तर तक पहुंच चुके हैं, जो आपसी विश्वास, सम्मान और सहयोग के आधार पर लगातार मजबूत हो रहे हैं। '

विदेश सचिव ने बताया कि प्रधानमंत्री की चीन यात्रा के दौरान तीस्ता परियोजना पर भी चर्चा होगी। हालांकि, उन्होंने इस विषय पर अधिक जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की चार प्रमुख पहलों पर भी चर्चा होगी और बांग्लादेश उनका गर्मजोशी से स्वागत करेगा। इसके अलावा, पारंपरिक द्विपक्षीय संबंधों और बांग्लादेश-चीन सैन्य सहयोग से जुड़े मुद्दों पर भी बातचीत की जाएगी। प्रधानमंत्री को विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने चीन के डालियान में आयोजित होने वाली 17वीं वार्षिक न्यू चैंपियंस बैठक, जिसे आमतौर पर 'समर दावोस' के नाम से जाना जाता है, में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। इस प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलन में विभिन्न देशों के शासनाध्यक्ष, नीति-निर्माता, कारोबारी नेता, नवाचार विशेषज्ञ और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के जानकार वैश्विक अर्थव्यवस्था के भविष्य, उभरते नवाचारों और सतत विकास जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे। विश्व आर्थिक मंच के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ रहमान की उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठकें निर्धारित हैं। इसके अलावा, कजाकिस्तान, मंगोलिया, वियतनाम और दक्षिण कोरिया सहित अन्य भाग लेने वाले देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों के साथ भी द्विपक्षीय वार्ताओं की व्यवस्था की जा रही है। विदेश सचिव ने बताया कि मेजबान देश चीन के साथ भी द्विपक्षीय बैठकों को लेकर चर्चा जारी है।

मैं प्रॉब्लम सॉल्वर हूं, बीबी का मामला भी सुलझा दूंगा': इस्राइल के सवाल पर भड़के ट्रंप, स्टार्मर को भी घेरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ताजा बयानों ने वैश्विक हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप ने ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने का बड़ा दावा किया है। जब ट्रंप से पूछा गया कि वे इस्राइली पीएम को अमेरिका-ईरान बातचीत में बाधा डालने से कैसे रोकेंगे, तो उन्होंने खुद को समस्या सुझाने वाला (प्रॉब्लम सॉल्वर) बताया। ट्रंप ने कहा कि वे अपनी योजना का खुलासा नहीं करेंगे, लेकिन वे इस समस्या को बहुत जल्दी सुलझा लेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि वे बीबी (नेतन्याहू) से जुड़े मामले को भी सुलझा लेंगे। ट्रंप का यह बयान नेतन्याहू के कल के बयान के बाद आया है कि इस्राइली सेना लेबनान में बनी रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के इस्तीफे पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने स्टार्मर की आलोचना इसलिए की क्योंकि उन्होंने ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत गलतियां कीं। ट्रंप के अनुसार, ब्रिटेन ने हर जगह पवन चक्कियां लगा दी हैं, जबकि उनके पास उत्तरी सागर में तेल का बड़ा भंडार मौजूद है। पर्यावरण के नाम पर वहां तेल निकालने की अनुमति नहीं दी गई, जो एक गलत फैसला था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,